● वर्ष : 17 ● अंक : 112 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दैनिक
लोकतंत्र की शान

दिल्ली से प्रकाशित

सोमवार 9 फरवरी 2026

लोकतंत्र का स्तंभ

भारत-मलेशिया के बीच द्विपक्षीय वार्ता के बाद 11 महत्वपूर्ण समझौतों पर हुए हस्ताक्षर

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 2026 की पहली विदेश यात्रा भारत और मलेशिया के बीच 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाली साबित हुई है। प्रधानमंत्री मोदी और मलेशिया के प्रधानमंत्री महामहिम दातो सेरी अनवर इब्राहिम के बीच रविवार को पुत्राजाया स्थित पर्दाना पुत्र परिसर में प्रतिनिधिमंडल स्तर की सार्थक वार्ता हुई। वार्ता के बाद दोनों नेताओं की मौजूदगी में कुल 11 महत्वपूर्ण दस्तावेज और समझौतों का आदान-प्रदान किया गया। इनमें डिजिटल भुगतान और सुरक्षा सहयोग, सेमी कंडक्टर विकास और स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, भ्रष्टाचार निवारण और आपदा प्रबंधन, भारतीय कामगारों के लिए सामाजिक सुरक्षा तथा तकनीकी शिक्षा और मलेशिया का अंतरराष्ट्रीय बिग कैट एलायंस में शामिल होना है। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी का आज मलेशिया के प्रधानमंत्री महामहिम दातो सेरी अनवर इब्राहिम ने पर्दाना पुत्र परिसर में औपचारिक स्वागत किया। इसके बाद, दोनों नेताओं ने प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के आधिकारिक आवास सेरी पर्दाना में सीमित और प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक की।नेताओं ने व्यापक चर्चा की और 2024 में दोनों देशों के बीच स्थापित व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। उन्होंने साझेदारी की नींव रखने वाले भारत-मलेशिया के सदियों पुराने संबंधों और घनिष्ठ जन-संबंधों को याद किया। नेताओं ने व्यापार, निवेश, रक्षा, सुरक्षा, समुद्री क्षेत्र, स्वच्छ ऊर्जा, अवसंरचना, स्टार्टअप, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, आयुर्वेद, पर्यटन और सांस्कृतिक संबंधों जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों सहित द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण परिदृश्य की समीक्षा की। नेताओं ने सेमीकंडक्टर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे उभरते क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा की। उन्होंने द्विपक्षीय डिजिटल परिषद के माध्यम से दोनों देशों के बीच डिजिटल सहयोग में हुई निरंतर प्रगति की सराहना की और फिनटेक सहयोग को बढ़ाने के लिए यूपीआई और पे-नेट के बीच हुए समझौते का स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी ने संसदीय और विश्वविद्यालयीय आदान-प्रदान के माध्यम से युवाओं के बीच संबंधों को मजबूत करने का आह्वान किया। इसी बीच भारत के नालंदा विश्वविद्यालय और मलाया विश्वविद्यालय तथा मलेशिया के आईआईटी मद्रास और एडवांस्ड सेमीकंडक्टर अकादमी के बीच चल रहे सहयोग का स्वागत किया गया। मोदी ने कहा कि मलेशिया में भारत के पहले वाणिज्य दूतावास के खुलने से वाणिज्यिक और जन-संबंधों को मजबूती मिलेगी।दोनों नेताओं ने वैश्विक शासन सुधार, हिंद-प्रशांत क्षेत्र और भारत-आसियान साझेदारी में वृद्धि सहित पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर अपने विचार साझा किए।

भारत-मलेशिया साझेदारी को मिलेगी नई गति, आतंकवाद पर नो डबल स्टैंडर्ड्स, नो कंप्रोमाइज

पुत्राजाया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मलेशिया दौरे के दूसरे दिन कहा कि मलेशिया में भारत के श्रमिकों के संरक्षण के लिए सोशल सिक्योरिटी एग्रीमेंट, पर्यटन के लिए ग्रेटिस ई-वीजा तथा डिजिटल इंटरफेस यूपीआई का मलेशिया में लागू होना जैसे कदम दोनों देशों के नागरिकों के जीवन को सरल बनाएंगे। उन्होंने कहा कि आज की चुनौतियों का समाधान करने के लिए वैश्विक संस्थानों में सुधार आवश्यक है। भारत-मलेशिया शांति के सभी प्रयासों का समर्थन करते रहेंगे और आतंकवाद के मुद्दे पर दोनों देशों का संदेश स्पष्ट है- नो डबल स्टैंडर्ड्स, नो कंप्रोमाइज। मलेशिया की प्रशासनिक और न्यायिक राजधानी पुत्राजाया में मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और मलेशिया के संबंध अत्यंत विशेष हैं। दोनों देश समुद्री पड़ोसी हैं और सदियों से उनके लोगों के बीच गहरे और आत्मीय संबंध रहे हैं। आज मलेशिया भारतीय मूल की आबादी वाला दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश है, जो दोनों देशों के बीच मानवीय रिश्तों की मजबूती को दर्शाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले वर्ष वह आसियान से जुड़े कार्यक्रम के लिए मलेशिया नहीं आ पाए थे, लेकिन आज वर्ष 2026 की पहली विदेश यात्रा में मलेशिया आकर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। बीते कुछ वर्षों में भारत-मलेशिया संबंधों ने नई गति पकड़ी है, जिसमें प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम का विशेष योगदान रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच ऊर्जा, अवसंरचना और विनिर्माण क्षेत्रों में सहयोग मजबूत हुआ है। डिजिटल अर्थव्यवस्था, बायोटेक और आईटी में आपसी निवेश बढ़ा है, जबकि पर्यटन और लोगों के बीच संपर्क भी गहरे हुए हैं।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

प्रधानमंत्री संसद में ही सुरक्षित नहीं? नागरिकों की सुरक्षा के लिए कौन जिम्मेदार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संसद के अंदर सुरक्षित नहीं हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का इस आशय का कथन अपने आप में गंभीर है। संसद केवल एक भवन नहीं है, लोकतंत्र की सर्वोच्च संस्था है। संसद में नागरिकों की रक्षा के लिए नियम और कानून बनाए जाते हैं। उन्हीं नियमों और कानूनों से कार्यपालिका नागरिकों को यह भरोसा दिलाती है कि सरकार उनके हित में काम कर रही है। सरकार उनकी सुरक्षा, उनके जीवन-यापन तथा शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे विषयों पर काम कर रही है। 1947 के बाद से आम जनता का भरोसा संसद पर बना हुआ है। यदि उसी संसद मे सदन का नेता सुरक्षित नहीं है? इस लोकसभा के अध्यक्ष जो सदन मे सभी निर्वाचित सदस्यों के संरक्षक हैं।

संविधान ने उन्हें सत्ता पक्ष और विपक्ष को संविधान का पालन कराने का अधिकार दिया हुआ है। यदि वह इस तरह की बात करते हैं, तो निश्चित रूप से 140 करोड़ जनता के मन में यह सवाल उठता है, यदि इतनी सुरक्षा प्राप्त प्रधानमंत्री सदन के अंदर सुरक्षित नहीं हैं, जिस सदन में मार्शल हटाकर सीआरपीएफ सुरक्षा बल के जवान लगाए गए हैं। ऐसी स्थिति में आम नागरिकों का क्या होगा? यदि यह आरोप सार्वजनिक विचार-विमर्श का हिस्सा बनता है तो उसका असर केवल सुरक्षा बहस तक सीमित नहीं रहता बल्कि वह राजनीतिक संदेश, संसदीय मर्यादा] जनविश्वास और विश्व में भारत के लोकतंत्र को लेकर सवाल वाली स्थिति बनती है। यहां पर सवाल प्रधानमंत्री की सुरक्षा का है। संसद देश के सबसे सुरक्षित स्थलों में मानी जाती है। बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था, खुफिया निगरानी और प्रोटोकॉल पहले से मौजूद हैं। ऐसे में यदि कोई नेता विशेषकर प्रधानमंत्री सदन के अंदर असुरक्षित हैं, तो यह सुरक्षा एजेंसियों, लोकसभा सचिवालय और लोकसभा अध्यक्ष के लिए चिंता और समीक्षा का विषय है। लोकसभा अध्यक्ष के ऊपर सदन की तथा सदस्यों की सुरक्षा और उनके कार्य प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका है। सदन की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित करना उनकी जिम्मेदारी है। यदि वही कहते हैं कि प्रधानमंत्री सदन के अंदर सुरक्षित नहीं है। ऐसे में यह उनकी ही अक्षमता का प्रमाण माना जा सकता है। उन्हें राजनीतिक दबाव से ऊपर उठकर तथ्यों के आधार पर स्थिति को बिना किसी भेदभाव के स्पष्ट करनी चाहिए।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लोकसभा में प्रधानमंत्री का नहीं बोलना और लोकसभा अध्यक्ष का यह कहना कि प्रधानमंत्री के ऊपर हमला हो सकता था, इसलिए उन्होंने उन्हें सदन में आने से मना किया था। लोकसभा अध्यक्ष का यह कथन स्वयं लोकसभा अध्यक्ष और सत्तापक्ष के लिए दोधारी तलवार बन गया है। इससे सत्ता पक्ष के समर्थकों में यह संदेश जायेगा कि प्रधानमंत्री निरंतर खतरे में रहकर भी काम कर रहे हैं। जिससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सहानुभूति मिल सकती है। दूसरी ओर विपक्ष इसे राजनीतिक नाटकीयता बताकर सवाल उठायेगा।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

आस्था, खान-पान अलग हो सकती हैं, लेकिन हम सब एक समाज और देश का हिस्साः भागवत

मुंबई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 साल पूरे होने पर मुंबई में शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान ने भी शिरकत की। वे फिल्ममेकर सुभाष घई और गीतकार प्रसून जोशी के साथ वहां पहुंचे और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को सुना। इस कार्यक्रम में संघ प्रमुख भागवत ने कहा कि भारत में हिंदू ही है और कोई है ही नहीं। किसी खास रस्म या प्रार्थना से जुड़े धर्म को नहीं दिखाता है, न ही यह किसी खास समुदाय का नाम है। उन्होंने कहा कि आरएसएस किसी के खिलाफ नहीं है और न ही उसे सत्ता या पावर की इच्छा है। संघ राजनीति में सीधे तौर पर शामिल नहीं है, संघ के कुछ लोग राजनीति में सक्रिय हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भागवत ने कहा कि बहुत से लोग कहते हैं कि नरेंद्र भाई आरएसएस के प्रधानमंत्री है। उनकी पॉलिटिकल पार्टी बीजेपी अलग है। उसमें बहुत स्वयंसेवक है, लेकिन संघ की नहीं। संघ के स्वयंसेवक उसमें हैं। भागवत ने कहा कि भारत का बंटवारा धर्म की वजह से हुआ। हमने कहा कि हम सभी धर्मों का सम्मान करते हैं, क्योंकि हम हिंदू हैं। इस्लाम, ईसाई धर्म अभी भी भारत में मौजूद हैं। झड़पें होती हैं, लेकिन देश एकजुट रहता है। हिंदू भाव को भुला देना भी बंटवारे का कारण बना। संघ देश में चल रहे सकारात्मक प्रयासों को समर्थन और मजबूती देने पर फोकस करता है। संघ कोई पैरामिलिट्री फोर्स नहीं है।

लंदन में बैठे भगोड़े हीरा कारोबारी मामा-भांजे को ब्रिटेन की अदालतों ने दिया झटका

नई दिल्ली। लंदन में बैठे भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी और उसके मामा मेहुल चोकसी, दोनों के लिए बुरी खबर है। अलग-अलग मामलों में ब्रिटेन की अदालतों ने साफ संकेत दे दिया कि अब देरी, बहाने और साजिश के आरोप काम नहीं आएंगे। लंदन हाई कोर्ट ने बैंक ऑफ इंडिया के बकाया ऋण मामले में नीरव मोदी की वह याचिका खारिज कर दी, जिसमें उसने दृष्टिहीनता, अवसाद और जेल की परेशानियों का हवाला देकर ट्रायल टालने की मांग की थी। नीरव इस समय एचएमपी पेंटनविले जेल में बंद है और वीडियो लिंक के जरिए सुनवाई में पेश हुआ। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हाईकोर्ट जज ने साफ कहा कि नीरव को ट्रायल में 'समान अवसर' मिलेगा और उसे किसी तरह की 'महत्वपूर्ण क्षति' नहीं होगी। कोर्ट ने यह भी टिप्पणी की कि यह याचिका देरी करने के पैटर्न का हिस्सा लगती है। मतलब साफ बीमारी और हालात का सहारा लेकर समय खींचने की कोशिश अब कोर्ट को मंजूर नहीं। नीरव पर भारत में पंजाब नेशनल बैंक से जुड़े करीब 2 अरब डॉलर की धोखाधड़ी, मनी लॉन्ड्रिंग और गवाहों से छेड़छाड़ जैसे गंभीर आरोप हैं।

पेट्रोलियम मंत्री ट्रंप हैं या हरदीप सिंह पुरीः असदुद्दीन ओवैसी

एजेंसी। हैदराबाद

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने अमेरिका के धमकी भरे बयान पर केंद्र की मोदी सरकार पर कड़ा हमला किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि यदि भारत रूस से तेल खरीदेगा, तब उस पर 25 प्रतिशत टैक्स लगेगा। करीमनगर में जनसभा को संबोधित कर एआईएमआईएम सांसद ओवैसी ने सीधे सवाल उठाया कि भारत का पेट्रोलियम मंत्री डोनाल्ड ट्रंप हैं या हरदीप सिंह पुरी। सांसद ओवैसी ने कहा कि अमेरिका में बैठे एक "गोरी चमड़ी वाले इंसान" भारत को धमकी दे रहे हैं, जबकि देश में केंद्रीय मंत्री मौजूद हैं। उन्होंने मोदी सरकार और बीजेपी पर कटाक्ष कर कहा कि यह देशभक्ति नहीं बल्कि जनता के लिए परेशानी पैदा करने वाला राष्ट्रवाद है। उन्होंने आर्थिक पहलू पर भी ध्यान दिलाया कि अगर भारत रूस से तेल नहीं खरीदेगा, तब इसका फायदा चीन को मिलेगा, जो सस्ता तेल खरीद लेगा। सांसद ओवैसी ने रूसी कंपनी 'नयारा' का उदाहरण देकर पूछा कि क्या अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप इस पर भी टैक्स लगाएंगे। उन्होंने बीजेपी नेताओं के पाखंडी स्वरूप का उल्लेख कर कहा कि चेहरा दाढ़ी वाला, सिर पर टोपी और शरीर पर शेरवानी हो, लेकिन उनके फैसले आम जनता के लिए परेशानी खड़ी करते हैं। इतना ही नहीं उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप के बयान को भारत की संप्रभुता पर हमला बताकर केंद्र सरकार को विदेशियों के दबाव में देश की नीतियों को प्रभावित करने वाला करार दिया।

सॉवरेन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल स्ट्रैटेजी नतीजे दे रहीः वैष्णव

एजेंसी। नई दिल्ली

सर्वम एआई को स्वदेशी फाउंडेशनल मॉडल बनाने किया शॉर्टलिस्ट

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को कहा कि सॉवरेन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मॉडल स्ट्रैटेजी नतीजे दे रही है। इस दौरान उन्होंने घरेलू स्टार्टअप सर्वम एआई द्वारा जारी किए गए एक एडवांस्ड मॉडल की तारीफ की। पिछले साल इस स्टार्टअप को देश का पहला एआई फाउंडेशनल मॉडल बनाने के लिए चुना गया था। 67 प्रपोजल में से सर्वम एआई को भारत का पहला स्वदेशी फाउंडेशनल मॉडल बनाने के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया था। मंत्री वैष्णव ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि हमारे एआई मिशन के हिस्से के रूप में सर्वम द्वारा जारी किए गए टेक्नोलॉजी में एडवांस्ड मॉडल की सबसे ज्यादा आलोचना करने वाले लोग भी तारीफ कर रहे हैं। हमारे स्मार्ट युवा इंजीनियर मटेरियल साइंस, हेल्थकेयर और साइबर सिक्योरिटी में ऐसे इनोवेशन पर काम कर रहे हैं, जिन्हें दुनिया पाथब्रेकिंग मॉडल के तौर पर देखेगी। सर्वम एआई ने भारतीय भाषाओं के लिए सबसे अच्छे टेक्स्ट-टू-स्पीच, स्पीच-टू-टेक्स्ट और ओसीआर मॉडल बनाए हैं। पिछले साल दिसंबर में सर्वम एआई के को-फाउंडर प्रत्युष कुमार ने इंडियाएआई मिशन के तहत मल्टीलिंगुअल एआई सिस्टम दिखाए, जिसमें भारतीय भाषाओं के लिए भारत का पहला सॉवरेन फाउंडेशनल लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) भी शामिल था। भारत के एआई इकोसिस्टम को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए केंद्र सरकार ने 2024 में 10,300 करोड़ रुपए के आवंटन के साथ इंडिया एआई मिशन को मंजूरी दी। अगले पांच सालों में मिलने वाली यह फंडिंग इंडियाएआई मिशन के अलग-अलग हिस्सों को बढ़ावा देने में मदद करेगी। पिछले महीने पीएम मोदी ने स्टार्टअप्स से सामाजिक भलाई के लिए एआई का इस्तेमाल करने का आग्रह किया था। पीएम मोदी ने बताया था कि भारत 16 से 20 फरवरी तक इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 की मेज़बानी करेगा, जिसके ज़रिए देश टेक्नोलॉजी सेक्टर में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि भारतीय एआई मॉडल अलग होने चाहिए और उन्हें स्थानीय और स्वदेशी कंटेंट और क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देना चाहिए।

तीन मंजिला इमारत ढहने से कोचिंग छात्र समेत दो की मौत, कई घायल

जयपुर। राजस्थान के शिक्षा नगरी कोटा के तलवंडी इलाके में शनिवार देर रात एक हृदय विदारक हादसा हुआ, जिसने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया। यहाँ स्थित एक तीन मंजिला इमारत अचानक ताश के पत्तों की तरह ढह गई, जिसमें दबने से पश्चिम बंगाल के 20 वर्षीय कोचिंग छात्र आर्यन और एक अन्य व्यक्ति की दुखद मौत हो गई। हादसे के समय इमारत के भूतल पर संचालित एक रेस्टोरेंट में कई लोग भोजन कर रहे थे, जो मलबे के नीचे दब गए। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और एसडीआरएफ की टीमों ने मौके पर पहुँचकर रात भर सघन रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटनास्थल पर स्थिति अत्यंत भयावह थी; मलबे के बीच फंसे लोगों की चीखें सुनाई दे रही थीं और कुछ लोगों के हाथ-पैर बाहर दिखाई दे रहे थे। इस दुर्घटना में कुल 8 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि 5 अन्य को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है। मृतकों में शामिल छात्र आर्यन कोटा में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा था और रोज की तरह वहां खाना खाने गया था। इमारत गिरने के पीछे निर्माण कार्य और निरंतर हो रहे कंपन को बड़ी वजह माना जा रहा है।

उत्तराखंड में जहां गिरती थी बर्फ वहां जंगल में फैली है आग, 1900 फायर अलर्ट

पिथौरागढ़। उत्तराखंड में जंगल धधकते नजर आए। हालात इतने बिगड़ गए है कि नवंबर से जनवरी के बीच प्रदेश में 1900 से ज्यादा जंगल फॉरेस्ट फायर अलर्ट जारी हुए, जो देश में सबसे ज्यादा हैं। इस दौरान फूलों की घाटी से लेकर नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान तक जलते दिखे। पिछले दो दशकों में बदले मौसम चक्र ने उत्तराखंड के जंगलों को नई चुनौती में डाल दिया है। शीतकाल में सूखे जैसे हालात, बढ़ता तापमान और मानवीय लापरवाही ने आग की घटनाओं को सामान्य बना दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वन विभाग के लिए यह संकट इसलिए भी गंभीर है क्योंकि पारंपरिक फायर सीजन शुरू होने से पहले ही फायर वॉचर समेत जरूरी संसाधन झोंकने पड़ रहे हैं। वन विभाग का आधिकारिक फायर सीजन 15 फरवरी से 15 जून तक होता है। पहले मार्च-अप्रैल के बाद ही जंगल सुलगते थे, लेकिन अब नवंबर से ही आग बुझाने की नौबत आने लगी है। ज्यादातर आग सड़क किनारे फेंकी गई माचिस, बीड़ी-सिगरेट या जानबूझकर लगाई गई आग से फैलती है। कंट्रोल बर्निंग में वन विभाग पहले ही सूखी घास, पिरूल और पत्तियां जला देता है, ताकि फायर लाइन बन सके और आग आगे न बढ़े। जलवायु परिवर्तन के चलते शीतकालीन बारिश और बर्फबारी में भारी कमी आई है। 2012, 2016, 2018 और 2021-23 के बाद 2025 के नवंबर-दिसंबर भी पूरी तरह सूखे रहे।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील ऐतिहासिक, किसानों के हितों पर कोई आंच नहीं आने दी जाएगी

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा- अमेरिका ने कई कृषि उत्पादों पर टैरिफ घटाकर शून्य किया

भारत और अमेरिका के बीच हुई अंतरिम ट्रेड डील को लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यह डील ऐतिहासिक है और पूरी दुनिया को यह संदेश देती है कि भारत की नीति समझौते की है, झुकने की नहीं। उन्होंने दो टूक कहा कि किसानों के हितों पर कोई आंच नहीं आने दी जाएगी और इस समझौते में ऐसा कोई भी उत्पाद शामिल नहीं है, जिससे भारतीय किसानों को नुकसान पहुंचे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चौहान ने साफ किया कि भारत में किसी भी प्रकार के आनुवंशिक रूप से संशोधित यानी जीएम कृषि उत्पादों को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने इसे भारतीय कृषि के लिए बेहद अहम फैसला बताया और कहा कि इससे हमारी मिट्टी, हमारे बीज और कृषि की शुद्धता सुरक्षित रहेगी। उन्होंने कहा कि इस ट्रेड डील में सभी संवेदनशील कृषि उत्पादों को पूरी तरह बाहर रखा गया है। सोयाबीन, मक्का, चावल, गेहूं, चीनी, मोटे अनाज, पोल्ट्री, डेयरी, केले, स्ट्रॉबेरी, चेरी, खट्टे फल, हरी मटर, काबुली चना, मूंग, तिलहन, इथेनॉल और तंबाकू जैसे उत्पादों पर किसी भी तरह की टैरिफ छूट नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा चिंता हमारे प्रमुख अनाजों को लेकर थी और ये सभी सुरक्षित रखे गए हैं। केंद्रीय मंत्री ने साफ किया कि अमेरिका के लिए भारत ने अपने प्रमुख अनाज, फल और डेयरी उत्पादों का कोई द्वार नहीं खोला है। छिलका रहित अनाज, आटा, गेहूं, मक्का, चावल, बाजरा, आलू, प्याज, मटर, बीन्स, खीरा, मशरूम, दलहन, फ्रोजन सब्जियां, संतरे, अंगूर, नींबू और स्ट्रॉबेरी जैसे अमेरिकी कृषि उत्पाद भारत में नहीं आएंगे।

आर्मेनिया ने पहली बार सीडीएस जनरल चौहान के सामने दिखाए भारत से खरीदे हथियार

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत और आर्मेनिया में द्विपक्षीय रक्षा सहयोग और रणनीतिक सहयोग मजबूत करने पर हुई वार्ता

भारत से खरीदे गए हथियारों का आर्मेनिया ने पहली बार सार्वजनिक तौर पर प्रदर्शन किया है। भारतीय सशस्त्र बलों के प्रमुख जनरल अनिल चौहान इस समय आर्मेनिया दौरे पर हैं। उनके सामने आर्मेनियाई और भारतीय हथियारों के अलग-अलग यूएवी और आर्मेनिया में बनाए गए हवाई बमों के लिए सुधार मॉड्यूल भी दिखाए गए। प्रदर्शित किये गए हथियारों में भारत से मिले आकाश एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल सिस्टम, पिनाका मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर सिस्टम और सेल्फ प्रोपेल्ड हॉवित्जर हैं। हाल के वर्षों में आर्मेनिया के साथ भारत के रक्षा संबंध और भी गहरे हुए हैं। आर्मेनिया ने साल 2022 में पहले विदेशी खरीदार के तौर पर भारत को 720 मिलियन डॉलर में 15 आकाश मिसाइल प्रणालियों का ऑर्डर दिया था। यह आकाश-1एस प्रणाली लड़ाकू विमानों, निर्देशित मिसाइलों और ड्रोन जैसे हवाई खतरों के खिलाफ विश्वसनीय सुरक्षा प्रदान करती है। डीआरडीओ निर्मित यह प्रणाली दुश्मन के लड़ाकू विमानों का 30 किलोमीटर पहले ही पता लगाकर उसे नीचे ला सकती है। आकाश मीडियम रेंज की हवा में मार करने वाली मिसाइल है। इसे डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन, भारत डायनामिक्स और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स ने तैयार किया है। चीन के साथ तनाव की शुरुआत के समय से ही पूर्वी लद्दाख सीमा पर भारत ने स्वदेश निर्मित आकाश एयर डिफेंस सिस्टम तैनात कर रखा है। भारतीय सेना की आर्टिलरी रेजिमेंट 155 मिमी/52 कैलिबर टोड गन की उपयोगिता अपने पड़ोसी अजरबैजान से आत्मरक्षा में लगे आर्मेनिया को भी पसंद आई है। इसलिए नवंबर, 2022 में आर्मेनिया ने आर्टिलरी गन की आपूर्ति के लिए भारत को 155.5 मिलियन डॉलर का ऑर्डर दिया था, जो 155 मिमी हथियार प्रणाली के लिए किसी स्थानीय कंपनी को दिया गया पहला ऑर्डर था। भारत से 06 एडवांस टोड आर्टिलरी गन सिस्टम (एटीएजीएस) खरीदने के बाद आर्मेनिया ने मार्च, 2024 में 84 गन के दूसरे बड़े बैच का ऑर्डर दिया है।

इंडिया–यूएस ट्रेड डील के खिलाफ किसानों का एलान, 12 फरवरी को देशव्यापी प्रदर्शन

नई दिल्ली। भारत–अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर देश के प्रमुख किसान संगठनों ने कड़ा विरोध जताया है। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम), उसके नॉन-पॉलिटिकल धड़े और ऑल इंडिया किसान सभा (एआईकेएस) सहित कई संगठनों ने इस प्रस्तावित ट्रेड डील को भारतीय कृषि और डेयरी सेक्टर के लिए गंभीर खतरा बताया है। ऑनलाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस और शनिवार को जारी बयान में एसकेएम नेताओं ने आरोप लगाया कि यह समझौता भारतीय कृषि को अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के सामने आत्मसमर्पण करने जैसा है। उन्होंने वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल पर किसानों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए उनके तत्काल इस्तीफे की मांग की। किसान संगठनों का कहना है कि सरकार का यह दावा गलत है कि कृषि और डेयरी क्षेत्र को फ्री ट्रेड एग्रीमेंट से बाहर रखा गया है। एसकेएम के अनुसार, भारत–अमेरिका के संयुक्त बयान में भारतीय पक्ष द्वारा अमेरिकी कृषि और खाद्य उत्पादों पर लगाए गए नॉन-टैरिफ बैरियर्स हटाने पर सहमति जताई गई है, जिससे घरेलू किसानों को भारी नुकसान होगा।ऑल इंडिया किसान सभा के नेता कृष्णा प्रसाद ने कहा कि इस समझौते के बाद सूखा पशु आहार, रेड सोरघम और सोयाबीन तेल जैसे उत्पादों के लिए भारतीय बाजार खोल दिया जाएगा।

ख़ास ख़बर

गीजर विस्फोट से लगी आग, धुएं में दम घुटने से एक की मौत

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दक्षिण पूर्वी जिले के हजरत निजामुद्दीन इलाके में शुक्रवार शाम अल्वी चौक स्थित मकान नंबर 134–135 में इलेक्ट्रिक गीजर के फटने से भीषण आग लग गई। आग से उठे घने धुएं में दम घुटने से मकान मालिक की मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी की जान पुलिस की तत्परता से बच गई। पुलिस के अनुसार, शाम करीब 5 बजे पीसीआर को आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। वहां देखा गया कि मकान के अंदर आग लगी हुई है और पूरे घर में धुआं भर चुका है। मकान अंदर से बंद था, जिससे अंदर फंसे लोगों की जान पर खतरा मंडरा रहा था। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि हालात की गंभीरता को देखते हुए पुलिसकर्मियों ने बिना देर किए मकान का दरवाजा तोड़ा और अंदर घुसकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। पुलिस ने परिवार के सभी सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाला। इस दौरान मकान मालिक मोहम्मद सैयद निज़ामी (50) और उनकी पत्नी सायमा फ़िदा निज़ामी (45) बाथरूम में बेहोशी की हालत में मिले। दोनों को तुरंत एंबुलेंस से मूलचंद अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मोहम्मद सैयद निज़ामी को मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के मुताबिक, उनकी मौत धुएं के कारण दम घुटने से हुई। वहीं उनकी पत्नी होश में हैं और अस्पताल में उनका इलाज जारी है। इधर घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की दो गाड़ियां, दो एंबुलेंस और तीन पीसीआर वैन मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया। गई। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह इलेक्ट्रिक गीजर का विस्फोट सामने आया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के शताब्दी समारोह को लेकर ट्रैफिक एडवाइजरी जारी

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉर्थ कैंपस स्थित श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) के शताब्दी वर्ष समारोह के मद्देनज़र दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने रविवार को ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। यह कार्यक्रम दोपहर 3 बजे से रात 10 बजे तक आयोजित होगा। जिसके चलते नॉर्थ कैंपस और आसपास के इलाकों में यातायात प्रभावित रहेगा। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, समारोह के दौरान छत्र मार्ग, यूनिवर्सिटी मार्ग, सुधीर बोस मार्ग, गुरु तेग बहादुर मार्ग और मॉल रोड पर सामान्य यातायात प्रभावित हो सकता है। स्थिति के अनुसार इन सड़कों पर वाहनों का आवागमन रोका या मोड़ा जाएगा। हालांकि, एंबुलेंस, दमकल विभाग और अन्य आपातकालीन वाहनों को छूट है।

इन चौराहों से किया जाएगा ट्रैफिक डायवर्टःसेंट स्टीफेंस कॉलेज रेड लाइट, हिंदू कॉलेज रेड लाइट, क्रांति चौक, पटेल चेस्ट और मॉल रोड से दिल्ली विश्वविद्यालय को जोड़ने वाले मार्ग शामिल है।

ये होंगे वैकल्पिक रास्ते

मॉल रोड से छत्र मार्ग की ओर जाने वाले वाहन खालसा कॉलेज रेड लाइट से गुरु तेग बहादुर मार्ग होते हुए अपने गंतव्य तक पहुंच सकेंगे।

मॉल रोड से यूनिवर्सिटी मार्ग की ओर जाने वाले वाहनों को भी खालसा कॉलेज रेड लाइट से गुरु तेग बहादुर मार्ग की ओर मोड़ा जाएगा।

जीटीबी मार्ग और विजय नगर मार्ग से छत्र मार्ग जाने वाले वाहन पटेल चेस्ट से गुरु तेग बहादुर मार्ग, फिर सुधीर बोस मार्ग और संत कृपाल सिंह मार्ग से जा सकेंगे।

मालकागंज, एमसीडी चौक और बोंटा पार्क से रग्बी ग्राउंड (नॉर्थ कैंपस) की ओर जाने वाले वाहन सेंट स्टीफेंस रेड लाइट से क्रांति चौक होते हुए गुरु तेग बहादुर मार्ग से जाएंगे। वहीं दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे रविवार को इन सड़कों से बचकर चलें और जहां तक संभव हो वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें। साथ ही, सड़क किनारे वाहन खड़े न करें, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे। ट्रैफिक पुलिस ने कहा है कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जाएगी और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त डायवर्जन भी लागू किए जा सकते हैं।

वसंत विहार में नौकर निकला चोर, बिहार से पकड़ा गया साथी

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले के वसंत विहार इलाके में घर से सोने-चांदी के गहने चोरी होने के मामले में पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से चोरी के गहने भी बरामद किए। पकड़े गए आरोपितों में एक घरेलू नौकर है, जबकि दूसरा उसका साथी बिहार का रहने वाला है। दक्षिण पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि 2 फरवरी को वसंत विहार थाने में चोरी की शिकायत दर्ज की गई थी। शिकायतकर्ता भवनिदीन ने बताया था कि उनकी पत्नी के सोने-चांदी के गहने घर से चोरी हो गए हैं। मामले की जांच शुरू की गई तो पुलिस को शक घर में काम करने वाले नौकर नरेश सिंह पर हुआ, जो उसी परिसर में रहता था। लंबी पूछताछ के दौरान नरेश सिंह टूट गया और उसने चोरी की वारदात कबूल कर ली। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर दो जोड़ी चांदी के बिछुए बरामद किए गए। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में नरेश ने बताया कि चोरी किए गए बाकी गहने उसने अपने साथी राजू साह को दे दिए थे। आरोपित की जानकारी पर पुलिस ने तकनीकी निगरानी और गुप्त सूचना के आधार पर बिहार के सीतामढ़ी जिले के रामनगर गांव में छापा मारा। वहां से सह-आरोपित राजू साह को गिरफ्तार किया गया। उसकी निशानदेही पर चोरी का पूरा माल बरामद कर लिया गया। पुलिस ने आरोपितों के पास से एक सोने का हार, चार सोने के कंगन, चांदी की पायल, बिछुए, चांदी का कमरबंद और चांदी की ईंटें बरामद की हैं। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक बरामद गहनों की कीमत लाखों रुपये आंकी जा रही है। मामले को सुलझाने के लिए वसंत विहार थाने की टीम ने इंस्पेक्टर राकेश कुमार के नेतृत्व में कार्रवाई की।

जनकपुरी हादसे के बाद फरार मजदूर योगेश एटा से गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। पश्चिमी जिला पुलिस ने हादसे के बाद मौके से फरार हुए मजदूर/गार्ड योगेश को एटा उप्र से गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली पुलिस की एक टीम आरोपित को लेकर दिल्ली रवाना हो चुकी है। पुलिस के अनुसार, योगेश हादसे के समय मौके पर मौजूद था और घटना के बाद वह वहां से भाग गया था। पश्चिमी जिले के पुलिस उपायुक्त दाराडे शरद भास्कर ने रविवार को बताया कि पुलिस पूछताछ में आरोपित ने दावा किया है कि उसने हादसे की जानकारी ठेकेदार को फोन पर दे दी थी। इसके बाद वह सो गया था। हालांकि, पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटना के तुरंत बाद योगेश एटा फरार हो गया था और शुरुआत से ही उसकी लोकेशन एटा में ट्रेस हो रही थी। आरोपित की लोकेशन मिलने के बाद दिल्ली पुलिस की टीम शनिवार देर शाम एटा के लिए रवाना हुई। तड़के पुलिस ने दबिश देकर योगेश को गिरफ्तार किया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक आरोपित को दिल्ली लाकर औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया जाएगा, जिसके बाद उससे विस्तृत पूछताछ की जाएगी। वहीं दूसरी ओर, इस मामले में पहले से गिरफ्तार किए गए राजेश प्रजापति को रविवार को अदालत में पेश किया जाएगा। वहीं मजिस्ट्रेट ने आगे की जांच के लिए आरोपित राजेश प्रजापति को एक दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। पुलिस का कहना है कि हादसे के कारणों और इसमें लापरवाही की भूमिका को लेकर जांच जारी है। पूछताछ के बाद मामले में और गिरफ्तारियां भी हो सकती हैं।

लिंबायत महोत्सव समिति द्वारा आज आयोजित "हल्दी कंकू" कार्यक्रम केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिलजी की विशेष उपस्थिति में हुआ

» माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदी साहेब के नेतृत्व वाली सरकार में इस देश की राष्ट्रपति एक महिला भी बन सकती हैः-श्री सी.आर. पाटिल

» श्री पाटिलजी ने अपील की कि बेटा या बेटी के जन्म को न रोका जाए

लोकतंत्र की शान

केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, आज लिंबायत महोत्सव समिति द्वारा आयोजित "हल्दी कंकू" कार्यक्रम केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिलजी की विशेष उपस्थिति में हुआ। इस मौके पर बोलते हुए श्री सी.आर. पाटिलजी ने कहा कि हल्दी कंकू प्रोग्राम सिर्फ चुनावों की वजह से नहीं किया गया है, बल्कि साउथ गुजरात में सूरत के नीलगिरी ग्राउंड में बड़ी संख्या में प्रोग्राम किए गए हैं। इस प्रोग्राम को पूरे महानगर में प्रमोट किया गया है। ये प्रोग्राम मुख्य रूप से बेटियों के लिए और उनके अच्छे भविष्य के लिए आइडिया पर चर्चा के लिए हैं।आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदी साहेब के नेतृत्व वाली सरकार में एक महिला भी इस देश की राष्ट्रपति बन सकती है। हाल ही में देश की वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमणजी ने देश के सामने बजट पेश किया है। सीतारमणजी लगातार 9वीं बार बजट पेश करने वाली पहली महिला हैं और यह भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदी साहेब की सरकार के महिला सशक्तिकरण को स्थापित करता है। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदी ने महिलाओं की शक्ति को पहचानते हुए महिलाओं को कई मौके दिए हैं। चाहे गणतंत्र दिवस हो या स्वतंत्रता दिवस, परेड को एक महिला ही लीड करती है। हल्दी कंकू प्रोग्राम शुरू करने का मुख्य मकसद बेटियों की घटती संख्या को बढ़ाना था। श्री पाटिलजी ने महिला शक्ति के बारे में बात करते हुए कहा कि आज देश में महिलाएं आधी रात को भी अकेले चल सकती हैं। पहले महिलाओं के अबॉर्शन करवाने के पीछे कई कारण थे। अगर बेटी होती और उसे दहेज देना होता, तो सबसे बड़ा सवाल यह होता था कि उसे कहां से लाए और आज वो दहेज़ प्रथा से भी बहोत बड़ी राहत मिलने की वजह से कई परिवार खुश है। हर बच्चे पर अपने माता-पिता का कर्ज होता है। श्री पाटिलजी ने अपील की थी कि बेटा या बेटी पैदा होने से न रोकें। जब बेटियों की संख्या बढ़ी है, तो बेटियों की सुरक्षा भी बढ़ी है। यह तय करना चाहिए कि ऐसी जगह नहीं जाना चाहिए जहां दहेज प्रथा हो। जिसके घर में बेटी नहीं है, उसने पिछले जन्म में कोई पाप किया होगा, लेकिन जिसके घर में बेटी नहीं है, वह अपने बेटे की बहू को बेटी बनाकर लाएगा, यही पुण्य है। जब बेटा घर पर अपने पिता के लिए पानी लाती है, तो गर्व होता है और जब छोटी बेटी पानी भरकर उन्हें पिलाती है, तो और भी मीठा लगता है। जिसके घर में बेटी होती है, उसके घर में स्वर्ग होता है। श्री पाटिलजी ने हल्दी कंकू सेवा कार्यक्रम आयोजित करने के लिए उन्हें बधाई दी। इस कार्यक्रम में विधायक श्रीमती संगीताबेन पाटिल, सूरत महानगर अध्यक्षश्री परेशभाई पटेल, महामंत्रीश्री किशोरभाई बिंदल, श्री जिग्नेशभाई, श्री दिनेशभाई, श्री संध्याजी के साथ-साथ कॉर्पोरेटर, महानगर के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे।

केम्ब्रिज स्कूल,श्रीनिवासपुरी बना इंटर- स्कूल फुटबॉल चैम्पियनशिप का विजेता, फाइनल में मॉडर्न स्कूल, वसंत विहार को पराजित किया

लोकतंत्र की शान

नई दिल्लीः केम्ब्रिज स्कूल,श्रीनिवासपुरी ने मॉडर्न स्कूल, वसंत विहार को हराकर अंडर-14 इंटर-स्कूल फुटबॉल चैंपियनशिप की विजेता ट्रॉफी अपने नाम कर ली। 6 फरवरी, 2026 को हुए इस कड़े मुकाबले वाले फाइनल मैच में, कप्तान यूसुफ़ अज़ीम सैफुद्दीन के नेतृत्व में केम्ब्रिज स्कूल ने मॉडर्न स्कूल को 2-1 के स्कोर से हराया। यह टूर्नामेंट कैम्ब्रिज स्कूल, श्रीनिवासपुरी में आयोजित किया गया था, जिसमें दिल्ली के 12 प्रतिष्ठित स्कूलों ने भाग लिया था। समापन समारोह में भारत के पूर्व अंतरराष्ट्रीय फुटबॉलर श्री अनादि बरुआ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उनके साथ कैम्ब्रिज स्कूल श्रीनिवासपुरी की प्रिंसिपल सुश्री माधवी गोस्वामी और खेल कार्यकारी (एसएई) श्री कुशांक रुस्तगी भी मौजूद थे। केम्ब्रिज स्कूल की टीम में ब्रिजन गुरुंग, जुहैब अहमद, तीर्थ बनिक, अंश कटवाल, यूसुफ़ अज़ीम सैफुद्दीन (कप्तान), श्रीहान संत्रा, अंशुमन मलिक, गौरव खेरा, हमजा अफ़रोज़ और चिन्मय गुप्ता शामिल थे। विजयी टीम के कोच श्री गौरव पात्रा थे। टूर्नामेंट में भाग लेने वाली बारह टीमों में मॉडर्न स्कूल, वसंत विहार, वसंत वैली स्कूल, केम्ब्रिज स्कूल श्रीनिवासपुरी, डीपीएस आरके पुरम, डीपीएस मथुरा रोड, संस्कृति स्कूल चाणक्यपुरी, जी डी गोयनका स्कूल, सरिता विहार, एंबिएंस स्कूल सफदरजंग एन्क्लेव, नेवी चिल्ड्रन्स स्कूल नई दिल्ली, कैम्ब्रिज स्कूल नोएडा, केम्ब्रिज स्कूल ग्रेटर नोएडा और केम्ब्रिज स्कूल इंदिरापुरम शामिल थे।

Rani Mukerji's Mardaani 3 has a massive jump on 2nd Saturday, soars 79 percent to collects 3.85 crore nett

» Total collections of Mardaani 3 is now at 32.55 crore nett

lks

Yash Raj Films' Mardaani 3, starring Rani Mukerji, had a massive surge at the box office on its second Saturday as it jumped 79 percent from 2nd Friday to collect 3.85 crore nett! Like 2nd Friday, the second Saturday of the threequel is again higher than what Mardaani 2 (1.95 crore nett) and Mardaani 1 (1.66 crore nett) collected respectively. The total collections of the film is at 32.55 crore nett in India. This jump and solid box office trending, coupled with unanimously positive reviews and word of mouth, signals that Mardaani 3 is set to have a long run at the box office and will spread its hard hitting message across India in the weeks to come. On opening day, Mardaani 3 had surpassed all expectations by becoming the biggest opener for Mardaani franchise & solo Rani Mukerji film. It collected 4 crore on Day 1 to register a mind-blowing start for a female-led film in India! Rani Mukerji's Mardaani 3 is on track to become a hit film and the franchise is set to score a hattrick of hits with its strong collections and unanimously positive reviews and word out mouth.

Mardaani 3 Day Wise Collection:

Fri - 4.00 Cr
Sat - 6.00 Cr
Sun - 7.25 Cr
Mon - 2.40 Cr
Tue - 2.70 Cr
Wed - 2.20 Cr
Thursday - 2 Cr
2nd Friday - 2.15 Cr
2nd Saturday - 3.85 Cr
Total - 32.55 Cr

Directed by Abhiraj Minawala and produced by Aditya Chopra, Mardaani 3 carries forward the franchise's legacy of hard-hitting, socially relevant storytelling. With this superb result, the Mardaani series remains India's only successful female-led franchise and the only hit female-cop film franchise in the history of our cinema. The release of Mardaani 3 is also especially meaningful as it coincides with Rani Mukerji completing 30 years in cinema - a landmark moment that has prompted widespread appreciation and celebration across the film industry.

मुख्यमंत्री ने एक साल के विकास कार्यों का पेश किया रिपोर्ट कार्ड

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनने के एक वर्ष पूर्ण होने का दिन केवल एक राजनीतिक पड़ाव नहीं, बल्कि भावनाओं, संघर्ष, विश्वास और सेवा के संकल्प से भरा हुआ क्षण बन गया, जब मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने विधानसभा क्षेत्र शालीमार बाग से विकास कार्यों के नए अध्याय की शुरुआत की। पीतमपुरा स्थित डिस्ट्रिक्ट पार्क में अनेक जनहितकारी परियोजनाओं का शुभारंभ करते हुए उन्होंने क्षेत्रवासियों को संबोधित किया तो शब्दों में उपलब्धियों से अधिक संवेदनाएं और आत्मीयता झलक रही थीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अपने क्षेत्र के विकास कार्यों का रिपोर्ट कार्ड भी पेश किया। मुख्यमंत्री ने अपने बचपन की स्मृतियों को याद करते हुए कहा कि त्रिनगर से पीतमपुरा आने वाली एक साधारण बच्ची ने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि वही गलियां एक दिन उसे दिल्ली की सेवा का सर्वोच्च अवसर देंगी। स्कूल-कॉलेज के दिनों की यादें, बाजारों की चहल-पहल और मोहल्ले का अपनापन। इन सबको याद करते हुए उनका स्वर कई बार भावुक हो उठा। उन्होंने कहा कि जिस क्षेत्र ने उन्हें बचपन, पहचान और संस्कार दिए, उसी क्षेत्र की विधायक और फिर मुख्यमंत्री बनना ईश्वर की विशेष कृपा और जनता के प्रेम का परिणाम है। उन्होंने अपने लंबे राजनीतिक संघर्ष का उल्लेख करते हुए कहा कि चुनावी हार ने कभी उनके कदम नहीं रोके, क्योंकि जनता से उनका रिश्ता पद से नहीं, विश्वास से बना है। वर्ष 2025 में दिल्ली में 27 वर्षों बाद भाजपा की सरकार बनना उन्होंने जनता की आकांक्षाओं की जीत बताया और कहा कि यह जनादेश केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि विकास की दिशा बदलने का संकल्प है। मुख्यमंत्री ने एक वर्ष का रिपोर्ट कार्ड साझा करते हुए बताया कि केवल शालीमार बाग विधानसभा में लगभग 250 करोड़ रुपये के विकास कार्य प्रारंभ या पूर्ण किए जा चुके हैं, जबकि बड़े स्तर की परियोजनाएं हजारों करोड़ रुपये की हैं। डिस्ट्रिक्ट पार्क का पुनर्विकास, नए गेट, फाउंटेन, टॉयलेट, फुटपाथ और जनसुविधाएं—इन सबको उन्होंने क्षेत्र की गरिमा और लोगों की रोज़मर्रा की खुशियों से जोड़ा। उन्होंने मुनक नहर पर प्रस्तावित लगभग 5000 करोड़ रुपये की एलिवेटेड सड़क, नहर किनारे सौंदर्यीकरण और छठ घाट, आधुनिक ऑडिटोरियम, मॉडल स्कूल, नए कम्युनिटी हॉल, विस्तारित आयुर्वेदिक अस्पताल, उन्नत जच्चा-बच्चा केंद्र और नए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स जैसी योजनाओं को आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ी ऐतिहासिक पहल बताया। साथ ही सड़कों, नालियों, लाइटों, पार्कों और बाजारों के व्यापक सुधार को हर घर तक पहुंचता विकास करार दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को प्रेरणास्रोत बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी कार्यशैली और ऊर्जा उन्हें निरंतर सेवा के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास योजनाओं से आगे बढ़कर यह जनता के विश्वास, कार्यकर्ताओं के समर्पण और सामूहिक संकल्प की यात्रा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और दिल्ली सरकार के मजबूत समन्वय और सुदृढ़ वित्तीय व्यवस्था ने राजधानी में बुनियादी ढांचे के विकास को नई गति दी है। फ्लाईओवर, सड़कों, मेट्रो विस्तार और बड़ी संख्या में चल रहीं इलेक्ट्रिक बसों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली आज आधुनिक, स्वच्छ और पर्यावरण-अनुकूल भविष्य की ओर दृढ़ कदम बढ़ा रही है।

भारत–अमेरिका व्यापार समझौता देश के एमएसएमई सेक्टर के लिए वरदान : खंडेलवाल

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के चांदनी चौक से सांसद एवं कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि भारत–अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते से भारत के एमएसएमई क्षेत्र को अमेरिकी बाजार में व्यापार के व्यापक और नए अवसर प्राप्त होंगे। कैट महामंत्री ने रविवार को जारी एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी, निर्णायक और सशक्त नेतृत्व में हुआ यह समझौता भारत की वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि ये समझौता विश्व पटल पर भारत को एक आत्मविश्वासी, प्रतिस्पर्धी और भरोसेमंद व्यापारिक भागीदार के रूप में स्थापित करता है। खंडेलवाल ने कहा कि इस व्यापार समझौते से वस्त्र और परिधान, लेदर और फुटवियर, जेम्स एंड ज्वेलरी, जेनेरिक फार्मास्यूटिकल्स, ऑटो और एयरक्राफ्ट पार्ट्स, केमिकल्स, प्लास्टिक और रबर उत्पाद, होम डेकोर, हैंडीक्राफ्ट तथा चुनिंदा इंजीनियरिंग उत्पादों जैसे प्रमुख भारतीय क्षेत्रों को बड़ा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि बेहतर बाजार पहुंच और टैरिफ में युक्तिसंगत कमी से दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता और मजबूत होगी। उन्होंने आगे कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह समझौता एमएसएमई क्षेत्र को एक मजबूत और समयोचित प्रोत्साहन प्रदान करता है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। खंडेलवाल ने बताया कि निर्यात के बढ़े हुए अवसर एमएसएमई को उत्पादन बढ़ाने, वैश्विक स्तर पर विस्तार करने और विशेष रूप से युवाओं एवं महिलाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन में सक्षम बनाएंगे। इसके साथ ही, यह मेक इन इंडिया पहल को मजबूती देते हुए भारतीय उद्यमों को वैश्विक वैल्यू चेन से और गहराई से जोड़ेगा। खंडेलवाल ने यह भी कहा कि इस समझौते में संवेदनशील कृषि और ग्रामीण क्षेत्रों सहित भारत के मूल राष्ट्रीय हितों की पूरी तरह सुरक्षा की गई है, जो सरकार की संतुलित और किसान-केंद्रित व्यापार नीति को दर्शाता है। कैट महामंत्री ने कहा कि कुल मिलाकर, भारत–अमेरिका व्यापार समझौता निर्यात को गति देने, उद्यमिता को बढ़ावा देने और माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के गतिशील नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत तथा विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक दूरदर्शी और ऐतिहासिक पहल है।

विजेंद्र गुप्ता 'पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव' में हुए सम्मिलित

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता रविवार को निर्माण विहार में प्रथम विश्वकर्मा तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य आयोजित 'पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव' मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस मौके पर आध्यात्मिक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस पंचकल्याणक महामहोत्सव का साक्षी होना केवल एक धार्मिक अनुभव नहीं है, बल्कि यह आध्यात्मिक शांति का मार्ग है। यह आयोजन राष्ट्र संत और महान योगी, उपाध्याय डॉ. गुप्तिसागर गुरुदेव के पावन सानिध्य में आयोजित किया गया। प्रथम तीर्थंकर की आध्यात्मिक विरासत पर प्रकाश डालते हुए विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि भगवान आदिनाथ (ऋषभदेव) ने ही विश्व को सभ्यता, श्रम और कर्तव्य का पहला पाठ पढ़ाया था। आज इस प्राण प्रतिष्ठा के माध्यम से हम उन शाश्वत मूल्यों को अपने जीवन में पुनर्जीवित कर रहे हैं। जैन समाज ने अपनी सादगी और अहिंसा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में हमेशा अग्रणी भूमिका निभाई है। पूज्य गुरुदेव के दर्शन का उल्लेख करते हुए अध्यक्ष ने आध्यात्मिकता और शासन के आपसी संबंध पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "पूज्य गुरुदेव का 'जन-संवेदना' का दर्शन हमें सिखाता है कि चाहे राजनीति हो या समाज सेवा, हमारा अंतिम लक्ष्य समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति का कल्याण होना चाहिए। यह महोत्सव हमें याद दिलाता है कि सत्ता और पद तभी सार्थक हैं जब वे सेवा और करुणा की जड़ों से जुड़े हों।" अध्यक्ष ने इस भव्य आयोजन के लिए पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समिति के पुण्य प्रयासों ने राष्ट्रीय राजधानी के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक गौरव को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। जैन धर्म के सार्वभौमिक संदेश पर जोर देते हुए गुप्ता ने नागरिकों से "जीओ और जीने दो" के संकल्प के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

प्ररूप सं० 5

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

[धारा 84 देखिये]

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त मनोज राधव, पुत्र प्रेमपाल, निवासी ग्राम डकरी, थाना हजरत नगर गड़ी, जिला सम्मल, उत्तर प्रदेश ने भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 74/64(1)/351(2) BNS व 3/4. P. Act. के अधीन दण्डनीय,......... का अपराध किया है (या सन्देह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त मनोज राधव उपरोक्त मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में यह दर्शित कर दिया गया है कि उक्त आभियुक्त मनोज राघव फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिये अपने आपको छिपा रहा है);

इसलिये इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि ग्राम डकरी के उक्त मनोज राघव उपरोक्त से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त उपरोक्त परिवाद का उत्तर देने के लिये .... में तारीख 18.02.26 को हाजिर हो।

तारीख 20.1.26

(न्यायालय की मुद्रा)

अपर सत्र न्यायधीश
रूद्रपुर, ऊधम सिंह नगर।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में मस्जिद में हुए बम विस्फोट के विरोध में शिया समुदाय ने पाकिस्तान का पुतला फूंका

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः अमरोहा/ नौगांव सादातः कस्बे में शिया समुदाय ने आतंकवाद के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान का पुतला फूंक कर जमकर नरेबाजी की, बता ते चलें कि प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान को दुनिया भर में आतंकवाद फैलाने वाला देश बढता कर पाकिस्तान का विरोध करते हुए जमकर नारेबाजी की और उसका पुतला फूंक दिया, पाकिस्तान को आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला देश बताया, हाल ही में पाकिस्तान में एक सिया मस्जिद में हुए बम विस्फोट में दर्जनों की संख्या में लोग मारे गए जिससे मानवता शर्मसार हुई इसके विरोध में शिया समुदाय द्वारा यह प्रदर्शन किया गया, प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया, वहीं भारत सरकार से पाकिस्तान के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग की, इस मौके पर दर्जनों की संख्या में शिया समुदाय के लोग मौजूद रहे ।

यूपी में पर्यटन अवसंरचना का विकास, छोटे शहरों में भी राही टूरिस्ट लॉज का निर्माण

लोक तंत्र की शान : लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप प्रदेश में धार्मिक, सांस्कृतिक और इको टूरिज्म को नई पहचान मिली है। प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों काशी, मथुरा, आगरा, अयोध्या, प्रयागराज में पिछले कुछ सालों से देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इसे देखते हुए योगी सरकार राज्य में छोटे शहरों में भी पर्यटन अवसंरचना को सुदृढ़ करने के लिए ठोस कदम उठा रही है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटीडीसी) प्रदेश के विभिन्न जनपदों में राही टूरिस्ट लॉज का निर्माण करा रहा है। इसके साथ ही वर्तमान में मौजूद लॉजों का रेनोवेशन व सौंदर्यीकरण भी कराया जा रहा है। इसका उद्देश्य प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों के साथ-साथ नये विकसित किये जा रहे धार्मिक, सांस्कृतिक और इको टूरिज्म स्थलों पर टूरिस्टों को बेहतर आवासीय व खानपान की सुविधा उपलब्ध कराना है।

विभिन्न जनपदों में 11 राही टूरिस्ट लॉजों/बंगलों का निर्माण –पर्यटन विभाग विभिन्न जनपदों में 11 राही टूरिस्ट लॉजों/बंगलों का निर्माण करा रहा है। इन्हें पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल के तहत विकसित किया जाएगा। मथुरा के गोकुलगांव, आगरा के बटेश्वर, कासगंज के सोरों और सीतापुर में राही टूरिस्ट बंगलों का निर्माण कराया जाएगा। साथ ही प्राकृतिक पर्यावासों के समीप एटा के पटना पक्षी विहार, हरदोई की सांडी झील, बुलंदशहर के नरौरा में राही टूरिस्ट लॉजों का निर्माण कराया जा रहा है। इसके अलावा प्रतापगढ़ के भूपियामऊ, औरैया के देवकली, बदायूं के कछला घाट और शामली के कांधला में भी टूरिस्ट लॉजों का निर्माण कराया जा रहा है। योगी सरकार का उद्देश्य इन परिसंपत्तियों के माध्यम से पर्यटकों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती देना है। यूपीएसटीडीसी के 'राही' टूरिस्ट बंगले न केवल प्रदेश में पर्यटन अवसंरचना को मजबूती प्रदान करेंगे, बल्कि यूपी को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगें।

संविधान बचाओ संवाद कार्यक्रम किया गया आयोजित

लोक तंत्र की शान : सीतापुर। संविधान को लागू करने का अर्थ है देश में जाति जनगणना कराकर देश की हर जाति को उसकी जनसंख्या के अनुपात मे देश के समूचे संसाधनो अवसरो में भागीदारी सुनिश्चित कराना है। उक्त विचार सीतापुर विधान सभा क्षेत्र के अडवेनिया ग्रंट में आयोजित संविधान बचाओ संवाद कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए सांसद राकेश राठौर ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा देश में संविधान की रक्षा का मतलब है राष्ट्रीय स्तर पर जाति जन गणना कराना जाति के आंकड़ों और उनके आर्थिक सामाजिक पिछड़ेपन के आधार पर देश की अर्थ नीति बनाकर सामाजिक न्याय की स्थापना कराना है। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य सुनीता चौधरी ने लोगो के संवैधानिक अधिकारों की हिफाजत के लिए सबको एकजुट होने का आह्वान किया तो कांग्रेस के जिला अध्यक्ष दलित प्रकोष्ठ विष्णु गौतम ने कहा वह पूरे जिले में अपने प्रकोष्ठ की तरफ से संविधान बचाओ संवाद का आयोजन करायेंगे। इस अवसर पर रत्नम राठौर ने कहा भू-माफिया भृष्टाचारी भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में संविधान केनागरिक अधिकारों को लूट रहे है इस लूट को रोकने के लिए ही कांग्रेस गांव गांव " संविधान बचाओ संवाद " का आयोजन कर रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कांग्रेस के उपाध्यक्ष (संगठन) शिव प्रकाश सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी संवैधानिक अधिकारों पर हमलावर है अगर संविधान बचाना है तो भारतीय जनता पार्टी को सत्ता से हटाना होगा। कार्यक्रम में शिखा बर्मा सरोजनी गौतम ने भी अपनी बात रखी संविधान बचाओ संवाद के संयोजक अशोक बघेल ने सभी आगंतुकों को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन राधेश्याम कनौजिया ने किया।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को ज़मीन पर उतारने की दिशा में बड़ा कदम

चौधरी मुशीर अली ख़ान साहब ने किया सोलर शोरूम का भव्य उद्घाटन

लोकतंत्र की शान , सैय्यद कुमैल ज़ैदी

सम्भल। नगर में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को आम जनता तक पहुँचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए जे टी ट्रेक एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के तत्वावधान में आज चौधरी सराय चारा मंडी, सम्भल में अत्याधुनिक सोलर शोरूम का भव्य उद्घाटन संपन्न हुआ। इस अवसर पर चेयरपर्सन पति, समाजसेवी एवं दूरदर्शी नेतृत्व के प्रतीक चौधरी मुशीर अली ख़ान ने फीता काटकर शोरूम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान नगर के सम्मानित सभासद, सम्भल शहर के गणमान्य नागरिक, व्यापारी वर्ग और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे। चौधरी मुशीर अली ख़ान ने अपने संबोधन में कहा कि स्वच्छ ऊर्जा, आत्मनिर्भर भारत और आम नागरिक को सस्ती व मुफ्त बिजली उपलब्ध कराना समय की सबसे बड़ी ज़रूरत है। उन्होंने कहा कि सोलर ऊर्जा न केवल पर्यावरण की रक्षा करेगी बल्कि आम परिवारों की आर्थिक स्थिति को भी मज़बूत बनाएगी। उनकी यह पहल जनकल्याण, विकास और आधुनिक सोच का जीवंत उदाहरण है। इस उद्घाटन अवसर पर चौधरी ताजदार उर्फ बबलू चौधरी, चौधरी आशकार, चौधरी हिमायु मो० और उस्मान (एमडी, कम्पनी) ने संयुक्त रूप से फीता काटकर कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाया। सभी अतिथियों ने इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे सम्भल के विकास की दिशा में मील का पत्थर बताया। शहरवासियों का कहना है कि चौधरी मुशीर अली ख़ान साहब हमेशा से जनहित, रोजगार और विकास के कार्यों में अग्रणी रहे हैं। उनका यह कदम आने वाले समय में सम्भल को ग्रीन एनर्जी हब बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा।

जनता से जुड़े मुद्दों को सदन में रखें, स्वस्थ चर्चा से कराएं प्रदेश का विकासः मुख्यमंत्री

लोकतंत्र की शान

लखनऊ। विधान मंडल का बजट सत्र 9 फरवरी (सोमवार) से प्रारंभ होगा। इससे पहले विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की अध्यक्षता में रविवार को सर्वदलीय बैठक हुई। इसमें मुख्यमंत्री व नेता सदन योगी आदित्यनाथ ने भी हिस्सा लिया। सदन की कार्यवाही को सुचारु रूप से चलाने का अनुरोध करते हुए उन्होंने विपक्षी दलों के नेताओं से कहा कि जनता से जुड़े मुद्दों को सदन में रखें और इस पर स्वस्थ चर्चा कर प्रदेश में विकास को गति प्रदान करने के लिए सरकार का सहयोग करें। विधानसभा सत्र संचालन के संबंध में विधान भवन में आयोजित इस सर्वदलीय बैठक में नेता सदन योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सदन में स्वस्थ चर्चा होनी चाहिए। स्वस्थ चर्चा से प्रदेश का विकास और जनता की समस्याओं का समाधान होता है। जनप्रतिनिधि के रूप में जनता के हित से जुड़े हर मुद्दों पर सदन में सुचारु रूप से चर्चा करनी चाहिए। सदन के संचालन में किसी प्रकार की बाधाएं न आएं, इसका ध्यान सभी सदस्यों को रखना चाहिए।

बुंदेलखंड में 'हर घर नल' से बहती उम्मीद की धारा

लोकतंत्र की शान

लखनऊः बुंदेलखंड के लोगों के लिए यह किसी सपने से कम नहीं कि आज उन्हें उनके घर में ही पानी मिल रहा है। इस क्षेत्र में पानी की किल्लत से भुखमरी और गरीबी की जाने कितनी कहानियां हैं। सिर पर घड़ा रखकर दूरदराज से पानी लाती एक महिला की तस्वीर ही यहां के जिलों की पहचान बन गई थी। सालों साल तक यहां की महिलाओं ने पानी का संकट भुगता है। दूरदराज के कुंओं तक जाकर पानी खींचने के साथ ही हैंडपंप पर पानी के लिए लाइनें लगाई हैं। लेकिन अब यह सब अतीत की बातें हैं। अब सड़कों पर दूर से ही दिखनेवाली पानी की टंकियां उम्मीदों की जलधारा हैं। बात महोबा की करें तो यहां के लोगों ने पानी की किल्लत से लंबे समय तक दुर्दिन भरे दिन देखे हैं। कभी यहां वाटर ट्रेन से पानी पहुंचाने की नौबत आ गई थी। लोग घड़ा भर पानी के लिए जाने कहां-कहां तक भटकते थे। अब यहां दूर से ही दिखाई देने वाले वाटर टैंक नई कहानी कहते हैं। इस जिले में जल जीवन मिशन के तहत पांच परियोजनाओं के सहारे एक लाख 12 हजार से अधिक घरों को पाइपलाइन की कनेक्टिविटी दी जा चुकी है। हालांकि इसके लिए 1131 किलोमीटर सड़कों को क्षतिग्रस्त किया गया। क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत के दौरान लोगों को थोड़ी परेशानी का सामना अवश्य करना पड़ा। महोबा के अरशद कहते हैं कि कोई योजना शुरू होने पर थोड़ी-बहुत परेशानी तो होती ही है। लेकिन, अब हर घर नल यहां के लिए एक बहुत बड़ी उम्मीद है।

संभल यूथ फोरम द्वारा विशाल निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन, 700 से अधिक मरीजों का हुआ मुफ्त इलाज

लोकतंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभलः नगर क्षेत्र में यूथ फोरम की जानिब से देहली दरवाज़ा स्थित सेंट जिलानी स्कूल के पास एक विशाल निशुल्क चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस जनहितकारी शिविर में केएमसी सिटी हॉस्पिटल के अनुभवी एवं विशेषज्ञ डॉक्टरों ने पहुंचकर 700 से अधिक मरीजों की निशुल्क स्वास्थ्य जांच की और ज़रूरतमंदों को मुफ्त दवाइयां भी उपलब्ध कराईं। इस चिकित्सा शिविर में बच्चों, महिलाओं, बुज़ुर्गों और आम नागरिकों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। केएमसी सिटी हॉस्पिटल की टीम ने विभिन्न बीमारियों की जांच कर मरीजों को आवश्यक परामर्श दिया और समय पर इलाज के प्रति जागरूक किया। शिविर के दौरान केएमसी सिटी हॉस्पिटल के डायरेक्टर एडवोकेट जुनैद खान एवं डॉ. उबैद अली खान भी मौजूद रहे। उन्होंने संभल यूथ फोरम की इस सामाजिक पहल की सराहना करते हुए कहा कि समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्ग तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना ही इस तरह के शिविरों का मुख्य उद्देश्य है। संभल यूथ फोरम ने इस सेवा कार्य में सहयोग देने के लिए केएमसी सिटी हॉस्पिटल के सभी डॉक्टरों, स्टाफ और प्रबंधन का तहेदिल से आभार व्यक्त किया। फोरम ने कहा कि भविष्य में भी इसी तरह के जनसेवा और स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। इस सफल आयोजन में मुजीबुर रहमान, नवीइल इलाही और सुहैल अली खान की विशेष भूमिका रही। स्थानीय नागरिकों और क्षेत्रवासियों ने इस निशुल्क चिकित्सा शिविर की जमकर सराहना की और इसे समाज के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

7500 गोशालाएं बनेंगी कैटल फूड सिक्योरिटी हब

लोकतंत्र की शान

लखनऊ। प्रदेश की गोशालाओं को अब केवल गोवंश संरक्षण तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि उन्हें कैटल फूड सिक्योरिटी हब के रूप में विकसित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है। योगी सरकार की इस दूरदर्शी पहल के तहत प्रदेश की 7500 गोशालाओं और उनके आसपास के क्षेत्र को हरा चारा उत्पादन का सशक्त केंद्र बनाया जाएगा, जिससे गोवंश संरक्षण के साथ-साथ किसानों की आमदनी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

संरक्षण से उत्पादन की ओर गोशालाएं-उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि "मिशन फॉडर" के नाम से शुरू हो रहे इस प्रदेशव्यापी अभियान का उद्देश्य गोशालाओं को आत्मनिर्भर इकाइयों के रूप में विकसित करना है। इसके तहत हर गोशाला को 50 से 100 किसानों के नेटवर्क से जोड़ा जाएगा, ताकि चारा उत्पादन, विपणन और उचित मूल्य की व्यवस्थित श्रृंखला तैयार हो सके। इससे किसान भी आत्मनिर्भर बनेंगे और गोशालाओं को सतत रूप से पौष्टिक हरा चारा उपलब्ध होगा।

मोरिंगा-नेपियर से बदलेगी तस्वीर-मिशन फॉडर के अंतर्गत गोशालाओं की उपलब्ध भूमि का अधिकतम उपयोग करते हुए मोरिंगा (सहजन) और नेपियर घास का बड़े पैमाने पर रोपण कराया जाएगा। इसमें गन्ना घास, सुबबूल, ढैंचा और मौसमी चारे जैसे लोबिया, मक्का, ज्वार, बाजरा, बरसीम आदि को भी शामिल किया गया है। उत्तर प्रदेश की जलवायु में लगभग 50 प्रकार के पशु चारे सहज रूप से उगाए जा सकते हैं, जिनमें एकदलीय और बहुदलीय दोनों प्रकार के चारे शामिल हैं। यही विविधता इस मिशन की सबसे बड़ी ताकत बनेगी।

दीर्घकालिक समाधान, कम लागत-मोरिंगा पौधे लगभग 12–15 वर्षों और नेपियर घास 7–8 वर्षों तक लगातार हरा चारा उपलब्ध कराने में सक्षम हैं। मोरिंगा न केवल उच्च प्रोटीन और खनिज तत्वों से भरपूर है, बल्कि गोशालाओं में प्राकृतिक छाया और जैविक फेंसिंग का भी काम करेगा। वहीं नेपियर घास अपनी उच्च उत्पादन क्षमता और नियमित कटिंग के कारण सतत चारा स्रोत के रूप में महत्वपूर्ण है।

'हर घर नल' का दावा फेल ग्रामीणों ने किया जोरदार प्रदर्शन

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः एक ओर सरकार 'हर घर जल-हर घर नल' योजना के जरिए हर आंगन तक पानी पहुँचाने का दावा कर रही है, वहीं हसनपुर ब्लॉक क्षेत्र के गांव तहारपुर में जमीनी हकीकत इसके उलट है। गांव में पिछले दो वर्षों से आधा दर्जन से अधिक सरकारी नल शोपीस बने हुए हैं। पानी की किल्लत से आक्रोशित ग्रामीणों ने शनिवार सुबह जोरदार प्रदर्शन कर अपनी नाराजगी जाहिर की। ग्रामीण नरेश सिंह व शिवांक ने बताया कि दो साल से नल खराब हैं और पिछले दो महीने से टंकियों की सप्लाई भी पूरी तरह ठप है। सिंचाई विभाग के कर्मचारी कुलदीप के अनुसार, मोटर का केबल और बैटरी चोरी होने की वजह से जलापूर्ति बाधित है। पानी न आने से ग्रामीणों के सामने पशुओं को पिलाने और फसलों को तैयार करने तक का संकट खड़ा हो गया है। इस मौके पर हरिपाल, नरेश सिंह, धर्मपाल, जयपाल, विक्रम

सिंह, शिवांक, ठाकुर नानू सिंह, गौतम चौहान आदि ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। ग्राम प्रधान सोनू उर्फ संदीप चौहान ने जल्द निस्तारण का आश्वासन दिया है, लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि कई बार शिकायत के बावजूद सुनवाई नहीं हुई।

हरियाणा में 13 लाख बकाया मजदूरी न मिलने पर ठेकेदार के दो ट्रैक्टर ले आए मजदूर

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर : रविवार को हसनपुर क्षेत्र के मजदूर और हरियाणा के एक ठेकेदार के बीच मजदूरी बकाया भुगतान को लेकर विवाद बढ़ गया, बताते चलें कि हरियाणा के झज्जर में काम करने वाले दर्जनों मजदूरों की मजदूरी न मिलने पर मजदूर ठेकेदार के दो ट्रैक्टर लेकर अपने गांव आ गए, वहीं अब मामला कोतवाली तक पहुंच गया जिसके बाद रविवार को पुलिस ने कार्यवाही शुरू की, बता ते चले कि मजदूरों का आरोप है कि वह पिछले दो वर्षों से हरियाणा के झज्जर में एक ठेकेदार के अधीन काम करते थे मजदूर प्रीतम सिंह के अनुसार शुरुआत में भुगतान नियमित था लेकिन बाद में ठेकेदार ने पैसे रोकना शुरू कर दिया धीरे-धीरे करीब 13 लाख रुपए की मजदूरी बकाया हो गई, बार-बार तगादा करने के बावजूद भुगतान न मिलने पर मजदूर तीन दिन पहले ठेकेदार के दो ट्रैक्टर झज्जर से हसनपुर ले आए, रविवार को ठेकेदार हरियाणा पुलिस के साथ हसनपुर कोतवाली पहुंच गया और स्थानीय पुलिस को मामले की जानकारी दी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सिरसा गुर्जर गांव से दोनों ट्रैक्टरों को बरामद कर अपने कब्जे में लाकर कोतवाली में खड़ा कर लिया,वही जैसे ही ट्रैक्टर जप्त होने की खबर फैली सिरसा गुर्जर, डगरोली, सुबरा और शोहरका गांव के बड़ी संख्या में मजदूर और उनके परिजन कोतवाली पहुंच गए, मजदूरों ने हंगामा करते हुए स्पष्ट किया कि जब तक उन्हें 13 लाख रुपए का बकाया भुगतान नहीं मिल जाता वे पीछे नहीं हटेंगे उधर ठेकेदार फिलहाल पैसे देने को तैयार नहीं है, इस संबंध में वरिष्ठ उप निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि हरियाणा की झज्जर पुलिस मामले की जांच कर रही है ट्रैक्टर फिलहाल कोतवाली में है और आगे की कानूनी कार्रवाई हरियाणा पुलिस द्वारा ही की जाएगी, उधर मजदूरों का भी स्पष्ट कहना है कि वह अपनी मेहनत की कमाई के लिए किसी भी हद तक संघर्ष करने को तैयार हैं ।

हसनपुर में हुआ विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के गौरवशाली 100 वर्ष पूर्ण होने पर देशभर में 80 हजार से अधिक हिंदू सम्मेलनों का आयोजन हो रहा है। उसी कड़ी में एक विराट हिंदू सम्मेलन का भव्य आयोजन रविवार को हसनपुर नगर के एच. एस. एस. पब्लिक स्कूल में हुआ, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हिंदू धर्म ध्वजवाहक पूज्य संत महंत लोकेश दास जी महाराज ऋषिकेश से पधारे। उन्होंने हिंदू एकता और अपने सनातन धर्म का पालन करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक हिंदू को जाति पार्टी का भेदभाव छोड़ एक साथ खड़े होना है। मुख्य अतिथि जी को आयोजन समिति एवं नगर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी ने श्री राम जी एवं श्री हनुमान जी की पीतल की दो अलग अलग मूर्तियां स्मृति चिन्ह के रूप में देकर उनका अभिनंदन किया, वही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक शरद कुमार ने संघ के पांच परिवर्तन कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, पर्यावरण, स्वदेशी एवं नागरिक कर्तव्य पर विस्तार से सभी को बताया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि किसान संघ के प्रांत संगठन मंत्री सुनील कुमार ने एकता, समरसता और सेवा के विषय को सभी को बताया। वही एच. एस. एस. पब्लिक स्कूल के अध्यक्ष पुनीत अग्रवाल एवं प्रबंधक राजीव अग्रवाल का अभिरव अग्रवाल, अमित अग्रवाल एवं अंकित गुप्ता द्वारा पटका पहनाकर और पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया,कार्यक्रम का कुशल संचालन आयोजन समिति के सचिव एवं विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के प्रांत सह मंत्री अक्षि अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम के अंत में आयोजन समिति के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल ने उपस्थित सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से नगर कार्यवाह सोनू अग्रवाल, नगर संघ चालक दीपक अग्रवाल, उदयगिरि गोस्वामी, चंद्रपाल खड्गवंशी, देवेंद्र खड़कवंशी,राजू राणा, हिमांशु त्यागी, अंकुर अग्रवाल, अतुल अग्रवाल,अर्पण गुप्ता, भोजराम खड़कवंशी, लोकेश अग्रवाल, अतुल गर्ग, मोहित अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल,पौरुष अग्रवाल, रजनीकांत आर्य, अर्पित गौतम, मधुर अग्रवाल आदि सहित भारी संख्या में मातृशक्ति एवं युवा शक्ति मौजूद रहे ।

संक्षिप्त समाचार

वैशाली में ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, हादसे में महिला की मौत, पति घायल, दो बच्चे अनाथ

हाजीपुर। वैशाली जिले में ट्रक की टक्कर से 36 वर्षीय महिला की मौत हो गई। घटना जढ़ुका कर्णपुरा के पास हुई। मृतका की पहचान सुलतानपुर निवासी तारकेश्वर कुमार सिंह की पत्नी 36 वर्षीय कविता देवी के रूप में हुई है। परिजन के अनुसार, कविता देवी अपने पति तारकेश्वर कुमार सिंह के साथ बाइक पर हाजीपुर से अपने गांव सुलतानपुर लौट रही थीं। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक ने आगे निकलने के प्रयास में बाइक को साइड से टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइक सवार सड़क पर गिरकर घायल हो गए। कविता देवी के सिर में गंभीर चोट लगी। उन्हें और उनके पति को हाजीपुर सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने कविता देवी को मृत घोषित कर दिया। उनके पति तारकेश्वर कुमार सिंह का इलाज जारी है। मृतक कविता देवी अपने पीछे दो नाबालिग बच्चे छोड़ गई हैं, जिनमें 12 वर्ष की एक बेटी और 8 वर्ष का एक बेटा शामिल है। उनके पति तारकेश्वर कुमार सिंह मजदूरी करके परिवार का भरण-पोषण करते थे। इस दुर्घटना से परिवार पर गहरा संकट आ गया है। कविता देवी का अंतिम संस्कार गंगा नदी के तट पर किया गया। इस दुर्घटना पर स्थानीय समुदाय ने चिंता व्यक्त की है। प्रमुख ममता कुमारी, समाजसेवी अभिमन्यु राय, जिला पार्षद मनिंद्र नाथ सिंह, पूर्व प्रमुख अनिल कुमार राय और मुखिया जानती देवी सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने प्रशासन से पीड़ित परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान करने की मांग की है। साथ ही, उन्होंने दुर्घटना स्थल पर वाहनों की तेज रफ्तार पर अंकुश लगाने और भविष्य में ऐसे हादसों की रोकथाम के लिए कड़े उपाय करने की अपील की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और फरार ट्रक चालक की तलाश जारी है। ग्रामीणों ने इस हादसे के बाद सड़क सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है।

मुजफ्फरपुर में 5 दिन से लापता बच्चे का शव मिला, घर से 100 मीटर दूर पोखर में मिली लाश

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में पांच दिनों से लापता पांच साल के बच्चे का शव एक पोखर से मिला है। मृतक की पहचान मोहम्मद जुबैर के बेटे अयान के रूप में हुई है। अयान का शव उसके घर से लगभग 100 मीटर दूर मस्जिद के पास स्थित पोखर से मिला। घटना बेनीबाद थाना क्षेत्र के शिवदाहा बरैल गांव की है। अयान पिछले पांच दिनों से संदिग्ध परिस्थितियों में घर से लापता था। परिजनों ने उसकी काफी खोजबीन की,

लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। रविवार को ग्रामीणों ने मस्जिद के समीप पोखर में एक बच्चे का शव देखा, जिसकी सूचना तुरंत परिजनों और पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंचे परिजनों ने शव की पहचान अयान के रूप में की। शव मिलने के बाद पीड़ित परिवार ने अयान की हत्या कर शव को पोखर में फेंकने का गंभीर आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है कि बच्चे की सुनियोजित साजिश के तहत हत्या की गई है। इस घटना को लेकर ग्रामीणों में भी गहरा आक्रोश है। घटनास्थल पर पहुंचे पंचायत समिति पति विजय कुमार ने पीड़ित परिवार को सांत्वना दी और प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि पुलिस हर पहलू पर बारीकी से काम कर रही है और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। घटना की सूचना मिलते ही बेनीबाद थाना प्रभारी साकेत सार्दुल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि बच्चे के लापता होने की शिकायत पहले से दर्ज थी और पुलिस लगातार उसकी तलाश कर रही थी।

मुजफ्फरपुर में प्राइवेट अस्पताल में प्रसूता की मौत, परिजनों का हंगामा, ओपीडी में तोड़फोड़

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में इलाज के दौरान प्राइवेट अस्पताल में एक प्रसूता की मौत हो गई। जिसके बाद परिजन भड़क गए। डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाकर जमकर हंगामा किया। इस दौरान अस्पताल में तोड़फोड़ भी की गई। घटना बेला थाना क्षेत्र की है। मृतका की पहचान काजल देवी(26) के तौर पर हुई है।

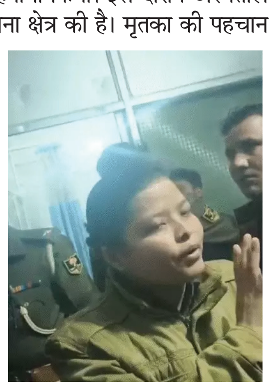

परिजनों ने बताया कि शनिवार दोपहर को डिलीवरी के लिए एडमिट कराया था। एक परिचित की सलाह पर यहां लेकर आया था। एडमिट करने के बाद डॉक्टरों ने कहा कि ऑपरेशन करना होगा। ऑपरेशन के दौरान काजल की हालत बिगड़ गई और उसकी जान चली गई। लापरवाही से ही मौत हुई है। आरोप है कि अस्पताल कर्मियों से मौत का कारण पूछने पर कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। स्टाफ उनसे उलझ गए। इसके बाद गुस्साए परिजनों ने अस्पताल के ओपीडी और ऑपरेशन थिएटर में तोड़फोड़ की। हालात बेकाबू होते देख डॉक्टर और स्टाफ मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर बेला थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया। इस संबंध में थाना प्रभारी रंजीत कुमार ने बताया कि एक महिला की प्रसव के दौरान मौत की सूचना मिली थी। इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (SKMCH) भेज दिया गया है। आवेदन मिलने का इंतजार है। प्राथमिकी दर्ज कर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रेप की कोशिश मामले में 3 साल की सजा, विशेष पॉक्सो कोर्ट ने दोषी पर 10 हजार का जुर्माना भी लगाया

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में विशेष पॉक्सो कोर्ट ने नाबालिग लड़की से रेप की कोशिश मामले में एक दोषी को तीन साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 10 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। मामला मीनापुर थाना क्षेत्र से जुड़ा है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, घटना 11 जून 2024 की शाम को हुई थी। आरोपी संजित राय ने जबरन घर में घुसकर किशोरी के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया था। पीड़िता के परिजनों ने मामला दर्ज कराया था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी संजित राय को गिरफ्तार कर लिया था।

गवाह और साक्ष्य के आधार पर कोर्ट ने दोषी पाया: विशेष पॉक्सो जज धीरेंद्र मिश्र की अदालत में शनिवार को मामले की अंतिम सुनवाई हुई। साक्ष्यों और गवाहों के बयानों के आधार पर कोर्ट ने संजित राय को भारतीय न्याय संहिता और पॉक्सो एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत दोषी पाया।

जुर्माना नहीं देने पर 6 महीने ज्यादा सजा काटनी होगी: कोर्ट ने निर्देश दिया कि अगर दोषी जुर्माने की राशि जमा नहीं करता है, तो उसे छह महीने की अतिरिक्त जेल काटनी होगी। जुर्माने की पूरी राशि पीड़िता को आर्थिक सहायता के तौर पर दी जाएगी।

भाई को लगाई फटकार: इसी मामले में संजित राय के बड़े भाई रंजीत राय पर मारपीट का आरोप था। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने रंजीत राय को कड़ी फटकार लगाई और भविष्य में सुधार की चेतावनी देकर छोड़ दिया।

नीट छात्रा मौत केस-दिल्ली में प्रोटेस्ट, पीड़िता की मां शामिल

एजेंसी, पटना

- पटना में कांग्रेस का प्रदर्शन, सीएम का पुतला फूंका, 'पप्पू यादव को रिहा करो' के नारे लगाए

पप्पू यादव की गिरफ्तारी और NEET छात्रा की मौत मामले को लेकर पटना से लेकर दिल्ली तक कांग्रेस कार्यकर्ता प्रदर्शन कर रहे हैं। पटना में कांग्रेस कार्यकार्ता 'पप्पू यादव को रिहा करो' के पोस्टर के साथ सरकार के खिलाफ नारे लगा रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पोस्टर जलाए और NEET छात्रा के परिवार को इंसाफ दिलाने की मांग की। वहीं, AISA कार्यकर्ताओं की ओर से जहानाबाद से पालीगंज तक बेटी बचाओ न्याय यात्रा निकाली जा रही है।

वहीं दिल्ली के जंतर-मंतर पर सांसद पप्पू यादव के समर्थन और छात्रा को न्याय दिलाने को लेकर प्रदर्शन कर रहे है। इसमें पीड़िता की मां और परिजन भी शामिल हैं। इसमें करीब 10 हजार लोगों के जुटने की संभावना है। इस बीच पूर्णिया सांसद पप्पू यादव को PMCH से बेऊर जेल ले जाया गया। मौके पर पिरबहोर, गांधी मैदान, कदमकुंआ, गर्दनिबाग समेत 5 थानेदार और DSP मौजूद थे।

पीड़िता की मां ने कहा पप्पू यादव प्रदर्शन में शामिल नहीं हो पाएंगे, लेकिन हमलोग इस भरोसे के साथ जा रहे हैं कि बेटी को न्याय मिलेगा। सरकार और प्रशासन मेरी बेटी के मामले को दबाने में लगी है। क्या उनकी बेटी, बहन नहीं हैं। हमने उनलोगों का क्या बिगाड़ा था..?हमलोगों को SIT की जांच पर भरोसा नहीं है। मामला CBI को दे दिए हैं।

पप्पू यादव के समर्थन में तेजस्वी: इधर, पप्पू यादव के समर्थन में अब तेजस्वी भी उतर गए हैं। तेजस्वी ने कहा है, आजकल तानाशाही चल ही रही है। दोषियों को बचाया जाता है, निर्दोषों को फंसाया जाता है। NEET छात्रा मामले में तो कई बार हम लोगों ने ट्वीट किया है और लिखा भी है। विधानसभा में लगातार हमारे MLA, हम सब मामले को उठा रहे हैं।

गोपालगंज-बेतिया, बगहा में घना कोहरा, सीवान का पारा पहुंचा 9°

एजेंसी, पटना

- पछुआ हवा ने बढ़ाई कनकनी, बिहार में 13 फरवरी से बढ़ेगा तापमान

बिहार में सुबह-शाम हल्के कोहरे का दौर जारी है। रविवार की सुबह बेतिया, गोपालगंज और बगहा में घना कोहरा छाया रहा। पटना समेत कई जिलों में पछुआ हवा के चलते कनकनी बढ़ी हुई है। बगहा, गोपालगंज में रविवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। जहानाबाद में मौसम साफ है, लेकिन हवा चलने के कारण ठंड बढ़ी हुई है। मौसम विभाग की ओर से आज किसी भी जिले के लिए कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है। फिलहाल प्रदेश का न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस है। आने वाले समय में 1-2 डिग्री तापमान में गिरावट दर्ज होने की संभावना है।

वहीं, 12 फरवरी के बाद तापमान बढ़ सकता है। बीते 24 घंटे में गोपालगंज सहित कुछ जिलों में कोहरा दिखा। पटना में भी कनकनी रही। तेज हवा चलने से दिन में भी लोगों को ठंड का अहसास हुआ। शनिवार को राज्य में सबसे कम न्यूनतम तापमान 9.0 डिग्री सेल्सियस सीवान के जीरादेई में रिकॉर्ड किया गया। वहीं गया में न्यूनतम तापमान 9.6, औरंगाबाद में 9.7, डेहरी में 10.5 और शेखपुरा में 10.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उत्तर बिहार के कई जिलों में भी सुबह के समय हल्की ठंड बनी रही।

कई जिलों में न्यूनतम तापमान में बदलाव: पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के अधिकांश जिलों में न्यूनतम तापमान में हल्का उतार-चढ़ाव देखा गया। मुजफ्फरपुर में 12.3 डिग्री, वैशाली में 12.0 डिग्री, छपरा में 11.7 डिग्री और मधुबनी में 11.4 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया। दक्षिण बिहार के कुछ जिलों में रात का तापमान अधिक रहा। कैमूर में 16.1 डिग्री, बांका में 16.4 डिग्री, नालंदा (राजगीर) में 13.5 डिग्री और सासाराम में 12.3 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया।

पप्पू यादव को तेजस्वी यादव का खुला समर्थन, सीबीआई जांच पर उठाए सवाल

बोले–दोषियों को बचाया, निर्दोषों को फंसाया जा रहा

एजेंसी, पटना

पूर्णिया सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव की गिरफ्तारी के बाद उन्हें लगातार राजनीतिक समर्थन मिल रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के बाद अब आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने भी खुलकर उनका समर्थन किया है। विपक्षी दल इस गिरफ्तारी को राजनीतिक बदले की भावना से की गई कार्रवाई बता रहे हैं। पप्पू यादव को 31 साल पुराने एक मामले में गिरफ्तार किया गया है, जिसको लेकर सवाल खड़े किए जा रहे हैं।

दोषियों को बचाकर निर्दोषों को फंसाया जा रहा- तेजस्वी: दिल्ली पहुंचे तेजस्वी यादव ने NEET छात्रा मामले और पप्पू यादव की गिरफ्तारी पर कहा, 'आजकल तो तानाशाही चल ही रही है। दोषियों को बचाया जाता है, निर्दोषों को फंसाया जाता है। NEET छात्रा मामले में तो कई बार हम लोगों ने ट्वीट किया है और लिखा भी है। विधानसभा में लगातार हमारे एमएलए, हम सब मामले को उठा रहे हैं।'

NEET छात्रा केस की CBI जांच पर उठाए सवाल: तेजस्वी ने सीबीआई जांच को लेकर कहा कि, हम पहले भी बोले कि सीबीआई जांच हो रहा है तो उस जांच का क्या मतलब है? पहले भी बिहार के कई मामले की सीबीआई जांच कराई गई। आप देखिएगा जो बिहार का सृजन घोटाला है, बालिका गृह कांड है, नागुणा मामला है, सब ठंडे बस्ते पर चला गया।

बिहार बजट पर नीतीश सरकार को घेरा: तेजस्वी ने आगे कहा कि, 'बिहार में लगातार एनडीए की सरकार 20 साल से है और 20 साल से बिहार देश का सबसे फिसड्डी राज्य है। कई बजट एनडीए की सरकार ने पेश किया, लेकिन कुछ नहीं हुआ। बिहार जहां था, वहीं खड़ा है।'

राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनने पर प्रतिक्रिया: राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर तेजस्वी बोले, 'पार्टी के लोगों ने बड़ी जिम्मेवारी दी है, उस जिम्मेदारी को बखूबी निभाया जाएगा। आने वाले समय में पार्टी के संगठन को और मजबूत किया जाएगा और जनता की आवाज को बुलंदियों के साथ हम लोग उठाते रहेंगे।'

पुलिस गाड़ी हुई खराब, सड़क पर धक्का लगाते दिखे जवान

एजेंसी, पटना

पटना की पुलिस व्यवस्था की हकीकत एक बार फिर सड़क पर नजर आई। शहर के सबसे व्यस्त और वीआईपी मूवमेंट वाले वीरचंद पटेल पथ पर कोतवाली थाना की एक पुलिस गाड़ी अचानक खराब हो गई। हालात ऐसे बने कि कानून-व्यवस्था संभालने वाले पुलिसकर्मियों को अपनी ही गाड़ी को सड़क पर धक्का लगाते देखा गया। डिजिटल की टीम ने इस पूरी घटना को अपने कैमरे में कैद कर किया। तस्वीरें और वीडियो सामने आते ही शहर में चर्चा का विषय बन गया है।

राहगीर भी रुके, लोगों ने बनाए वीडियो: तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि वर्दीधारी पुलिस अधिकारी और जवान व्यस्त सड़क पर पुलिस वाहन को धक्का दे रहे हैं। यह नजारा देखकर कई राहगीर रुक गए और कुछ लोगों ने अपने मोबाइल फोन से वीडियो रिकॉर्ड कर लिया।

तकनीकी खराबी बनी वजह: बताया जा रहा है कि पुलिस गाड़ी अचानक तकनीकी खराबी के कारण बंद हो गई थी। मौके पर उसे हटाने के लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था मौजूद नहीं थी। मजबूरी में जवानों को गाड़ी को धक्का देकर सड़क से हटाना पड़ा। आधुनिक संसाधनों, हाईटेक वाहनों और फौरन कार्रवाई के दावों के बीच यह

- पटना में हाईटेक पुलिस के दावों की खुली पोल, लोगों ने बनाए वीडियो

नजारा कई गंभीर सवाल खड़े करता है। जब आपातकालीन ड्यूटी में इस्तेमाल होने वाली पुलिस गाड़ियां ही भरोसेमंद नहीं होंगी, तो क्राइम से लेकर वीआईपी मूवमेंट और इमरजेंसी हालात में फौरन कार्रवाई कैसे संभव होगी? खास बात यह है कि वीरचंद पटेल पथ वही इलाका है, जहां से अक्सर वीआईपी, मंत्री और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी गुजरते हैं। यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी कई बार पुलिस वाहनों की खराब हालत और रखरखाव की कमी सामने आ चुकी है।

पप्पू यादव की गिरफ्तारी पर कांग्रेस का बड़ा प्रदर्शन

एजेंसी, पटना

- पटना के सदाकत आश्रम में मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया, राहुल-प्रियंका ने दिया समर्थन

पूर्णिया सांसद पप्पू यादव की गिरफ्तारी को लेकर उनके समर्थकों में काफी आक्रोश है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने भी पप्पू यादव का साथ दिया है। आज बिहार कांग्रेस पप्पू यादव की गिरफ्तारी को लेकर एक प्रदर्शन किया। प्रदेश मुख्यालय सदाकत आश्रम में दोपहर 1 बजे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पुतला दहन किया। पप्पू यादव पर कार्रवाई ऐसे वक्त हुई है, जब पटना में NEET छात्रा के रेप के बाद हत्या का मामला तूल पकड़ चुका है। पप्पू यादव इस केस को लेकर सरकार के खिलाफ खुलकर मोर्चा खोले हुए थे।

देर रात हुई थी पप्पू यादव की गिरफ्तारी: शुक्रवार देर रात पप्पू यादव को मंदिरी स्थित उनके आवास से 31 साल पुराने एक केस में गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के दौरान पप्पू यादव बेहोश हो गए। कुछ देर बाद पुलिस पप्पू यादव को गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई। इस दौरान पप्पू यादव ने कहा, 'मुझे नहीं पता मेरा क्या होगा।' शनिवार देर रात उन्हें पटना के बेऊर जेल में लाया गया। वहां एंट्री होने के बाद इलाज के लिए उन्हें PMCH लाया गया। 2 फरवरी को इस केस में कुर्की-जब्ती का वारंट जारी किया गया था। सांसद समर्थक सड़क पर उनकी गिरफ्तारी का विरोध किया। आरा में उनके समर्थकों ने CM नीतीश का पुतला फूंका।

पप्पू यादव की गिरफ्तारी राजनीतिक प्रतिशोध: कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने इस गिरफ्तारी को राजनीतिक प्रतिशोध बताया है। उन्हें X पर लिखा, 'पटना में NEET की आकांक्षी छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत और उसके बाद की पूरी कार्रवाई ने एक बार फिर सिस्टम की गहरी षड्यंत्र को उजागर कर दिया है। पीड़ित परिवार ने जब निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग की तो वही पुराना भाजपा-NDA मॉडल सामने आ गया- केस को भटकाओ, परिजनों को प्रताड़ित करो और अपराधियों को सत्ता का संरक्षण दो।'

यह बिहार की बेटी की इज्जत और सुरक्षा का सवाल-राहुल गांधी: राहुल गांधी ने पोस्ट में आगे लिखा है कि, 'इस बेटी के लिए न्याय की आवाज़ बनकर साथी सांसद पप्पू यादव जी मजबूती से खड़े हुए। आज उनकी गिरफ़्तारी साफ़ तौर पर राजनीतिक प्रतिशोध है, ताकि जवाबदेही मांगने वाली हर आवाज़ को डराया और दबाया जा सके।' उन्होंने आगे लिखा, 'सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि यह घटना किसी एक मामले तक सीमित नहीं दिखती। यह एक भयावह साज़िश और खतरनाक पैटर्न की ओर इशारा करती है, जहां और भी बेटियां शिकार बन रही हैं और सत्ता इस खौफ़नाक सच्चाई से आंखें मूंद कर बैठी है। यह राजनीति नहीं, इंसाफ़ का सवाल है। यह बिहार की बेटी की इज़्ज़त और सुरक्षा का सवाल है।'

भाजपा की सरकार आरोपियों के साथ खड़ी है: दूसरी ओर प्रियंका गांधी ने लिखा कि, 'पटना के हॉस्टल में NEET की तैयारी कर रही छात्रा के साथ रेप और हत्या का मामला झकझोर देने वाला है। यह केस सामने आने के बाद सरकार का रवैया उससे भी ज्यादा खौफनाक है। FIR दर्ज होने से लेकर जांच और कार्रवाई तक-सबकुछ संदिग्ध बना दिया गया है। यह सब किसे बचाने के लिए किया जा रहा है?'

पटना में बच्चों से ढुलवाई गईं स्कूल की किताबें

एजेंसी, पटना

पटना में बाढ़ अनुमंडल के एकडंगा पंचायत स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय मसत्थू में शिक्षा व्यवस्था की संवेदनहीन तस्वीर सामने आई है। यहां पांचवीं और सातवीं कक्षा के छात्रों को निःशुल्क मिलने वाली पुस्तकों के भारी बंडल सिर पर ढोते हुए देखा गया। इस पूरी घटना का वीडियो सामने आने के बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है। छात्रों ने बताया कि वे यह काम स्कूल के शिक्षक के आदेश पर कर रहे थे।

ई-रिक्शा से आईं किताबें, बच्चों से कराई गई ढुलाई: जानकारी के अनुसार, निःशुल्क वितरित की जाने वाली किताबें दो ई-रिक्शा से बाढ़ प्रखंड के संकुल कार्यालय से स्कूल लाई गई थीं। लेकिन ई-रिक्शा चालकों ने स्कूल परिसर तक किताबें पहुंचाने से इनकार कर दिया। इसके बाद बच्चों को ही किताबें सिर पर लादकर स्कूल तक ले जाने को कहा गया।

वीडियो बनता देख प्रभारी ने संभालने की कोशिश की: घटना के दौरान विद्यालय के प्रभारी मोहम्मद शकील अहमद मौके पर पहुंचे। बताया जा रहा है कि जब उन्होंने ई-रिक्शा चालक को वीडियो बनाते देखा तो मामला दबाने की कोशिश की। प्रभारी ने चालक से कहा कि किताबें स्कूल तक पहुंचाने के बाद ही भुगतान किया जाएगा।

8वीं के छात्र ने लगाया सीधा आरोप: आठवीं कक्षा के छात्र शिवम कुमार ने बताया कि ये किताबें उत्क्रमित मध्य विद्यालय मसत्थू की ही हैं। उसने आरोप लगाया कि विद्यालय प्रभारी शकील अहमद ने ही उसे और अन्य छात्रों को किताबें ढोने का काम सौंपा था।

'न्याय प्रक्रिया पर भरोसा रखें, दोषी रहेंगे तो बचेंगे नहीं"

एजेंसी, हाजीपुर

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान रविवार को हाजीपुर के वैशाली पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बात करते हुए पप्पू यादव पर तंज कसा है। उन्होंने कहा, अगर आपके कर्म सही हैं तो डरने की जरूरत नहीं है। देश की न्यायिक व्यवस्था निष्पक्ष है। किसी निर्दोष के साथ गलत नहीं होगा। हाजीपुर परिसदन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने स्पष्ट कहा, आपने किसी के साथ गलत नहीं किया है तो आपके साथ भी गलत नहीं होगा, लेकिन अगर गुनाह किया है तो कोई भी नहीं बचेगा।

पप्पू यादव की गिरफ्तारी को बताया न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा: पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव की गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया देते हुए चिराग पासवान ने कहा, यह पूरी तरह न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा है। उन्होंने कहा, किसी भी सांसद या जनप्रतिनिधि को बिना ठोस आधार या सबूत के गिरफ्तार नहीं किया जा सकता। उन्होंने माना कि गिरफ्तारी के वक्त जिस तरह का माहौल बना, वह उचित नहीं था। मंत्री ने कहा, जिस तरीके से एक भय का वातावरण बनाया गया, वह शोभा नहीं देता। उन्हें जांच में सहयोग करना चाहिए था।

एजेंसियों के पास जरूर होंगे पुख्ता प्रमाण: चिराग ने आगे कहा, जांच एजेंसियां किसी भी कार्रवाई से पहले साक्ष्य और तथ्यों की पुष्टि करती है। उन्होंने कहा,

- पप्पू यादव की गिरफ्तारी पर चिराग पासवान बोले- किसी सांसद को बिना सबूत अरेस्ट नहीं किया जा सकता

बिना किसी ठोस आधार के किसी सांसद पर ऐसी कार्रवाई नहीं की जाती। एजेंसियों के पास निश्चित ही ऐसे प्रमाण होंगे जिनके आधार पर गिरफ्तारी हुई है। उन्होंने दोहराया कि NDA सरकार में किसी निर्दोष को नुकसान नहीं होगा, जबकि दोषियों को किसी भी हालत में छोड़ा नहीं जाएगा।

कांग्रेस और आरजेडी पर निशाना: चिराग पासवान ने विपक्ष पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा, कांग्रेस और आरजेडी जैसी पार्टियां हमेशा बदले की राजनीति का आरोप लगाती हैं, जबकि यह गिरफ्तारी कानून के तहत की गई कार्रवाई है। उन्होंने कहा, यह बदले की राजनीति नहीं, बल्कि कानून का पालन है। दोषी चाहे कोई भी हो, कानून की नजर में सब बराबर हैं।

31 साल पुराने मामले में गिरफ्तार हुए सांसद: पटना पुलिस ने पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव को 6 फरवरी 2026 की देर रात गिरफ्तार किया। यह मामला 31 साल पुराना है और गर्दनीबाग थाना क्षेत्र में दर्ज धोखाधड़ी (420), जालसाजी (468) और आपराधिक साजिश (120B) से जुड़ा है। शनिवार (7 फरवरी) को उन्हें पटना की एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश किया गया, जहाँ से उन्हें दो दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

तबीयत बिगड़ने पर PMCH में भर्ती: गिरफ्तारी के बाद पप्पू यादव की तबीयत खराब होने की सूचना मिली, जिसके बाद उन्हें PMCH में भर्ती कराया गया है। उनकी जमानत याचिका पर 9 फरवरी 2026 को सुनवाई होने की संभावना है। फिलहाल इस मामले को लेकर बिहार की राजनीति में हलचल तेज है।

संक्षिप्त समाचार

पानीपत: नशीला पदार्थ सुंघाकर युवक को लूटा

लोकतंत्र की शान : पानीपत। पानीपत बस स्टैंड पर जहरखुरानी गिरोह द्वारा एक युवक को नशीला पदार्थ सुंघाकर बेहोश करने के पश्चात बैंक में ले जाकर हजारों रुपए लूट लिए। होश में आने के पश्चात युवक ने थाना सेक्टर 29 में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस को दी शिकायत में गन्नौर निवासी अमरजीत ने बताया कि छह फरवरी की देर शाम वह बस स्टैंड पर खड़ा था। वहां एक 22 वर्षीय युवती जिसके पास छह सात महीने का बच्चा था, और उसके साथ दो लड़के एक 14 साल व दूसरा 24 साल आए। आरोपियों ने अमरजीत को कुछ दिखाकर सुंघाया, जिसके बाद वह अपनी सुध-बुध खो बैठा। बेहोशी की हालत में आरोपी पीड़ित को नांगल खेड़ी स्थित एचडीएफसी बैंक ले गए। वहां उन्होंने अमरजीत का फोन, एटीएम कार्ड और नकदी छीन ली। आरोपियों ने एटीएम और ऑनलाइन माध्यम से 84 हजार,4 चार सौ 84 रुपए निकाले और साथ ही 1800 नकद और फोन लेकर रफूचक्कर हो गए। होश आने पर अमरजीत ने थाना सेक्टर 29 में शिकायत दी। पुलिस ने दी गई शिकायत और बैंक से निकाली गई राशि की रसीद के आधार पर लुटेरों के खिलाफ केस दर्ज कर संबंधित धाराओं तहत मामला दर्ज कर गिरोह के सदस्यों की तलाश शुरू कर दी है ।

सूरजकुंड मेला हादसे में आठ घायलों को अस्पताल से मिली छुट्टी, चार का इलाज जारी

लोकतंत्र की शान : फरीदाबाद। सूरजकुंड मेला में झूला टूटने से हुए हादसे के आठ घायलों को उपचार के बाद रविवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई, जबकि चार घायलों का इलाज अभी चल रहा है। रविवार को उपायुक्त आयुष सिन्हा व पर्यटन विभाग के एमडी पार्थ गुप्ता ने सूरजकुंड स्थित सुप्रीम अस्पताल में पहुंचकर मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली । इस हादसे में 12 व्यक्ति घायल हुए थे, जिनकी स्थिति सामान्य है।जिला उपायुक्त आयुष सिन्हा ने बताया कि सुप्रीम अस्पताल में भर्ती आठ घायलों में से चार मरीजों को उपचार के बाद डिस्चार्ज किया जा चुका है, जबकि शेष चार का इलाज जारी है और डॉक्टरों की टीम उनकी निगरानी कर रही है। इसके अतिरिक्त बीके सिविल अस्पताल में भर्ती चार घायलों को भी उपचार उपरांत छुट्टी दे दी गई है। घायलों में महिला सहायक उप निरीक्षक नीलम फरीदाबाद पुलिस, महिला सिपाही शर्मिला, पुलिस लाइन फरीदाबाद, राजेश एसपीओ थाना एसजीएम नगर, हर्ष प्रकाश निवासी ग्रेटर नोएडा, प्रशांत निवासी दिल्ली, अमीषा निवासी सूर्य विहार पार्ट 2 सेक्टर 91 फरीदाबाद, परविंदर निवासी पहलादपुर नई दिल्ली, सुनील निवासी अकेड़ा थाना महेंद्रगढ़, शिवानी निवासी नोएडा 78 , बलबीर वास सुल्तानपुर, अनुज निवासी शेरपुर कासगंज उत्तर प्रदेश (डिस्चार्ज, पूजा निवासी बहादुरपुर फरीदाबाद (डिस्चार्ज) के नाम शामिल है। डीसी ने बताया कि प्रशासन द्वारा सभी घायलों का हर घंटे अपडेट लिया जा रहा है और घायलों को उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। वह स्वयं देर रात घायलों व उनके परिजनों से मुलाकात के बाद सुबह फिर घायलों के स्वास्थ्य की जानकारी लेने पहुंचे है। इस दौरान एडीसी सतबीर मान, डीसीपी एनआईटी मकसूद अहमद मौके पर मौजूद रहे। इसके उपरांत डीसी आयुष सिन्हा, मेला एमडी पार्थ गुप्ता व एडीसी सतबीर मान रविवार को सूरजकुंड मेला परिसर पहुंचे और वहां का जायजा लिया। मेले के एमडी पार्थ गुप्ता का कहना है कि प्रशासन द्वारा आठ सदस्यीय कमेटी बनाई गई है, जो कि इस घटना की जांच करेगी और जो कमी रही, रिपोर्ट आने के बाद उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि फिलहाल मेले में झूला परिसर बंद रहेगा और बाकि मेला पहले की भांति चलता रहेगा। वहीं एडीसी सतबीर मान ने बताया कि प्रशासन द्वारा बनाई गई कमेटी हर पहलु पर जांच करेगी, फिर चाहे वह वेंडर हो या फिर टैक्नीकल, हर पहलु को ध्यान में रखा जाएगा। जल्द ही जांच रिपोर्ट समिट कर दी जाएगी।

मुख्यमंत्री धामी ने खटीमा में लोगों की सुनी समस्याएं

लोकतंत्र की शान : खटीमा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उधम सिंह नगर जनपद के खटीमा भ्रमण के दूसरे दिन रविवार को कैंप कार्यालय लोहियाहेड एवं हेलीपैड पर जनप्रतिनिधियों और आम जनता से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। इसके उपरांत मुख्यमंत्री ग्राम भगचुरी पहुंचे, जहां उन्होंने स्थानीय निवासी मलकीत सिंह राणा के निधन और वीरेंद्र मौर्य की माता सुन्दरी देवी (92) के निधन पर उनके आवास पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिजनों को ढांढस बंधाया और दिवंगत आत्माओं की शांति की कामना की। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, नगर पालिका खटीमा के अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, जिलाधिकारी ऊधम सिंह नगर नितिन सिंह भदौरिया, जिलाधिकारी चम्पावत मनीष कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा, मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी, अपर जिलाधिकारी कौस्तूभ मिश्रा, पुलिस अधीक्षक नीहारिका तोमर, उप जिलाधिकारी तुषार सैनी सहित अनेक अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

चिन्यालीसौड़ पालिका का एक वर्ष पूरा, सवा दो करोड़ की योजनाओं का लोकार्पण

लोकतंत्र की शान : उत्तरकाशी। नगरपालिका परिषद चिन्यालीसौड़ ने अपने एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के अवसर पर रविवार को सवा दो करोड़ रुपये से अधिक की विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। आज धरासू थाने में आयोजित कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद अध्यक्ष मनोज कोहली श्याम ने अपने एक वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय ने नगर पालिका की ओर से अपराध नियंत्रण के लिए 42.40 लाख रुपये के सीसीटीवी कैमरे पुलिस को सौंपे जाने पर पूरी टीम का आभार जताया। उन्होंने कहा कि इन कैमरों की मदद से क्षेत्र में अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगेगा। धरासू थाना नलूपानी स्थानांतरित किए जाने को लेकर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों एवं जनता की नाराजगी पर एसपी ने भरोसा दिलाया कि चिन्यालीसौड़ में पुलिस स्टाफ बढ़ाया जाएगा। साथ ही जनप्रतिनिधियों की मांग पर उन्होंने फायर सर्विस वाहन और स्टाफ की तैनाती के लिए उच्च अधिकारियों से वार्ता कर समाधान का आश्वासन दिया।

जिला टास्क फोर्स की सख्ती जारी सोन नदी घाटों पर सघन जांच

चुरहट-रामपुर नैकिन क्षेत्र में संयुक्त कार्रवाई, अनाधिकृत रेत परिवहन करते वाहन पकड़े

लोकतंत्र की शान , रामबिहारी पाण्डेय ब्यूरो

सीधी। मध्य प्रदेश के सीधी जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है बीते एक सप्ताह से कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी स्वरोचिष सोमवंशी तथा पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी खनिज मामले को लेकर शख्त रुख अख्तियार किए हुए हैं। दोनो अधिकारी अपने अपने अधिकार क्षेत्र के अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए जिसमें उपखंड मजिस्ट्रेट चुरहट शैलेश द्विवेदी एवं जिला खनिज अधिकारी कपिल मुनि शुक्ला के मार्गदर्शन में संयुक्त खनिज-राजस्व दल द्वारा तहसील चुरहट एवं रामपुर नैकिन के अंतर्गत अकौरी, तरिहा, हनुमानगढ़ सहित सोन नदी से लगे विभिन्न घाटों का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान बघवार क्षेत्र में खनिज रेत का अनाधिकृत परिवहन करते पाए गए वाहन क्रमांक MP07HB4258, MP17ZN5161, MP19HA7389 एवं UP91T4532 को नियमानुसार मय खनिज जब्त कर सुरक्षार्थ थाना रामपुर नैकिन एवं पिपरांव चौकी परिसर में खड़ा कराया गया है। कार्रवाई तहसीलदार रामपुर नैकिन आशीष मिश्रा एवं खनि निरीक्षक शिशिर यादव के नेतृत्व में की गई। इसी क्रम में उपखंड मजिस्ट्रेट कुसमी विकास आनंद के मार्गदर्शन तथा तहसीलदार कुसमी नारायण सिंह के नेतृत्व में राजस्व दल द्वारा एक मिनी ट्रक को खनिज रेत के ओवरलोड परिवहन करते पाए जाने पर जब्त कर आवश्यक कार्रवाई की गई। जब्त समस्त वाहनों के स्वामियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश अवैध खनिज (उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के तहत प्रकरण दर्ज कर कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। कलेक्टर सोमवंशी द्वारा जिला टास्क फोर्स की दैनिक कार्यवाहियों की समीक्षा करते हुए अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

श्रीमद्भागवत महापुराण में गोवर्धन लीला का हुआ वर्णन

लोकतंत्र की शान

सीधी । अमरवाह में चल रहे संगीतमय श्रीमद् भागवत महापुराण सप्ताह ज्ञान यज्ञ का आज पांचवां दिन श्रद्धा, आस्था और भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर आचार्य रमाकांत तिवारी के मुखारविंद से प्रवाहित कथा अमृत ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। पाँचवें दिन की कथा में भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाएं, गोवर्धन पूजा एवं भक्त प्रह्लाद की भक्ति का सजीव वर्णन किया गया। कथा श्रवण के लिए बड़ी संख्या में महिला-पुरुष, बुजुर्ग एवं युवा श्रद्धालु उपस्थित रहे। पूरे पंडाल में भक्ति और संकीर्तन का वातावरण बना रहा। कथा के दौरान आचार्य श्री ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि भागवत कथा केवल कथा नहीं, बल्कि जीवन को धर्म और मर्यादा से जोडऩे का मार्ग है। उन्होंने सत्कर्म, सेवा भाव और भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। आयोजन के अनुसार यह श्रीमद् भागवत कथा 4 फरवरी से 10 फरवरी 2026 तक प्रतिदिन

आयोजित की जा रही है। कथा समापन के पश्चात 11 फरवरी 2026 को उपनयन संस्कार एवं विशाल भंडारा प्रसाद का आयोजन किया जाएगा। कथा आयोजन में दुबे परिवार द्वारा समस्त ग्रामवासियों एवं बाहर से आए श्रद्धालुओं का हार्दिक स्वागत एवं सहयोग किया जा रहा है। ग्राम अमरवाह में इन दिनों भक्तिमय और आध्यात्मिक माहौल बना हुआ है।

कैंसर जैसी भयंकर बीमारी का अर्पणा अस्पताल में मिलेगा लाभ

लोकतंत्र की शान , राजेंद्र करनाल की रिपोर्ट

विश्व स्तरीय कैंसर उपचार सेवाओं का करनाल मधुबन के नजदीक अर्पणा कैंसर केयर हॉस्पिटल का बड़ी सादगी के साथ उपचार हेतु शुभारंभ किया गया जिसमें विशेषज्ञ डॉक्टर मनदीप सिंह मल्होत्रा ने कैंसर केयर हॉस्पिटल का बड़ी सादगी से रिबन काटकर लोगों को शुभकामनाएं दी इस मौके पर डॉक्टर मनदीप सिंह मल्होत्रा ने अस्पताल की नई टीम और नई टेक्नोलॉजी का विवरण बताते हुए कैंसर विशेषज्ञ डॉक्टर मनदीप सिंह मल्होत्रा ने बताया कि ये हॉस्पिटल करनाल वासियों के लिए बहुत ही लाभदायक होने वाला है जिसमें अनेक कैंसर के मरीजों को सुविधा प्राप्त होगी साथ ही कैंसर विशेषज्ञ डॉक्टर मनदीप सिंह मल्होत्रा एवं डॉक्टर नीरज प्रकाश, मोहित सक्सेना , हर सिमरन सिंह, परविंदर कौर, गौरव पोपली, एवं डॉक्टर नंदनी वासुदेव, डॉक्टर सोनल जैन ने संयुक्त रूप से बताया कि विशेष अर्पणा कैंसर केयर हॉस्पिटल की शुरुआत से लाखों मरीजों को कैंसर जैसी बीमारी से राहत मिल सकती है सभी डॉक्टरों का कहना था कि पर अर्पणा हॉस्पिटल में कैंसर की बीमारी का ईलाज बहुत ही सरलता के साथ किया जाएगा तथा उपचार उपचार में मध्यवर्ग को भी इसका पूरा लाभ मिलेगा साथ ही लोकल हॉस्पिटल होने के कारण मरीज को दवाइयों में लाभ मिलने वाला है क्योंकि यह हॉस्पिटल चैरिटेबल रूप में समाज के सभी गरीब वर्गों को सुविधा प्रदान करने में सक्षम है इसके लिए उन्होंने सभी करनाल वासियों को शुभकामनाएं देकर कैंसर के के इलाज में विशेष ध्यान रखा जाएगा

आज़ाद अध्यापक शिक्षक संघ ने 21 सूत्रीय मांगो के लिए मुख्यमंत्री के नाम दिया ज्ञापन

लोकतंत्र कि शान , हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

मुरैना / आजाद अध्यापक शिक्षक संघ द्वारा 8 फरवरी को जिलाध्यक्ष के. के. शर्मा के नेतृत्व में जिला मुख्यालय पर पुरानी पेंशन, नियुक्ति दिनांक से सेवा अवधि की गणना करने सहित 21 सूत्रीय मांगो के लिए तहसीलदार श्री हरविलास बिसारिया जी को माननीय मुख्यमंत्री महोदय के नाम ज्ञापन दिया तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ मध्यप्रदेश के जिला अध्यक्ष रामनरेश दंडोतिया एवं ऑल इंडिया एन पी एस एम्प्लॉयज फेडरेशन के राष्ट्रीय मिडिया प्रभारी जनक सिंह रावत ने बताया कि प्रांतीय अध्यक्ष भरत पटेल के आह्वान आज जिला मुख्यालय पर पुरानी पेंशन ,नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता की गणना अ व्यवहारिक ई-अटेंडेंस को समाप्त करने, अध्यापक शिक्षक सम्बर्ग को केंद्रीय कर्मचारियों की तरह 1 जनवरी 2026 से आठवे वेतनमान का लाभ दिया जाए, विगत वर्षों में दिवंगत अध्यापक शिक्षक संवर्ग के आश्रित परिवार के सदस्य को अनुकंपा नियुक्ति का लाभ दिया जाए गुरुजिओ को उनकी प्रथम नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता दी जाए अध्यापक संवर्ग को कैशलेस मेडिकल क्लेम की सुविधा दी जाए अध्यापक संवर्ग की सेवानिवृत्ति आयु 65 वर्ष की जाए ग्रेजुएट का लाभ प्रथम नियुक्ति दिनांक से देने सहित अन्य मांगों को लेकर ज्ञापन दिया गया ज्ञापन में डॉ राकेश शर्मा, पंजाब सिंह यादव,जगदीश यादव राममूर्ति डंडोतिया, दिलीप जाटव, योगेंद्र श्रीवास्तव स्वयंसेवक पारा, धीरज शर्मा, बारेलाल महकाले,धर्मेंद्र सिंह तोमर, कृष्णकांत मुद्गल,ओमप्रकाश मुद्गल दिनेश दुबे, रामदीन धाकड़ अवधेश डंडोतिया सुदेश पाल सिंह धाकड़,नितेश शर्मा, शशिकांत शर्मा अजय दंडोतिया गिर्राज शर्मा, मनीष पाराशर, नरेंद्र शर्मा, भरत शर्मा राजकुमार दंडोतिया सहित सेंकड़ो कर्मचारी उपस्थित रहे

चेक अनादर का आरोपी गया जेल न्यायालय ने खारिज किया जमानत याचिका

लोकतंत्र की शान , रामबिहारी पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख

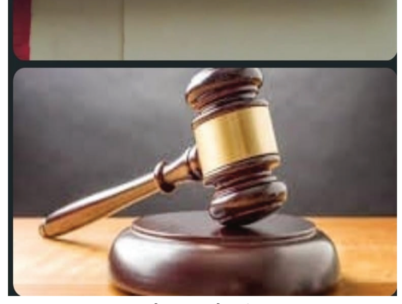

सीधी। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी चुरहट की कोर्ट ने एक चेक बाउंस मामले में फरार आरोपी को चुरहट पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किए जाने पर जमानत याचिका खारिज कर जेल भेजने का वारंट जारी कर दी है। बता दें कि लेनदेन के लिए बतौर गारंटी चेक देने वाले व्यक्ति को यह जालसाजी मंहगी पड़ गई है, न्यायालय ने आरोपी की जमानत याचिका खारिज करते हुए जिला जेल पडरा भेज दिया है। इस संबंध में चुरहट पुलिस से मिली जानकारी अनुसार पंकज मिश्रा पिता प्रदीप कुमार मिश्रा 29 वर्ष निवासी ग्राम पडरा थाना जमोड़ी के खिलाफ चुरहट न्यायालय द्वारा गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था जिसके पालन में आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी को जेल भेज दिया गया है। उल्लेखनीय हैं कि आरोपी पंकज मिश्रा द्वारा अनूप कुमार पाण्डेय पिता लवकुश प्रसाद पाण्डेय निवासी वार्ड नंबर 03 चुरहट से 1200000 लाख रुपए एवं अनितेश सिंह पिता लालजी सिंह निवासी गन्नौड से 300000 लाख रुपए लिया था, लेकिन अब उक्त राशि को वापस नहीं किया जा रहा था, जिसके चलते पीड़ित अनूप कुमार पाण्डेय ने चुरहट न्यायालय में चेक बाउंस का मामला दायर किया था, इसी मामले की सुनवाई करते हुए न्यायधीश ने आरोपी को जेल भेजा है। बता दें कि आरोपी पंकज मिश्रा ने अपने संबंधों का लाभ उठाते हुए पीड़ित अनूप कुमार पाण्डेय एवं अनितेश सिंह से 1800000 लाख रुपए ऐंठ लिए थे और उनको काम दिलाने तथा अच्छाखासा लाभ दिलाने का लालच देकर वर्षों तक गुमराह करता रहा। आरोपी से पीड़ितों के संबंध मधुर होने के चलते वह आरोपी के कहने पर बार बार मौका देते रहे और जब यह साफ हो गया कि आरोपी पंकज मिश्रा द्वारा पैसे वापस न करने के लिए झूठ बोल कर गुमराह कर रहा है तो इनके द्वारा मामला न्यायालय में पेश कर दिया गया।

कोयला कारोबार के लिए मांगी थी राशि

पीड़ित अनूप कुमार पाण्डेय एवं अनितेश सिंह के अनुसार आरोपी पंकज मिश्रा सिंगरौली जिले के गोरबी में कोयला कारोबार करता था, जिसमें हम लोगों को शामिल करने के लिए बतौर सशर्त यह राशि ली थी, लेकिन जब ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी हम लोगों को काम नहीं दिया गया तो हम लोगों द्वारा पैसा वापस करने की मांग करने लगे। अनूप एवं अनितेश द्वारा आरोपी से प्राप्त चेक को जब बैंक में जमा किया गया तो खाते में राशि न होने के चलते बाउंस हो गया, उसके बाद भी इन लोगों द्वारा आरोपी से बातचीत कर अपने पैसे की मांग की गई लेकिन जब उसके द्वारा लगातार गुमराह किया जाने लगा तो मजबूरन इन्हें न्यायालय की शरण लेनी पड़ी।

जैविक एवं प्राकृतिक हाट बाजार से लोगों ने की ताज़ी हरी सब्जियों की खरीददारी

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी। जैविक कृषि को अपनाने वाले किसानों को उनके उत्पादों को अच्छा बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला चिकित्सालय के सामने नगर निगम मार्केट में रविवार को लगे जैविक एवं प्राकृतिक हाट-बाजार में साग सब्जियां मटर, ब्रोकली, गोभी, लौकी, भटा, गिलकी, मैथी, पालक और सरसों , सूरन जिमीकन्द, कच्चा पपीता,केला आदि उपलब्ध रहा। उप संचालक कृषि अरूणिमा सेन अयंगर ने बताया कि जैविक हाट में उत्पादों की अच्छी कीमत मिलने से किसानों में उत्साह है और अन्य किसानों में भी जैविक कृषि के प्रति रुचि और बढ़ने लगी है। आने वाले समय में जिले में जैविक खेती का रकबा बढ़ने की पूरी संभावना है। उन्होंने बताया कि जैविक हाट में लोगों की दिलचस्पी सप्ताह दर सप्ताह बढ़ती जा रही है और बढ़ी संख्या में यहाँ पहुँचकर रसायन मुक्त उत्पादों की खरीदारी कर रहे हैं।

आरटीआई के तहत मांगी जानकारी तो गुमराह करने वाले अधिकारी

» गुमराह करने दिए जा रहे भ्रामक दस्तावेज
» मामला संकुल केन्द्र शाउमावि क्रमांक 02 सीधी का

लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले में सूचना का अधिकार अधिनियम महज दिखावा साबित हो रहा है, सरकार भले ही पारदर्शिता पूर्ण कार्य करने का दावा कर रही हैं लेकिन सरकारी तंत्र अपनी आदतों से बाज नहीं आ रहा है। कुछ इसी तरह एक मामला शिक्षा विभाग का सामने आया है, जहां आवेदक को लगातार गुमराह करने वाली जानकारी देकर चक्कर लगवाया जा रहा है। इस संबंध में आवेदक नेहा शुक्ला निवासी आजाद नगर ने बताया कि उनके द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 02 संकुल केन्द्र में आवेदन लगाया गया था कि आपके संकुल अंतर्गत शासकीय शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय रोझौहा एकीकृत शाला जन शिक्षा केंद्र रोझौहा में शिक्षिका श्रीमती रीता वर्मा पति नरेन्द्र वर्मा पदस्थ हैं , जिनके सेवा पुस्तिका एवं नियुक्ति के समय प्रस्तुत किये गए समस्त दस्तावेजो की सत्यापित छायाप्रति तथा चरित्र सत्यापन प्रमाण पत्र की सत्य प्रति उपलब्ध कराई जाय । साथ ही आवेदक ने तीसरी संतान होने एवं न होने के साथ नियुक्त वर्ष से जानकारी दिनांक तक संबंधित शिक्षिका का शपथ पत्र के साथ जानकारी मांगी गई थी, लेकिन आज दिनांक तक संकुल केन्द्र शाउमावि क्रमांक 02 से उक्त जानकारी नही दी गई है। आवेदक नेहा शुक्ला के अनुसार मेरे द्वारा जो जानकारी मांगी गई थी उसके अनुसार दस्तावेज नहीं उपलब्ध कराए गए हैं, जो भी दस्तावेज दिए गए हैं उसमें संस्था प्रमुख की सील सिग्नेचर नहीं हैं, जिससे यह स्पष्ट नहीं हो रहा है कि दी गई जानकारी विभागीय है या स्व रचित है। बता दें आवेदक ने पहला आवेदन 15 अक्टूबर 2025 को लगाया था जिसमें कार्यालय लोक सूचना अधिकारी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 02 संकुल केन्द्र द्वारा भ्रामक दस्तावेज दिए गए, जब आवेदक ने मांगी गई जानकारी पूर्ण एवं प्रमाणित न होने पर विरोध किया तो पुनः आवेदन लगाने के लिए कहा गया, जिस पर आवेदक द्वारा 16 दिसंबर 2025 को पुनः आवेदन लगाया गया, जिसकी समय सीमा पूर्ण हो चुकी है लेकिन आज तक कोई जानकारी नहीं दी गई। शाखा लिपिक द्वारा न तो फोन रिसीव किया जा रहा है और न ही जानकारी दी जा रही है। आवेदक नेहा शुक्ला ने संकुल केन्द्र प्रभारी एवं शाखा लिपिक के खिलाफ कार्यवाही की मांग उठते हुए कलेक्टर एवं जिला शिक्षा अधिकारी का ध्यान आकृष्ट कराया है।

कटनी शहर के अनेक वार्डों में SIR प्रक्रिया की आड़ में पात्र मतदाताओं के नाम हटवाने की एक गंभीर और सुनियोजित साजिश सामने आई है

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी : जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष एड. अमित शुक्ला ने कहा कि यह पूरा मामला लोकतंत्र पर सीधा हमला है। एड. अमित शुक्ला ने बताया कि शहर के कई वार्डों में गांवों में निवास करने वाले बाहरी व्यक्तियों द्वारा फॉर्म नंबर–7 भरकर एक-एक वार्ड में 100 से 300 तक मतदाताओं के नाम कटवाने का प्रयास किया जा रहा है, जो पूरी तरह अवैधानिक है। उन्होंने कहा कि और भी गंभीर बात यह है कि जिन व्यक्तियों के नाम से आपत्तियां दर्ज कराई गई हैं, उनसे जब व्यक्तिगत रूप से पूछा गया तो उन्होंने साफ इनकार किया कि उन्होंने कोई आपत्ति नहीं लगाई है। इससे स्पष्ट होता है कि किसी संगठित गिरोह द्वारा फर्जी दस्तावेज तैयार कर आम नागरिकों का संवैधानिक मताधिकार छीना जा रहा है। जिला कांग्रेस कमेटी कटनी ने इस पूरे मामले को लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय में ज्ञापन सौंपते हुए दोषियों के विरुद्ध तत्काल FIR दर्ज करने, पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने तथा संबंधित कर्मचारियों एवं अधिकारियों की भूमिका की जांच कर कठोर कार्रवाई की मांग की है। एड. अमित शुक्ला ने दो टूक कहा कि यदि पुलिस प्रशासन इस गंभीर मामले में शामिल व्यक्तियों एवं जिम्मेदार कर्मचारियों/अधिकारियों पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई नहीं करता है, तो कांग्रेस कमेटी मजबूर होकर न्यायालय की शरण लेगी। उन्होंने कहा, "वोट हमारा संवैधानिक अधिकार है। कांग्रेस कार्यकर्ता और BLA लोकतंत्र के प्रहरी हैं। किसी भी कीमत पर जनता का अधिकार छीनने नहीं दिया जाएगा।" इसमें मुख्य रूप से जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष एड अमित शुक्ला महिला अध्यक्ष रजनी वर्मा,राकेश जैन कक्का,राजा जगवानी , नशीर खान, आफताब अहमद चोखे भाईजान,मंजू निषाद ,जितेन्द्र गुप्ता, अजय जैसवानी ,संजय खरे ,एड.शशि शेखर भारद्वाज, नारायण निषाद,मंगल सिंह, अहमद कुरैशी,श्याम यादव,विजय मंगल चौधरी ,विवेक विरहा,जीतू विश्वकर्मा, प्रशांत पांडे,प्रेम कुमार पठारिया संजय गुप्ता ,दिग्विजय सिंह,अदिता वर्मा,शशि यादव,रमेश प्यासी,अजय वर्मा,रमेश अहिरवार,शुभम सोनखरे,सलाहुद्दीन खान,गनपतलाल,अनुज सिंह,तरुण सिंह,वार्ड अध्यक्ष दीपक सिंह ,ब्रजेश मौर्य ,दिलदार खान,इमरान खान एवं समस्त कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

गुजरात में स्टूडेंट ने महिला टीचर को थप्पड़ मारा

अहमदाबाद। गुजरात के पंचमहल जिले में 12वीं के एक छात्र ने महिला टीचर को क्लासरूम में थप्पड़ मार दिया। घटना 24 जनवरी को शेरा कस्बे के एस.जे. डेव हाई स्कूल में हुई। मामले का CCTV फुटेज सामने आने के बाद विवाद बढ़ा और 3 फरवरी को FIR दर्ज की गई। पुलिस के मुताबिक, छात्र 12वीं की दूसरी प्रीलिम परीक्षा के लिए देर से पहुंचा था। महिला इन्विजिलेटर ने जब उससे देरी की वजह पूछी, तो छात्र भड़क गया। उसने कहा, "घर में मुझसे कोई कुछ नहीं पूछता, आप कौन होती हैं सवाल करने वाली।" CCTV फुटेज में दिखा कि क्लासरूम में स्टूडेंट्स परीक्षा दे रहे थे। सभी आरोपी छात्र आया। गेट पर टीचर से उसकी बहस हुई। इसके बाद उसने महिला टीचर के गाल पर थप्पड़ मारा और जोर से धक्का दे दिया। इतने देर में दूसरे स्टूडेंट्स डेस्क से उठकर आ गए। इसके बाद आरोपी भाग गया। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद मामले को लेकर काफी नाराजगी देखने को मिली। पुलिस ने बताया कि उसी दिन आरोपी छात्र के पिता ने टीचर और स्कूल के प्रभारी प्रिंसिपल से माफी मांगी थी। हालांकि, 27 जनवरी को छात्र अपने पिता और 15–20 अन्य लोगों के साथ दोबारा स्कूल पहुंचा। आरोप है कि उसने टीचर को धमकाया और कहा- तुम शहर में अकेली रहती हो, देख लेंगे। पुलिस के अनुसार, छात्र का दावा है कि वह अपने साथियों के साथ टीचर और स्कूल स्टाफ से माफी मांगने गया था।

राजस्थान समेत 5 राज्यों में सुबह-शाम की सर्दी

नई दिल्ली/भोपाल/देहरादून/शिमला। मौसम विभाग ने देश के किसी भी राज्य में रविवार के लिए कोई अलर्ट जारी नहीं किया है। हालांकि जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल में हुई बर्फबारी के कारण उत्तर भारत के सभी राज्यों में अभी भी सर्दी का असर है। राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ और चंडीगढ़ में सुबह और शाम सर्दी हो रही है। जबकि दिन के समय कई जिलों में पारा 30° का आंकड़ा पार कर रहा है। इन राज्यों में फरवरी में ही मार्च जैसी गर्मी का अहसास होने लगा है। हालांकि मध्य प्रदेश और बिहार का मौसम एक बार फिर बदल गया है। एमपी के 11 जिलों और बिहार के 4 जिलों में टेंपरेचर 10 °C से कम रहा। भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर समेत बाकी जिलों में सुबह-शाम हल्की सर्दी पड़ रही है, जबकि दिन में गर्मी का एहसास हो रहा है। यूपी में आज से पारा चढ़ने वाला है। बिहार में 13 फरवरी से मौसम बदलेगा। रविवार को चेन्नई में कोहरे के कारण विजिबिलिटी कम रही। सुबह 9 बजे तक कोहरा छाए रहने के कारण 3 फ्लाइट्स को तिरुचिरापल्ली डायवर्ट करना पड़ा। चेन्नई में कोहरे का कारण ज्यादा नमी, धीमी रफ्तार की हवाएं और रात के समय कम तापमान था। हिमालयी राज्य उत्तराखंड और हिमाचल में मौसम विभाग ने 9 फरवरी से ऊंचे इलाकों में बर्फबारी का अनुमान जताया है। 10 फरवरी को दोनों ही प्रदेशों में बारिश और बर्फबारी हो सकती है।

अजित पवार की अस्थियां लेकर बेटा नंगे पैर संगम पहुंचा, प्राइवेट जेट से परिवार प्रयागराज आया

प्रयागराज। महाराष्ट्र के पूर्व डिप्टी CM अजित पवार की अस्थियां रविवार को संगम में प्रवाहित की गईं। बेटे जय पवार ने संगम पर पूजा-पाठ की। फिर मंत्रोच्चारण के बीच अस्थि विर्सजन किया। इस दौरान जय पवार भावुक नजर आए। वह पूरे कार्यक्रम के दौरान चुप रहे। किसी से बात नहीं की। यही नहीं, जब पत्रकारों ने जय से सवाल किए तो भी वह चुप रहे, कुछ भी नहीं कहा। पवार परिवार चार्टर्ड फ्लाइट से पुणे से प्रयागराज पहुंचा था। जय पिता की अस्थियां लेकर नंगे पैर एयरपोर्ट से बाहर आए। उनके हाथ में अस्थियों का बॉक्स था। एयरपोर्ट से संगम तक लंबे काफिले के साथ परिवार घाट तक पहुंचा। अस्थि विसर्जन के दौरान भाजपा और NCP के नेता भी मौजूद रहे। दरअसल, एनसीपी की युवा इकाई राष्ट्रवादी युवक कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष धीरज शर्मा की अगुवाई में कश्मीर से कन्याकुमारी तक अजित पवार की 'अस्थि कलश यात्रा' निकाली गई थी। 12 राज्यों से गुजरी यात्रा का समापन आज बेटे और परिवार की मौजूदगी में संगम में हुआ। धीरज शर्मा ने बताया- परिवार समेत लाखों राष्ट्रवादी कार्यकर्ताओं और दादा के समर्थकों के लिए बहुत भावुक पल हैं। मैं अस्थि कलश यात्रा को लेकर हरिद्वार से तेलंगाना तक गया। अजित दादा सिर्फ महाराष्ट्र के नहीं, बल्कि देश की बड़ी राष्ट्रीय राजनीतिक शख्सियत थे। अजित पवार का 28 जनवरी को बारामती एयरपोर्ट पर एक चार्टर्ड विमान दुर्घटना में निधन हो गया था। हादसे में उनके साथ दो पायलट, एक महिला क्रू मेंबर और एक सुरक्षाकर्मी समेत कुल 5 लोगों की जान चली गई थी। विमान लैंडिंग के दौरान रनवे से पहले गिर गया था और उसमें आग लग गई थी। अजित के निधन के बाद पत्नी सुनेत्रा पवार ने महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी।

'कुत्ता-मुक्त गांव' के नाम पर हत्या, तेलंगाना में 1600 कुत्तों को दी मौत

हैदराबाद। तेलंगाना के गांवों में अब अजीब सन्नाटा है। कुछ दिन पहले तक गांव में कोई अजनबी आता था तो आवारा कुत्ते भौंक-भौंक कर गांव को चेता देते थे। अब यहां कोई हलचल नहीं होती। यह हालात किसी एक गांव के नहीं। राज्य के छह जिलों के 12 से ज्यादा गांवों में इस साल की शुरुआत से अब तक 1600 से अधिक कुत्ते मार दिए जाने के आरोप सामने आए हैं। शुरुआत में यह संख्या कम थी। धीरे-धीरे आंकड़ा बढ़ता गया। दरअसल, गांवों में कुत्तों के काटने की घटनाएं बढ़ीं तो दिसंबर में हुए सरपंच चुनाव में यह मुद्दा प्रमुख रूप से उठा। कई जनप्रतिनिधियों ने 'कुत्ता मुक्त गांव' बनाने का वादा किया। इसके बाद गांव से कुत्ते गायब होने लगे। गांव के बाहर सामूहिक कब्र मिलीं, तो संदेह गहराया। जांच में साफ हो गया कि यह सब योजनाबद्ध तरीके से किया गया। आरोप है कि आंध्र प्रदेश से डॉग कैचर्स बुलवाए और 500 रुपए प्रति कुत्ते के हिसाब से जहरीले इंजेक्शन दिए गए। हनुमानकोंडा जिले के श्यामपेट और अरपेल्ली गांवों में 300 कुत्तों की हत्या की शिकायत दर्ज कराई गई है। कामारेड्डी जिले के वाड़ी, फरीदपेट, बंदारमश्वेरपल्ली, भवानीपेट और पलवनचा गांवों में 200 कुत्ते मारे गए। जगित्याल जिले में धर्मपुरी क्षेत्र में 30, पगड़ापल्ली गांव में 300, रंगारेड्डी जिले के याचरम में 140, निर्मल जिले में 200 कुत्ते मारे जाने के आरोप हैं। 2020 से जुलाई 2025 तक 14,88,781 लोगों को कुत्तों ने काटा और उन्हें इलाज की जरूरत पड़ी। यूथ फॉर एंटी करप्शन की आरटीआई अर्जी के जवाब में स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि इस दौरान 36,07,989 एंटी-रेबीज वैक्सीन डोज दी गईं।

पाकिस्तान से 8 महीने बाद घर लौटेगा अमृतपाल

फाजिल्का। फाजिल्का सेक्टर के किसान अमृतपाल की जल्द रिहाई की खबर सामने आ रही है। सरहदी गांव खैरेके उताड़ का किसान अमृतपाल 21 जून, 2025 को अनजाने में अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर पाकिस्तान पहुंच गया था। किसान के पिता जगराज सिंह के अनुसार, अमृतपाल खेत में चूहों को बेहोश करने वाली दवा का छिड़काव कर रहा था। दवा के असर और उसके बाद चाय पीने की वजह से उसे चक्कर आने लगे और बेहोशी की हालत में वह गलती से पाक सीमा में दाखिल हो गया। वहां उसे पाकिस्तानी रेंजर्स ने हिरासत में लेकर कंगनपुर के अस्पताल में दाखिल कराया था। बीते दिन पाकिस्तान की जेल में बंद पंजाब के 7 लोगों की सजा पूरी होने के बाद रिहाई की गई है, जिनकी अंबेसी बुधवार को क्लीयर हो गई थी। जगराज सिंह के अनुसार अमृतपाल के केस की अंबेसी शुक्रवार को क्लीयर हो चुकी है और किसी भी समय अमृतपाल की रिहाई हो सकती है। पाकिस्तानी पुलिस ने बॉर्डर क्रॉसिंग का केस दर्ज कर अमृतपाल को अदालत में पेश किया था। पाक की अदालत ने अमृतपाल को एक महीने के कारावास और 50 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई थी, जो अब पूरी हो चुकी है। पाकिस्तानी वकील सुहैल अंसारी अमृतपाल का केस निःशुल्क लड़ रहे हैं। उन्होंने हाल ही में किसान से जेल में मुलाकात कर उनका एक 15 सेकेंड का वीडियो परिवार को भेजा था, जिसमें अमृतपाल ने खुद के बिल्कुल ठीक होने की बात कही थी। अमृतपाल की सजा की अवधि और कानूनी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद अब उसकी रिहाई और वतन वापसी का रास्ता साफ होता दिख रहा है। ताजा घटनाक्रम के अनुसार, कागजी कार्रवाई पूरी होने के बाद किसी भी समय उसे बीएसएफ के हवाले किया जा सकता है, जिससे उसके परिवार का लंबा इंतजार खत्म होगा।

केंद्र सरकार छत्तीसगढ़ के सर्वांगीण विकास के लिए संवेदनशील

नवोत्थान और वैश्विक भारत की प्रतिष्ठापना का है केन्द्रीय बजट : मनोहर लाल

एजेंसी, नई दिल्ली

रायपुर। केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल रविवार को एक दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरे पर हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार छत्तीसगढ़ के सर्वांगीण विकास के लिए संवेदनशील है। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल आज राजधानी रायपुर में पत्रकार वार्ता के माध्यम से बजट संवाद कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने केन्द्र सरकार के बजट को नवोत्थान और वैश्विक भारत की प्रतिष्ठापना वाहक बताया और कहा कि इस बार के बजट में सिर्फ आँकड़े ही नहीं हैं, बल्कि विकसित भारत-2047 का विजन भी सामने रखा गया है।

केंद्रीय मंत्री मनोहर ने बजट प्रावधानों की सराहना की और इसे केवल एक वार्षिक वित्तीय विवरण न मानकर देश के अगले 25 वर्षों के विकास का मार्गदर्शक 'विजन डॉक्यूमेंट' बताया। उन्होंने एक महत्वपूर्ण तथ्य साझा करते हुए बताया कि इस वर्ष का बजट पहली बार 'कर्तव्य भवन' (वित्त मंत्रालय का नया परिसर) में तैयार किया गया। उन्होंने केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के संबोधन का उल्लेख करते हुए बताया कि यह बजट तीन विशेष कर्तव्यों को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जो देश को आर्थिक और सामाजिक रूप से सुदृढ़ बनाएंगे। इस बजट में 16वें वित्त आयोग की रिपोर्ट को भी स्वीकार किया गया है, जिसकी योजनाएँ आगामी 5 वर्षों के लिए महत्वपूर्ण दिशा तय करेंगी।

केन्द्रीय मंत्री ने विश्वास जताया कि बजट में निर्धारित लक्ष्यों के माध्यम से देश बिजली, बुनियादी ढांचे और शहरी विकास जैसे क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति करेगा। यह बजट समावेशी विकास की ओर बढ़ता हुआ एक सशक्त कदम है। इस दौरान केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू, प्रदेश के वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी, भाजपा प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी, सांसद व मुख्य प्रवक्ता संतोष पाण्डेय, सांसद बृजमोहन अग्रवाल सहित प्रदेश प्रवक्ता अमित चिमनानी, शिवनारायण पाण्डेय व प्रमोद शर्मा भी उपस्थित रहे।

बांग्लादेश को 35 साल बाद नया पीएम मिलेगा

एजेंसी, ढाका

बांग्लादेश में 12 फरवरी को संसदीय चुनाव होने जा रहे हैं। पूर्व पीएम शेख हसीना के देश छोड़ने और खालिदा जिया के निधन के बाद यह पहला चुनाव है। 1991 से 2024 तक बांग्लादेश की राजनीति में इन दो नेताओं का दबदबा रहा। ऐसे में 35 साल बाद देश को नया प्रधानमंत्री मिलेगा। शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को इस चुनाव में हिस्सा लेने की इजाजत नहीं दी गई है। चुनाव आयोग का कहना है कि 2024 में हुए छात्र आंदोलन के दौरान हुई हिंसा में पार्टी की भूमिका की वजह से यह फैसला लिया गया है।

अल जजीरा के मुताबिक एक्सपर्ट्स का कहना है कि बांग्लादेश के ये चुनाव सिर्फ देश की राजनीति ही नहीं, बल्कि पूरे साउथ एशिया की डिप्लोमेसी और पावर बैलेंस को बदल सकते हैं। इसलिए भारत, पाकिस्तान और चीन भी इन चुनाव पर नजर बनाए हुए हैं।

◆ चुनाव पर भारत-पाक और चीन की नजर, बदल जाएगा साउथ एशिया का पावर बैलेंस

हसीना के तख्तापलट के बाद विदेश नीति में बदलाव: बांग्लादेश में अगस्त 2024 से नोबेल विजेता मोहम्मद यूनुस की लीडरशिप में अंतरिम सरकार काम कर रही है। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक, हसीना के सत्ता से हटने के बाद बांग्लादेश की विदेश नीति में बड़ा बदलाव आया है। भारत के साथ रिश्ते अब अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं, जबकि पाकिस्तान के साथ संबंध बेहतर हुए हैं और चीन के साथ रणनीतिक रिश्ते और मजबूत हुए हैं।

नेपाल-भारत में कानूनी सहायता से संबंधित समझौते पर हस्ताक्षर करने की तैयारी

एजेंसी, काठमांडू

नेपाल और भारत के बीच आपराधिक मामलों में पारस्परिक कानूनी सहायता से संबंधित समझौते पर हस्ताक्षर करने की तैयारी चल रही है। हालांकि, इसे चुनाव से पहले किया जाए या चुनाव के बाद, इस विषय पर अभी चर्चा जारी है।

पिछले वर्ष जुलाई में नई दिल्ली में हुई गृह सचिव स्तरीय बैठक में इस समझौते पर प्रारंभिक सहमति बनी थी। सुशीला कार्की के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने पिछले अक्टूबर में इस पर हस्ताक्षर करने का निर्णय लिया था।

नेपाल के प्रधानमंत्री कार्यालय और विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार फिलहाल इस समझौते पर हस्ताक्षर को लेकर चर्चा चल रही है। विदेश सचिव अमृत राई ने बताया कि आपसी सहमति के आधार पर जल्द ही हस्ताक्षर की तिथि तय कर ली जाएगी।

इस समझौते के बाद सीमा-पार अपराधों पर नियंत्रण, सूचना आदान–प्रदान को आसान बनाने, जांच से जुड़े सबूत साझा करने, अभियोजन में सहयोग करने तथा दोनों देशों की कानूनी एजेंसियों के बीच आपराधिक जांच में समन्वय को मजबूती मिलेगी। इसके लिए दोनों देश वर्षों से संवाद करते आ रहे थे।

पारस्परिक कानूनी सहायता और प्रत्यर्पण संधि के अभाव में सुरक्षा से जुड़े अधिकारियों को एक-दूसरे को अपराधियों को सौंपने में लंबे समय से कानूनी और प्रशासनिक जटिलताओं का सामना करना पड़ रहा है।

जापान चुनाव, पीएम ताकाइची बोलीं- हारी तो इस्तीफा दे दूंगी, 465 में से 300 सीटें मिलने की उम्मीद

एजेंसी, टोक्यो

जापान में रविवार को लोअर हाउस के लिए मतदान शुरू हो गया है, जिसमें प्रधानमंत्री साने ताकाइची को बड़ी जीत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, देश के कई हिस्सों में बर्फबारी के कारण मतदान प्रतिशत घटने की आशंका जताई जा रही है। यहां रविवार को 27 से 28 इंच तक बर्फबारी होने का अनुमान है। ताकाइची जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने अक्टूबर में पद संभाला था।

ओपिनियन पोल के अनुसार, उनकी कंजर्वेटिव गठबंधन (लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी और जापान इनोवेशन पार्टी) को संसद के निचले सदन (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) की 465 सीटों में से 300 से ज्यादा सीटें मिल सकती हैं। फिलहाल गठबंधन के पास 233 सीटें हैं, और अगर यह 310 सीटें जीत लेता है तो ऊपरी सदन में विपक्ष के नियंत्रण के बावजूद कानून पास करने की ताकत मिल जाएगी। ताकाइची ने कहा है कि अगर गठबंधन बहुमत खो देता है तो वह इस्तीफा दे देंगी। दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भी ताकाइची को समर्थन जता चुके हैं।

ताकाइची ने चीन के खिलाफ रुख मजबूत किया: ताकाइची ने चीन के खिलाफ मजबूत रुख अपनाते हुए सैन्य खर्च बढ़ाया है, आर्थिक पैकेज और टैक्स कटौती की घोषणा की है। उन्होंने खाद्य पदार्थों पर 8% सेल्स टैक्स को दो साल के लिए निलंबित करने का वादा किया है ताकि बढ़ती महंगाई से लोगों को राहत मिले। रणनीतिक सलाहकार कंपनी एफजीएस ग्लोबल के मैनेजिंग डायरेक्टर सेइजी इनाडा के मुताबिक, 'अगर ताकाइची बड़ी जीत दर्ज करती हैं, तो उन्हें टैक्स में कटौती जैसे अहम फैसलों को लागू करने की आजादी मिलेगी।'

ट्रम्प बोले थे- ताकाइची शक्तिशाली और बुद्धिमान नेता: डोनाल्ड ट्रम्प ने 5 फरवरी को एक पोस्ट में साने ताकाइची को पूर्ण समर्थन दिया है। उन्होंने ताकाइची को मजबूत, शक्तिशाली और बुद्धिमान नेता कहा, जो अपने देश से सच्चा प्यार करती हैं और जापान के लोगों को निराश नहीं करेंगी। ट्रम्प ने बताया कि वह 19 मार्च 2026 को व्हाइट हाउस में ताकाइची से मुलाकात करेंगे। यह समर्थन जापान के 8 फरवरी 2026 के चुनाव से ठीक दो दिन पहले आया है। यह पहली बार है जब किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने जापान के किसी नेता को चुनाव में खुलकर समर्थन दिया है।

किसानों के हित सर्वोपरि, ट्रेड डील से भारतीय कृषि उत्पादों को कोई नुकसान नहीं : शिवराज सिंह

एजेंसी, भोपाल

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भारत और अमेरिका के बीच हुई अंतरिम ट्रेड डील को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि यह डील पूरी दुनिया को यह संदेश देती है कि भारत की नीति समझौते की है, समझौते में झुकने की नहीं। इस समझौते में ऐसा कोई भी उत्पाद शामिल नहीं है, जिससे भारतीय किसानों को नुकसान पहुंचे। किसानों के हित सर्वोपरि हैं, उन पर कोई आंच नहीं आने दी जाएगी। केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान रविवार को अपने भोपाल स्थित आवास पर भारत और अमेरिका के बीच हुई अंतरिम ट्रेड डील को लेकर पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संतुलित रणनीति अपनाकर सकारात्मक संवाद करते हुए यह ट्रेड डील की गई है। डिप्लोमेसी मतलब राष्ट्र प्रथम, डेवलपमेंट यानी विकसित भारत की दिशा में भारतीय कदम बढ़ाने लिए ट्रेड डील बड़ा आधार है। भारतीय कृषि और किसान की सारी चिंताओं का समाधान इस ट्रेड डील में किया गया है। यह डील हमारे कृषि उत्पादों को नए अवसर प्रदान करती है।

उन्होंने कहा कि भारतीय कृषि और किसान को सर्वोपरि रखा गया है। यूपीए की सरकार में भारतीय कृषि अर्थव्यवस्था 11वें स्थान पर थी और अब हम तीसरे स्थान पर पहुंचने की ओर तेजी से अग्रसर हैं। हमारे वो सारे कृषि उत्पाद, जो

हमारे किसानों की मूल ताकत है, उन सबको इस समझौते से बाहर रखा गया है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच हुई ट्रेड डील अपने आप में ऐतिहासिक और अभूतपूर्व है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था को नई ऊँचाइयाँ और गति देने वाली है। यह समझौता केवल व्यापारिक समझौता नहीं है, बल्कि भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह ट्रेड डील डिप्लोमेसी, डेवलपमेंट और डिग्निटी का एक उत्तम उदाहरण है। यह ट्रेड डील हमारे किसानों को न केवल पूरी तरह से सुरक्षित रखती है, बल्कि हमारे कृषि उत्पादों को नए अवसर प्रदान करती है।

चौहान ने कहा कि अगर कृषि और कृषि उत्पादों को देखें, तो भारतीय किसानों को नुकसान हो, ऐसा कोई भी उत्पाद सम्मिलित नहीं किया गया है। सभी ऐसी वस्तुओं को समझौते के बाहर रखा गया है। सोयाबीन, मक्का, चावल, गेहूँ, चीनी, मोटे अनाज, पोल्ट्री, डेयरी, केला, स्ट्रॉबेरी, चेरी, खट्टे फल, हरी मटर, काबुली चना, मूंग, तिलहन, इथेनॉल, तंबाकू जैसे उत्पादों पर कोई टैरिफ में छूट नहीं दी गई है। सबसे ज्यादा चिंता इसी बात की थी कि हमारे प्रमुख अनाज सुरक्षित रहने चाहिए, वो सब के सब सुरक्षित रखे गए हैं। प्रमुख अनाज, प्रमुख फल, हमारे डेयरी उत्पाद उनके लिए कोई द्वार अमेरिका के लिए नहीं खोला गया है।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि भारतीय किसानों के कई कृषि उत्पादों को अमेरिका में शून्य शुल्क पर निर्यात किया जाएगा, लेकिन अमेरिकी किसानों के कृषि उत्पादों को भारतीय बाजार में यह छूट नहीं दी गई है। भारत के कृषि और डेयरी के हित पूरी तरह से सुरक्षित हैं। कृषि क्षेत्र में कई उत्पादों पर जो टैरिफ था, उसे अमेरिका ने 50 परसेंट से घटाकर शून्य किया है। इनमें मसाले प्रमुख हैं, हमारे मसालों का बड़ी मात्रा में निर्यात होता है। इसके अलावा चाय, कॉफी, नारियल, नारियल का तेल, सुपारी, काजू, वनस्पति मोम, एवोकाडो, केला, अमरूद, आम, कीवी, पपीता, अनानास, मशरूम तथा जौ जैसे कुछ अनाज भी इसमें सम्मिलित हैं।

उन्होंने कहा कि डब्बा बंद सब्जियां भी भारत नहीं आएंगे। वर्ष 2024-25 में 4.45 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने के साथ भारत ने वैश्विक निर्यातक के रूप में अपनी मजबूत स्थिति बनाए रखी है और हमारे मसाला निर्यात में 88 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अब हमारे मसालों को भी नया बाजार मिलेगा।

गौरव गोगोई का मामला गृह मंत्रालय भेजेगी असम सरकार

एजेंसी, गुवाहाटी

असम सरकार कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के पाकिस्तान कनेक्शन मामले को केंद्रीय गृह मंत्रालय भेजेगी। असम कैबिनेट ने शनिवार को यह फैसला लिया। जिसके बारे में रविवार को मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी दी। असम सरकार कांग्रेस सांसद गौरव की पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न का OCI/वीजा रद्द करने की मांग भी करेगी क्योंकि उनकी मौजूदगी भारत के लिए नुकसानदायक है। असम CM का आरोप है कांग्रेस सांसद गौरव और उनकी पत्नी एलिजाबेथ, पाकिस्तानी एजेंट अली तौकीर शेख के बहुत करीब हैं। एक पाकिस्तानी फर्म ने गौरव की पत्नी को नौकरी दी, फिर उन्हें भारत ट्रांसफर कर दिया। एलिजाबेथ भारत से जुड़ी कई जानकारियां इकट्ठा करती थीं और पाकिस्तानी नागरिक अली शेख को रिपोर्ट देती थीं। अली तौकीर शेख एलिजाबेथ को इस काम के लिए सैलरी देता था।

हिमंता ने यह भी दावा किया कि अली तौकीर 2010 से 2013 के

बीच 13 बार भारत आया था। उसका मकसद दुनिया में भारत विरोधी नैरेटिव तैयार करना था। असम CM की प्रेस कॉन्फ्रेंस पर गौरव गोगोई ने कहा कि हिमंता बिस्वा सरमा ने मीडिया के सामने मंच पर खुद को शर्मिंदा किया। असम में कोई उनकी बातों को गंभीरता से नहीं लेता। असम कांग्रेस अध्यक्ष ने सवाल उठाया कि हिमंता परिवार ने कथित तौर पर पूरे असम में 4,000 एकड़ जमीन कैसे हासिल की। उन्होंने कहा कि राज्य में भविष्य की कांग्रेस सरकार ऐसी जमीनों को गरीबों में बांट देगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में हिमंता ने बताया कि हमने मौजूदा सांसद गौरव गोगोई से पाकिस्तान कनेक्शन के बारे में पूछताछ नहीं की है। हमने उनके पद की गरिमा का सम्मान करते हुए यह मामला केंद्र पर छोड़ दिया है।

छत्तीसगढ़ के बस्तर पंडुम उत्सव के समापन समारोह में शामिल होंगे अमित शाह

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में आयोजित 'बस्तर पंडुम उत्सव 2026' के समापन समारोह में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होंगे। इसको लेकर जिला प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। अमित शाह के आगमन को देखते हुए यहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गये हैं। अमित शाह अपने दौरे के आखिरी दिन यानी 9 फरवरी 2026 को जगदलपुर (बस्तर) जाएंगे। यहां वे 'बस्तर पंडुम उत्सव' के समापन समारोह में शिरकत करेंगे। यह उत्सव बस्तर की समृद्ध आदिवासी संस्कृति और वहां लौट रही शांति का प्रतीक माना जा रहा है। 'बस्तर पंडुम उत्सव' के समापन समारोह को लेकर जिले में उत्साह का माहौल है, वहीं गृहमंत्री के दौरे को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड पर है।

समान नागरिक संहिता का विचार अच्छा है : डॉ. मोहन भागवत

एजेंसी, मुंबई

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने रविवार को मुंबई में कहा कि समान नागरिक संहिता का विचार अच्छा है। विविधता में भी हमारा कोई विरोध नहीं है। यदि समानता से देश की एकता मजबूत होती है तो हमारा उसे समर्थन है। उन्होंने यह भी कहा कि स्वातंत्र्यवीर विनायक दामोदर सावरकर को भारत रत्न मिला तो उस सम्मान का सम्मान ही बढ़ेगा।

संघ प्रमुख डॉ. भागवत आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मुंबई में आयोजित "नए क्षितिज" कार्यक्रम के दूसरे दिन के दूसरे सत्र को संबोधित कर रहे थे। संघ प्रमुख ने अपने संबोधन में कहा कि समान नागरिक संहिता का विचार अच्छा है। विविधता में भी हमारा कोई विरोध नहीं है। यदि समानता से देश की एकता मजबूत होती है तो हमारा उसे समर्थन है। उसके लिए संघर्ष की स्थिति पैदा न हो।

उत्तराखंड राज्य ने समान नागरिक संहिता के संबंध में पहले प्रस्ताव किया, फिर लोगों के सुझाव मांगे, तीन लाख सुझाव आए। उसके बाद उन्होंने कानून बनाया। कानून बन जाना पर्याप्त नहीं है। कानून का पालन होना चाहिए। इस सबके बावजूद हम विविधता में एकता के पक्षधर हैं। हम एक समाज है, हमें अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक मानकर विचार नहीं करना चाहिए। अलग-अलग होने पर हम सब अल्पसंख्यक ही हैं।

संघ प्रमुख डॉ. भागवत ने कहा कि बुद्ध ने अपने धर्म को भी सनातन धर्म ही कहा है। हिन्दू अपने आप में कोई धर्म नहीं है। सनातन धर्म की दो शाखाएँ-वैदिक धर्म और बौद्ध धर्म हैं। आज जो इस्लाम का स्वरूप दिख रहा है, वह मोहम्मद साहब का इस्लाम नहीं है। आज जो ईसाइयत है, वह ईसा मसीह की ईसाइयत नहीं है। आज का इस्लाम और ईसाइयत उनकी आध्यात्मिक अवधारणा को छोडक़र राजनीतिक वर्चस्व के रास्ते पर चल निकले हैं। वे सच्चे इस्लाम और सच्ची ईसाइयत की ओर लौटें, इसकी आवश्यकता है। हिंदू को सबको अपनेपन और शांति की बात करनी है। हिंदू के बारे में बस इतना हो जाए कि इनका कोई बाल-बाँका नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि आज के दौर में कोई एकाकी नहीं रह सकता, अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर डील करनी ही पड़ती है। उसमें कुछ लेना पड़ता है तो कुछ छोडऩा भी पड़ता है। अपने हित में क्या है, इसका ध्यान रखना ही चाहिए। हमें विश्वास है कि वर्तमान समय में उसका ध्यान रखा ही गया होगा। पिछले 10 वर्षों का जो एडमिनिस्ट्रेशन है, वह अड़नेवाला और तन कर खड़ा रहने वाला है। ज्ञान तो सारी दुनिया से आना चाहिए, परंतु जो लेना है, परिक्षण करके लेना चाहिए। बिना अपने देश की आकांक्षा, परंपरा और किसानों के हित को जाने, नया है इसलिए बराबर स्वीकार कर लेना ठीक नहीं। इसलिए हमारा संवेदनशील होना ठीक है। उन्होंने कहा कि भाजपा के सत्ता में आने से हमारे अच्छे दिन शुरू हुए, ऐसा नहीं है। बल्कि उसका उल्टा है। हम राम मंदिर के पक्ष में खड़े हुए, जो राजनीतिक पक्ष उस पक्ष में खड़े हुए, उसको लाभ हुआ। बाकी दलों के लोग साथ नहीं आए। आपातकाल, गुरूजी जन्मशती, राम मंदिर आंदोलन का आदि के माध्यम से आप सभी के सहयोग और स्वयंसेवकों के पुरूषार्थ से ही हमारे अच्छे दिन आए हैं। उसका लाभ हमारा समर्थन करने वालों को मिला है।

◆ कहा-स्वातंत्र्यवीर सावरकर को भारत रत्न मिला तो उस सम्मान का सम्मान ही बढ़ेगा

डिजिटल युग में अफवाहें-पेड प्रमोशन और डर आधारित मार्केटिंग स्ट्रेटेजी?लोकतंत्र, जनस्वास्थ्य और वैश्विक स्थिरता के लिए बढ़ता खतरा-फेक न्यूज एक्ट 2026 बनाने की तात्कालिक आवश्यकता

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

» डिजिटल युग में मिसिंग पर्सन्स की अफवाहें- भय,तथ्य, कानून और लोकतंत्र पर मंडराता संकट
» भारत सहित पूरे विश्व में अफवाहों और फेक न्यूज का संकट भी तेजी से बढ़ाना एक चुनौती- समाज, लोकतंत्र और मानव जीवन को गंभीर नुकसान -फेक न्यूज एक्ट 2026 बनाना जरूरी -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर इक्कीसवीं सदी का डिजिटल युग सूचनाओं की अभूतपूर्व शक्ति लेकर आया है।इंटरनेट सोशल मीडिया और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स ने याँ को जोड़ दिया है,लेकिन इसी के साथअफवाहों और फेक न्यूज का संकट भी तेजी से बढ़ा है। आज भारत ही नहीं, बल्कि पूराविश्व इस चुनौती से जूझ रहा है कि किस प्रकार झूठी,भ्रामक और जानबूझकर फैलाई गई सूचनाएँ समाज, लोकतंत्र और मानव जीवन को गंभीर नुकसान पहुँचा रही हैं।यह स्थिति अब केवल सामाजिक यानैतिक चिंता का विषय नहीं रही,बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा, जनस्वास्थ्य तथा चुनावी प्रक्रिया की शुचिता से जुड़ा गंभीर मुद्दा बन चुकी है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि अफवाहों का सबसे खतरनाक पहलू यह है कि वे अक्सर सच का रूप धारण कर लेती हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर वायरल होने वाली सामग्री भावनाओं को भड़काने,डर फैलाने और पूर्वाग्रह को मजबूत करने का काम करती है।भारत जैसे विविधता-पूर्ण देश में, जहाँ भाषा, धर्म, जाति और राजनीतिक मतभेद पहले से मौजूद हैं,अफवाहें सामाजिक ताने-बाने को कमजोर कर देती हैं। वैश्विक स्तर पर भी,अफवाहों ने नस्लीय तनाव,युद्ध जैसी स्थितियों और कूटनीतिकसंबंधों को प्रभावित किया है।फेक न्यूज़ का सबसे पहला और सबसे गहरा प्रभाव सामाजिक सौहार्द पर पड़ता है। सांप्रदायिक अफवाहें, भ्रामक वीडियो, एडिटेड तस्वीरें और संदर्भ से काटे गए बयान अक्सर हिंसा, दंगों और सामाजिकतनाव को जन्म देते हैं।भारत में बीते वर्षों में कई घटनाएं सामने आई हैं जहां व्हाट्सएप्प संदेशों या सोशल मीडिया पोस्ट के कारण भीड़ हिंसा,लिंचिंग और सांप्रदायिक टकराव हुए। यह दर्शाता है कि अफवाहें केवल सूचना की समस्या नहीं हैं, बल्कि सामाजिक सुरक्षा का संकट बन चुकी हैं।इसलिए अब यह स्पष्ट होता जा रहा है कि अफवाहों से निपटने के लिए केवल सामान्य कानून या प्लेटफॉर्म की स्वैच्छिक नीतियाँ पर्याप्त नहीं हैं। कुछ समय पूर्व मुंबई में मिसिंग पपर्सन्स का मामला जोरशोर से उठ रहा था, मुंबई पुलिस द्वारा जारी चेतावनियों के बाद यह स्पष्ट हुआ कि मिसिंग पर्सन्स की संख्या पिछले वर्षों के औसत के अनुरूप ही थी,यानें अफवाहों पर कानूनी सख्ती की चेतावनी आई,मामला वहीं शांत हो गया।अब दिल्ली में मिसिंग पर्सन्स को लेकर फैली चर्चाओं ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या वास्तव में कोई असाधारण संकट है,या फिर यह डिजिटल अफवाहों द्वारा निर्मित सामाजिक भय है।दिल्ली में एक बड़ी न्यूज़ एजेंसी द्वारा यह दावा किया गया कि 2026 के पहले 15 दिनों में दिल्ली में 800 से अधिक लोग लापता हो गए। यह संख्या सुनने में भयावह लगती है,लेकिन इसमें यह नहीं बताया गया कि कितने मामले पारिवारिक विवाद, स्वेच्छा से, एग्जाम का डर, युवकों की नासमझी, लव अफेयर्स से घर छोड़ने या फ़िर गलत रिपोर्टिंग से जुड़े हैं।सोशल मीडिया पर वीडियो, ऑडियो क्लिप और भावनात्मक पोस्ट वायरल हों रहें हैं। एक बड़े नेता द्वारा एक्स (पूर्व ट्विटर) पर चिंता व्यक्त किए जाने के बाद यह मुद्दा और अधिक चर्चा में आ गया।हालाँकि, जब आँकड़ों का विश्लेषण किया गया तो सामने आया कि दिल्ली में मिसिंग पर्सन्स की रिकवरी दर लगभग 77 प्रतिशत है। अर्थात, लापता घोषित किए गए लोगों में से एक बहुत बड़ा हिस्सा सुरक्षित रूप से वापस मिल जाता है।यह दर कई अंतरराष्ट्रीय महानगरों की तुलना में बेहतर मानी जाती है।मीडिया के हवाले से सुनने को मिला है कि दिल्ली पुलिस ने बताया कि हाल के अलग-अलग महीनों में मिसिंग पर्सन्स की जो संख्या बताई जा रही

है वैसी ही संख्या पिछले वर्षों की औसत अवधि से भिन्न नहीं है तथा दिल्ली पुलिस के एक बड़े अधिकारी का बयान मैंने सुना उन्होंने कहा कि अफवाओं पर ध्यान ना दें लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं पर अफवाहों का प्रभाव अत्यंत चिंताजनक है। चुनावों के दौरान फेक न्यूज मतदाताओं की सोच को प्रभावित करती है, उम्मीदवारों की छवि बिगाड़ती है और चुनावी निष्पक्षता पर सवाल खड़े करती है। भारत में हाल के वर्षों में चुनावी समय पर सोशल मीडिया के माध्यम से फैलाई गई भ्रामक जानकारियाँ इसका उदाहरण हैं।कई देशों में चुनावों में विदेशी हस्तक्षेप और संगठित फेक न्यूज अभियानों की पुष्टि हुई है। यदि लोकतंत्र को सुरक्षित रखना है, तो अफवाहों को केवल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर अनदेखा नहीं किया जा सकता। साथियों बात अगर हम जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में अफवाहों का प्रभाव और भी घातक सिद्ध हुआ है इसको समझने की करें तो कोविड-19 महामारी के दौरान दुनियाँ ने देखा कि कैसे झूठी सूचनाओं ने वैक्सीन को लेकर डर पैदा किया, इलाज के नाम पर खतरनाक घरेलू नुस्खों को बढ़ावा दिया और स्वास्थ्य प्रणालियों पर अविश्वास फैलाया।भारत सहित कई देशों में अफवाहों के कारण लोगों ने समय पर इलाज नहीं कराया, जिससे जानमाल की क्षति हुई। यह स्पष्ट है कि जब अफवाहें जीवन और मृत्यु का प्रश्न बन जाएँ, तब उन्हें रोकना केवल नैतिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि कानूनी आवश्यकता बन जाती है।भारत में डिजिटल प्लेटफॉर्मों की भूमिका इस पूरे परिदृश्य में अत्यंत महत्वपूर्ण है।व्हाट्सएप्प फेसबुक, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अफवाहों के सबसे बड़े वाहक बन चुके हैं।एंड-टू-एंडएन्क्रिप्शन अनियंत्रित फॉरवर्डिंग और एल्गोरिदम आधारित कंटेंट प्रमोशन ने झूठी खबरों को पलक झपकते ही लाखों लोगों तक पहुँचा दिया है। वर्तमान भारतीय कानून, जैसे आईटी एक्ट या आईपीसी की कुछ धाराएँ, इस समस्या से निपटने के लिए अपर्याप्त साबित हो रही हैं। ये कानून अफवाहों की गति, पैमाने और जटिलता को ध्यान में रखकर नहीं बिलकुल बनाए गए थे। साथियों बात अगर हम पेड प्रमोशन और डर कीमार्केटिंग इस एंगल से समस्या को समझने की करें तोअफवाहों के पीछे केवल अज्ञानता ही नहीं, बल्कि व्यावसायिक हित भी संभवतः काम कर रहे हैं।आज कई इन्फ्लुएंसर्स, पेज और चैनल जानबूझकर डरावनी सामग्री फैलाते हैं क्योंकिःइससे व्यूज बढ़ते हैं,एंगेजमेंट मिलता है पेड प्रमोशन और ब्रांड डील्स आती हैं,यह एक प्रकार की डर आधारित मार्केटिंग स्ट्रेटेजी है,जिसमें समाज की असुरक्षा को उत्पाद की तरह बेचा जाता है।कानून की सीमाएँ: क्या मौजूदा प्रावधान पर्याप्त हैं?भारत में आईटी एक्ट, भारतीय न्याय संहिता और अन्य कानूनों में अफवाहों से निपटने के कुछ प्रावधान मौजूद हैं, लेकिन वेःविशिष्ट नहीं हैं। साथियों बात अगर हम इसी संदर्भ में,एक विशिष्ट और सख्त कानून लाने की आवश्यकता की करें तो, फेक न्यूज एक्ट की आवश्यकता महसूस की जा रही है,जो अफवाहों को स्पष्ट रूप से अपराध की श्रेणी में रखे। ऐसा कानून न केवल जानबूझकर झूठी सूचना फैलाने वालों के लिए दंडात्मक प्रावधान तय करे, बल्कि यह भी परिभाषित करे कि अफवाह, फेक न्यूज और भ्रामक सूचना क्या है।अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक समान ढाँचे की दिशा में प्रयास आवश्यक हैं, ताकि डिजिटल प्लेटफॉर्म की वैश्विक प्रकृति को ध्यान में रखते हुए देशों के बीच सहयोग संभव हो सके।हालाँकि, केवल कानून बना देना ही पर्याप्त नहीं होगा। यदि नागरिक स्वयं सही और गलत जानकारी की पहचान करने में सक्षम नहीं होंगे, तो अफवाहें किसी न किसी रूप में फैलती रहेंगी। इसलिए व्यापक स्तर पर डिजिटल साक्षरता और मीडिया साक्षरता अभियानों की आवश्यकता है। स्कूलों, कॉलेजों और सामुदायिक स्तर पर लोगों को यह सिखाना जरूरी है कि किसी खबर की सत्यता कैसे जाँची जाए,स्रोत की विश्वसनीयता कैसे परखी जाए और भावनात्मक अपील से सावधान कैसे रहा जाए।जागरूक नागरिक ही अफवाहों के खिलाफ सबसे मजबूत ढाल बन सकते हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म कंपनियों की जिम्मेदारी भी इस पूरे तंत्र में केंद्रीय है। अब यह मान लेना गलत होगा कि ये कंपनियाँ केवल मध्यस्थ हैं। इनके एल्गोरिदम यह तय करते हैं कि कौन-सा कंटेंट ज्यादा लोगों तक पहुँचेगा। इसलिए इन्हें कानूनी रूप से बाध्य किया जाना चाहिए कि वे कंटेंट मॉडरेशन को मजबूत करें, फॉरवर्ड की संख्या पर सख्त सीमाएँ लगाएँ और संदिग्ध सामग्री पर त्वरित कार्रवाई करें। भारत में व्हाट्सएप्प द्वारा फॉरवर्ड लिमिट जैसी पहलें हुई हैं, लेकिन इन्हें स्वैच्छिक प्रयासों से आगे बढ़ाकर कानूनी दायित्व बनाना आवश्यक है। साथियों बात कर हम फेक न्यूज़ मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय स्तरपर समझने की करें, इस समस्या का समाधान सामूहिक प्रयास से ही संभव है। संयुक्त राष्ट्र, जी-20 और अन्य बहुपक्षीय मंचों पर फेक न्यूज और अफवाहों के खिलाफ साझा मानक तय किए जाने चाहिए। साइबर स्पेस की कोई भौगोलिक सीमा नहीं होती, इसलिए एक देश में फैली अफवाह दूसरे देश को भी प्रभावित कर सकती है। ऐसे में वैश्विक सहयोग,सूचना साझाकरण और संयुक्त नियामक ढाँचा समय की मांग है। अतःअगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि अफवाहें आज के समय में एक मौन लेकिन शक्तिशाली हथियार बन चुकी हैं, जो लोकतंत्र, जनस्वास्थ्य और सामाजिक सौहार्द को कमजोर कर रही हैं। भारत सहित पूरी दुनिया को यह स्वीकार करना होगा कि वर्तमान कानूनी और संस्थागत ढाँचे इस चुनौती के लिए अपर्याप्त हैं।एक सख्त, स्पष्ट और अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण वाला कानून, मजबूत डिजिटल प्लेटफॉर्म नियमन और व्यापक जन-जागरूकता अभियान इन तीनों के समन्वय से ही अफवाहों पर प्रभावी नियंत्रण संभव है।यदि आज निर्णायक कदम नहीं उठाए गए, तो सूचना की आज़ादी का यह युग समाज के लिए सबसे बड़ा संकट बन सकता है।

-संकलनकर्ता लेखक-कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र
9226229318

वर्तमान में सबसे चर्चित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को विभिन्न राजनीतिक दल अलग-अलग दृष्टिकोण

सुनील नेगी

मुख्य विपक्षी दल और भारतीय राष्ट्रीय समावेशी लोकतांत्रिक गठबंधन के घटक दल इसकी कड़ी आलोचना कर रहे हैं और इसे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव के आगे स्पष्ट आत्मसमर्पण बता रहे हैं। ट्रंप कई मौकों पर भारत और उसके नेतृत्व को धमकाते रहे हैं, खासकर तब से जब भारत ने रूस से कच्चा तेल खरीदना जारी रखा और कूटनीतिक रूप से रूस और चीन का साथ दिया, जो पारंपरिक रूप से अमेरिका के विरोधी रहे हैं। कभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पुराने मित्र रहे और इसके विपरीत, डोनाल्ड ट्रंप, जिन्होंने अमेरिका में भारतीय मूल के मतदाताओं से अच्छा समर्थन प्राप्त करके मोदी के चुनाव के दौरान उनके समर्थन को स्वीकार किया था, प्रधानमंत्री की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बैठकों, यूक्रेन युद्ध को कम करने के प्रयासों और अंततः रूस से सस्ते दामों पर कच्चा तेल खरीदने के बाद भारतीय नेतृत्व के खिलाफ हो गए। इसके बाद भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा अपनाए गए कठोर रुख और चीन और रूस के साथ खुले तौर पर किए गए उनके व्यवहार – जिसमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के फोन कॉल का जवाब न देना भी शामिल है – ने अंततः ट्रम्प को भारत के प्रति नरम रुख अपनाने और टैरिफ को पहले 50% से घटाकर 25% और अब 18% करने के लिए विवश कर दिया। हालांकि, भारत ने अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं, खाद्य और कृषि उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला, जिनमें सूखे अनाज, मेवे, ताजे और प्रसंस्कृत फल, सोयाबीन तेल, शराब और स्पिरिट और अन्य उत्पाद शामिल हैं, पर एक प्रतिशत भी टैरिफ न लगाने या टैरिफ में उल्लेखनीय कमी करने पर पूरी तरह से सहमति व्यक्त की। जहां सत्ताधारी दल भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के कार्यान्वयन को ऐतिहासिक बताते हुए गर्व से अपनी पीठ थपथपा रहा है, वहीं विपक्षी दल, विशेष रूप से कांग्रेस और वामपंथी दल, प्रधानमंत्री पर साम्राज्यवादी अमेरिका के सामने पूरी तरह से आत्मसमर्पण करने और भारतीय किसानों की पहले से ही टूटी हुई कमर को तोड़ने का आरोप लगा रहे हैं।किसान नेता और ग्राम स्वराज कार्यकर्ता डॉ. देवेंद्र यादव ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका को दी गई यह रियायत भारत के अधिकांश कृषि उत्पादों और कृषि बाजार पर अमेरिका का एकाधिकार स्थापित करने के समान होगी, जिससे किसानों के हितों को नुकसान पहुंचेगा, जिन्हें हमारी रीढ़ की हड्डी माना जाता है। किसान नेता और ग्राम स्वराज कार्यकर्ता डॉ. योगेंद्र यादव ने कहा कि अमेरिका को दी गई यह रियायत भारत के अधिकांश कृषि उत्पादों और कृषि बाजार पर अमेरिका का एकाधिकार स्थापित करने के समान है, जिससे किसानों के हितों को नुकसान पहुंचेगा, जिन्हें हमारी रीढ़ की हड्डी माना जाता है। विपक्षी नेताओं ने पूछा कि डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल में अमेरिका को निर्यात किए जाने वाले भारतीय उत्पादों पर अमेरिकी टैरिफ मात्र 3% क्यों था और अब मित्र डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा इसे 25% से बढ़ाकर 18% क्यों कर दिया गया है? भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के मसौदे के अनुसार, संयुक्त राज्य अमेरिका (संयुक्त राज्य अमेरिका) और भारत पारस्परिक और पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार के संबंध में एक अंतरिम समझौते (अंतरिम समझौता) के ढांचे पर सहमत होने की घोषणा करते हुए प्रसन्न हैं। भारत-अमेरिका व्यापार ढांचा 13 फरवरी, 2025 को राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रम्प और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई व्यापक अमेरिका-भारत द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) वार्ता के प्रति दोनों देशों की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है, जिसमें अतिरिक्त बाजार पहुंच प्रतिबद्धताएं शामिल होंगी और अधिक लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं का समर्थन किया जाएगा। अमेरिका और भारत के बीच अंतरिम समझौता हमारे देशों की साझेदारी में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा, जो पारस्परिक हितों पर आधारित संतुलित व्यापार के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यहाँ ध्यान देने योग्य बात यह है कि भारत ने खुले तौर पर सभी अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं और अमेरिकी खाद्य एवं कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर टैरिफ को समाप्त करने या कम करने पर सहमति व्यक्त की है, जिसमें सूखे अनाज (डीडीजी), पशु आहार के लिए लाल ज्वार, मेवे, ताजे और प्रसंस्कृत फल, सोयाबीन तेल, शराब और स्पिरिट आदि शामिल हैं। विपक्षी नेताओं का कहना है कि यह पूर्ण आत्मसमर्पण के समान है। हालांकि, संयुक्त राज्य अमेरिका 2 अप्रैल, 2025 के कार्यकारी आदेश 14257 (बड़े और लगातार वार्षिक अमेरिकी माल व्यापार घाटे में योगदान देने वाली व्यापार प्रथाओं को सुधारने के लिए पारस्परिक टैरिफ के साथ आयात को विनियमित करना), संशोधित रूप में, भारत में निर्मित वस्तुओं पर 18 प्रतिशत की पारस्परिक टैरिफ दर लागू करेगा, जिसमें वस्त्र और परिधान, चमड़ा और जूते, प्लास्टिक और रबर, जैविक रसायन, घरेलू सजावट, हस्तशिल्प उत्पाद और कुछ मशीनरी शामिल हैं, और अंतरिम समझौते के सफल समापन के अधीन, 5 सितंबर, 2025 के कार्यकारी आदेश 14346 (पारस्परिक टैरिफ के दायरे को संशोधित करना और व्यापार और सुरक्षा समझौतों को लागू करने के लिए प्रक्रियाओं की स्थापना करना), संशोधित रूप में, सरेखित भागीदारों के लिए संभावित टैरिफ समायोजन अनुलग्नक में पहचानी गई वस्तुओं की एक विस्तृत श्रृंखला पर पारस्परिक टैरिफ हटा देगा, जिसमें जेनेरिक फार्मास्यूटिकल्स, रत्न और हीरे और विमान के पुर्जे शामिल हैं। इस प्रारूप में कुछ रियायतों का आश्वासन दिया गया है, हालांकि इसमें यह उल्लेख किया गया है कि संयुक्त राज्य अमेरिका भारत के कुछ विमानों और विमान पुर्जों पर लगाए गए टैरिफ को भी हटा देगा, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरों को दूर करने के लिए 8 मार्च, 2018 के उद्घोषणा 9704 (संयुक्त राज्य अमेरिका में एल्यूमीनियम के आयात को समायोजित करना), संशोधित रूप में; 8 मार्च, 2018 के उद्घोषणा 9705 (संयुक्त राज्य अमेरिका में इस्पात के आयात को समायोजित करना), संशोधित रूप में; और 30 जुलाई, 2025 के उद्घोषणा 10962 (संयुक्त राज्य अमेरिका में तांबे के आयात को समायोजित करना) में पाए गए हैं। इसी प्रकार, अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा आवश्यकताओं के अनुरूप, भारत को ऑटोमोबाइल पार्ट्स के लिए अधिमान्य टैरिफ दर कोटा प्राप्त होगा, जो 17 मई, 2019 के उद्घोषणा 9888 (संयुक्त राज्य अमेरिका में ऑटोमोबाइल और ऑटोमोबाइल पार्ट्स के आयात को समायोजित करना) में उल्लिखित राष्ट्रीय सुरक्षा के खतरों को समाप्त करने के लिए लगाए गए टैरिफ के अधीन होगा, जैसा कि संशोधित किया गया है। फार्मास्यूटिकल्स और फार्मास्युटिकल अवयवों की अमेरिकी धारा 232 जांच के निष्कर्षों के आधार पर, भारत को जेनेरिक फार्मास्यूटिकल्स और अवयवों के संबंध में वार्ता के माध्यम से समाधान प्राप्त होंगे। संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत एक दूसरे को अपने-अपने हित के क्षेत्रों में निरंतर आधार पर अधिमान्य बाजार पहुंच प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एनडीए सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए और इस व्यापार समझौते के खिलाफ बोलते हुए, भारत के घटक दलों के सांसदों ने शुक्रवार को संसद में एक विशाल बैनर के साथ विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते को "जाल का सौदा" बताया गया था। समझौते का विरोध कर रहे सांसदों ने कहा कि उन्हें इस समझौते के बारे में न तो विश्वास में लिया गया और न ही इसे अंतिम रूप दिए जाने से पहले इसकी जानकारी दी गई। वे एनडीए सरकार, समझौते और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारे लगा रहे थे। इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे और भारत-अमेरिका समझौते के कड़े आलोचक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खर्गे ने अमेरिकी राष्ट्रपति पर एपस्टीन फाइलों में सामने आए दस्तावेजों और नामों के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर इस समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए दबाव डालने का आरोप लगाया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खर्गे ने कहा, "सच तो यह है कि पिछले कुछ दिनों से नरेंद्र मोदी परेशान थे क्योंकि उनसे जुड़े मामले एपस्टीन फाइलों में सामने आए थे। इसी वजह से उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति के सामने आत्मसमर्पण कर दिया और एक ऐसा व्यापार समझौता कर लिया जिसने भारत भर में हमारे किसानों और कृषि समुदाय के हितों की पूरी तरह से बलि चढ़ा दी।" एनडीए सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए और इस व्यापार समझौते के खिलाफ बोलते हुए, भारत के घटक दलों के सांसदों ने शुक्रवार को संसद में एक विशाल बैनर के साथ विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते को "जाल का सौदा" बताया गया था। समझौते का विरोध कर रहे सांसदों ने कहा कि उन्हें इस समझौते के बारे में न तो विश्वास में लिया गया और न ही इसे अंतिम रूप दिए जाने से पहले इसकी जानकारी दी गई। वे एनडीए सरकार, समझौते और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारे लगा रहे थे। इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे और भारत-अमेरिका समझौते के कड़े आलोचक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खर्गे ने अमेरिकी राष्ट्रपति पर एपस्टीन फाइलों में सामने आए दस्तावेजों और नामों के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर इस समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए दबाव डालने का आरोप लगाया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खर्गे ने कहा, "सच तो यह है कि पिछले कुछ दिनों से नरेंद्र मोदी परेशान थे क्योंकि उनसे जुड़े मामले एपस्टीन फाइलों में सामने आए थे। इसी वजह से उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति के सामने आत्मसमर्पण कर दिया और एक ऐसा व्यापार समझौता कर लिया जिसने अखिल भारतीय स्तर पर हमारे किसानों और कृषि समुदाय के हितों की पूरी तरह से बलि चढ़ा दी।" लोकसभा की कार्यवाही सोमवार सुबह तक स्थगित होते ही और प्रधानमंत्री द्वारा विपक्ष पर तीखे हमले के बाद, पूरा विपक्ष मकर द्वार पर इकट्ठा हो गया और "तनशाही नहीं चलेगी", "नरेंद्र मोदी ने समर्पण किया", "लोकतंत्र की हत्या बंद करो" आदि के नारे लगाए। प्रियंका गांधी और बजट सत्र तक निलंबित सभी सांसदों ने संसद परिसर में भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में भाग लिया और इसे "जाल का सौदा" करार दिया।

स्किल लीडर्स कॉन्क्लेव-2026 का भव्य आयोजन

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय,विकसित भारत की मानव पूंजी गाथा कौशल चेतना का महापुंज साबित होगा

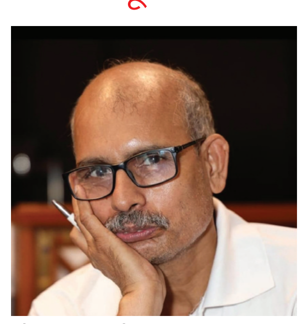

विनोद कुमार सिंह, स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार

भारत केवल भूगोल का भू-खंड मात्र नहीं, बल्कि सतत परिवर्तनशील चेतना है।सभ्यता की इस भूमि ने ऋषियों के आश्रमों से लेकर आधुनिक प्रयोगशालाओं तक ज्ञान की यात्रा तय की है।वर्तमान में विश्व चौथी औद्योगिक क्रांति, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल अर्थव्यवस्था के युग में प्रवेश कर चुका है। ऐसे में भारत के सामने सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि कितनी सड़कें, कितने पुल और कितनी फैक्ट्रियाँ बनेंगी,बल्कि यह है कि भारत के युवा कितने कुशल, कितने नवाचारी और कितने उद्यमशील होंगे।इस ज्वलंत प्रश्न के उत्तर की खोज करते हुए मुझे दिल्ली के ऐतिहासिक राजघाट स्थित गांधी सत्याग्रह सभागार में आयोजित स्किल लीडर्स कॉन्क्लेव एवं कौशल मेला-2026 का साक्षी बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।यह आयोजन भारत की मानव पूंजी नीति का वैचारिक घोषणा-पत्र बनकर कौशल चेतना के महासूर्य की महापुंज के रूप में दृष्टिगोचर हुआ। सर्वविदित है कि यह आयोजन ऐसे समय हुआ, जब भारत "विकसित भारत 2047" के संकल्प को सरकारी नीतियों, बजट और समाज के स्तर पर साकार करने के प्रयास में जुटा है। यह कार्यक्रम भारत के प्रथम राजकीय कौशल विश्वविद्यालय श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय, पलवल द्वारा दिल्ली कौशल एवं उद्यमिता विश्वविद्यालय तथा असम स्किल यूनिवर्सिटी के सहयोग से आयोजित किया गया था।इस महाकुंभ में देश के दस से अधिक कौशल विश्वविद्यालयों, दिल्ली के सौ से अधिक कॉलेजों और स्कूलों के विद्यार्थियों, उद्योग जगत के विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं की सहभागिता ने इसे राष्ट्रीय कौशल विमर्श का केंद्र बना दिया।इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल ने उद्घाटन सत्र में कहा कि कौशल और नवाचार ही भारत को विकसित राष्ट्र बनाएंगे। उनका यह वक्तव्य केवल भाषण नहीं था, बल्कि भारत के विकास दर्शन की पुनर्परिभाषा थी।उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कौशल विकास को राष्ट्रीय प्राथमिकता देने की सराहना करते हुए विद्यार्थियों को महात्मा गांधी के संघर्षशील जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। राजघाट के समीप गांधी सत्याग्रह सभागार में कौशल विमर्श का आयोजन प्रतीकात्मक रूप से भी अत्यंत अर्थपूर्ण था, क्योंकि गांधीजी का स्वदेशी,श्रम और आत्मनिर्भरता का विचार आज आधुनिक संदर्भ में कौशल-आधारित आत्मनिर्भर भारत के रूप में पुनर्जीवित हो रहा है।हरियाणा के पलवल में स्थापित श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय भारतीय उच्च शिक्षा व्यवस्था में एक मौन क्रांति का प्रतीक है। इसकी स्थापना केवल एक विश्वविद्यालय खोलने की प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं थी,बल्कि औपनिवेशिक अकादमिक मॉडल से हटकर उद्योग-समन्वित, रोजगार-उन्मुख और उद्यमिता- प्रेरित शिक्षा मॉडल की नींव रखने का ऐतिहासिक प्रयास था। जहाँ परंपरागत भारतीय विश्वविद्यालयों में शिक्षा कक्षा-कक्ष और परीक्षा-केंद्रित रही है, वहीं इस विश्वविद्यालय ने "लर्निंग बाय डूइंग" और "वर्क-इंटीग्रेटेड लर्निंग" की अवधारणा को संस्थागत रूप दिया। यहाँ विद्यार्थी केवल पुस्तकों में नहीं, बल्कि उद्योगों,फैक्ट्रियों, कार्यशालाओं और स्टार्टअप इकोसिस्टम में सीखते हैं।

वर्तमान में विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग, मैन्युफैक्चरिंग, ऑटोमोबाइल,इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी,हॉस्पिटैलिटी, कृषि,डिज़ाइन,डिजिटल मीडिया, लॉजिस्टिक्स और उद्यमिता सहित तीस से अधिक स्नातक, स्नातकोत्तर,डिप्लोमा और प्रमाणपत्र कार्यक्रम संचालित हैं। ये पाठ्यक्रम उद्योग की वास्तविक आवश्यकताओं से जुड़े हैं, जिससे विद्यार्थियों की रोजगार-योग्यता में गुणात्मक सुधार हुआ है। विश्वविद्यालय के आँकड़ों के अनुसार अब तक दस हजार से अधिक विद्यार्थी विभिन्न कौशल-आधारित कार्यक्रमों में नामांकित हो चुके हैं, जिनमें लगभग 35 से 40 प्रतिशत छात्र ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि से आते हैं।

कौशल विश्वविद्यालय की सफलता का सबसे बड़ा मापदंड उसका परिणाम होता है -विद्यार्थियों का रोजगार, उनकी आय और उनकी उद्यमशीलता। विश्वविद्यालय के करियर एवं प्रशिक्षण प्रकोष्ठ के अनुसार कौशल-आधारित स्नातकों का औसत प्लेसमेंट प्रतिशत 65 से 70 प्रतिशत के बीच रहा है, जबकि तकनीकी क्षेत्रों में यह 75 प्रतिशत से अधिक दर्ज किया गया है। औसत प्रारंभिक वेतन पैकेज तीन से छह लाख रुपये प्रतिवर्ष रहा है, जो कौशल-आधारित स्नातकों के लिए राष्ट्रीय औसत से बेहतर माना जाता है। उद्यमिता के क्षेत्र में भी विश्वविद्यालय ने उल्लेखनीय परिणाम दिए हैं।अब तक डेढ़ सौ से अधिक छात्र और पूर्व छात्र स्टार्टअप या स्वरोजगार उद्यम स्थापित कर चुके हैं। विश्वविद्यालय के इनक्यूबेशन केंद्र और उद्योग नेटवर्क से जुड़े इन उद्यमों ने स्थानीय और क्षेत्रीय स्तर पर हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार अवसर सृजित किए हैं। भारतीय शिक्षा व्यवस्था की सबसे बड़ी आलोचना यह रही है कि विश्वविद्यालयों से निकलने वाले स्नातक उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार नहीं होते।इस कौशल विश्वविद्यालय ने इस ऐतिहासिक खाई को पाटने का प्रयास किया है। सौ से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के साथ साझेदारी के माध्यम से विद्यार्थियों को औद्योगिक अप्रेंटिसशिप अवसर उपलब्ध कराए गए हैं,जो शिक्षा और रोजगार के बीच सेतु बनते हैं। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय केवल प्रशिक्षण संस्थान नहीं, बल्कि कौशल नवाचार केंद्र के रूप में भी विकसित हो रहा है। विश्वविद्यालय में बीस से अधिक कौशल नवाचार प्रयोगशालाएँ और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए गए हैं। फैकल्टी और छात्रों द्वारा तीन सौ से अधिक शोध एवं उद्योग समाधान परियोजनाएँ संचालित की गई हैं।पेटेंट,प्रोटोटाइप और उद्योग-समर्थित शोध में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है।भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी पारंपरिक कौशल परंपरा है - कारीगर,शिल्पकार, तकनीशियन,कृषि श्रमिक और हस्तशिल्प कलाकार।विश्वविद्यालय ने रिकॉग्निशन ऑफ प्रायर लर्निंग कार्यक्रम के तहत पाँच हजार से अधिक पारंपरिक कौशल धारकों को औपचारिक प्रमाणन प्रदान किया है, जिससे उनकी आय, सामाजिक स्थिति और रोजगार अवसरों में वृद्धि हुई है। हरियाणा मुख्यमंत्री के विशेष कर्तव्य अधिकारी डॉ. राज नेहरू ने जॉब मार्केट में हो रहे बदलाव और एआई के प्रभाव पर प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस,डेटा एनालिटिक्स, साइबर सुरक्षा,रोबोटिक्स और ग्रीन टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में दस से अधिक फ्यूचर-स्किल आधारित पाठ्यक्रम शुरू किए हैं और लक्ष्य रखा है कि 2030 तक कम से कम पचास प्रतिशत पाठ्यक्रमों को उभरती तकनीकों से जोड़ा जाए। दिल्ली कौशल एवं उद्यमिता विश्वविद्यालय, कौशल्या स्किल यूनिवर्सिटी,एनआईओएस और एनसीवीईटी के विशेषज्ञों ने कौशल शिक्षा को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के साथ समन्वित करने और उद्योग सहयोग बढ़ाने पर बल दिया। कुलगुरु प्रो. दिनेश कुमार का कथन कि वर्ष 2027 तक 44 प्रतिशत कौशल बदल जाएंगे, भारतीय शिक्षा नीति के लिए चेतावनी और अवसर दोनों है।सेमिनार के साथ आयोजित कौशल मेले में विद्यार्थियों ने तकनीकी नवाचार,सामाजिक समाधान मॉडल,डिज़ाइन प्रोटोटाइप और स्टार्टअप अवधारणाएँ प्रदर्शित कीं। लगभग दो सौ से अधिक छात्र परियोजनाएँ प्रदर्शित की गईं, जिन्हें विशेषज्ञों ने सराहा।

इंग्लैंड ने नेपाल को दिया 185 रनों का टारगेट, बेथल-ब्रूक ने लगाई फिफ्टी

नई दिल्ली। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 का आगाज 7 फरवरी से हो गया है, जिसमें पहले दिन तीन रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। वहीं 8 फरवरी को दिन का दूसरा मुकाबला जिसपर सभी की नजरें टिकी हुई हैं वह इंग्लैंड और नेपाल की टीम के बीच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मैच में इंग्लैंड टीम के कप्तान हैरी ब्रूक ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया है। इंग्लैंड टीम की इस मुकाबले में शुरुआत काफी खराब देखने को मिली है जिसमें दूसरे ओवर में ही उन्होंने अपना पहला विकेट के 5 के स्कोर पर फिल साल्ट के रूप में गंवा दिया तो वहीं इस मैच में जोस बटलर भी बल्ले से कोई कमाल नहीं दिखा सके और 26 रन बनाकर नंदन यादव की गेंद पर अपना विकेट गंवा बैठे।इंग्लैंड को इस मैच में तीसरा झटका टॉम बैंटन के रूप में लगा जो 2 रन बनाकर संदीप लामिछाने की गेंद पर स्टंप आउट हुए। वहीं जैकब बेथेल ने इस मैच में 28 बॉल पर अपना अर्धशतक पूरा किया तो वहीं इसके बाद वह 55 रन बनाकर अपना विकेट गंवा बैठे। इंग्लैंड टीम के कप्तान हैरी ब्रूक के बल्ले से इस मैच में 32 गेंदों में 53 रनों की पारी देखने को मिली।

दोनों टीमों के बीच पहली बार खेला जाएगा मुकाबला

टी20 इंटरनेशनल में अभी तक इंग्लैंड और नेपाल की टीम ने कभी भी एक-दूसरे के खिलाफ मुकाबला नहीं खेला है, ऐसे में दोनों टीमों के बीच में ये पहली भिड़ंत देखने को मिलेगी। इंग्लैंड की टीम ने अब तक दो बार टी20 वर्ल्ड कप की ट्रॉफी को अपने नाम किया है, जिसमें उन्होंने साल 2010 और उसके बाद साल 2022 में इसे जीता था। पिछले टी20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड की टीम ने सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था, जहां उन्हें भारतीय टीम के खिलाफ हुए मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था।

टी-20 विश्व कप

न्यूजीलैंड ने अफगानिस्तान को पांच विकेट से हराया

गुलबदिन नईब के अर्धशतक पर भारी पड़े सीफर्ट

चेन्नई, एजेंसी। सलामी बल्लेबाज टिम सीफर्ट के अर्धशतक की मदद से न्यूजीलैंड ने अफगानिस्तान को ग्रुप डी के मुकाबले में पांच विकेट से हराया। न्यूजीलैंड ने इस तरह टी20 विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की है। अफगानिस्तान ने गुलबदिन नईब के अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में छह विकेट पर 182 रन बनाए। न्यूजीलैंड ने 17.5 ओवर में पांच विकेट पर 183 रन बनाकर जीत दर्ज कर ली। न्यूजीलैंड के लिए इस मैच के हीरो सीफर्ट रहे।

सीफर्ट ने न्यूजीलैंड को संभाला

183 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत झटकों के साथ हुई। दूसरे ओवर में मुजीब उर रहमान ने लगातार दो विकेट लेकर कीवियों के बैकफुट पर ला दिया। फिन एलन एक और रचिन रवींद्र शून्य पर आउट हुए। हालांकि, इसके बाद मोर्चा टिम सीफर्ट और ग्लेन फिलिप्स ने संभाला। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 47 गेंदों में 74 रनों की साझेदारी हुई। फिलिप्स इस दौरान 25 गेंदों में 42 रन बनाकर पवेलियन लौटे। वहीं, सीफर्ट ने 42 गेंदों पर 65 रनों की दमदार पारी खेली जिसमें सात चौके और तीन छक्के शामिल हैं।

जीत की औपचारिकता को पूरा किया

न्यूजीलैंड को पांचवां झटका मार्क चापमैन के रूप में लगा जो 17 गेंदों पर 28 रन बनाकर आउट हुए। फिर डेरिल मिचेल और कप्तान मिचेल सैंटनर ने न्यूजीलैंड के लिए जीत की औपचारिकता को पूरा किया। मिचेल 14 गेंदों पर एक चौका और एक छक्के की मदद से 25 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि सैंटनर ने आठ गेंदों पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 17 रन की पारी खेली। अफगानिस्तान की ओर से मुजीब उर रहमान को दो विकेट मिले, जबकि अजमातुल्लाह ओमरजई, राशिद खान और मोहम्मद नबी को एक-एक सफलता मिली।

अफगानिस्तान ने पावरप्ले में गंवाए दो विकेट

अफगानिस्तान के लिए इब्राहिम जादरान और रहमानुल्लाह गुरबाज ने पारी की शुरुआत की। दोनें ने टीम को सधी शुरुआत दिलाई और पहले विकेट के लिए 35 रन जोड़े। हालांकि, पावरप्ले खत्म होने से पहले लॉकी फर्ग्यूसन ने न्यूजीलैंड को पहली सफलता दिलाई। फर्ग्यूसन ने इब्राहिम जादरान को आउट किया जो 12 गेंदों पर एक चौके की मदद से 10 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद फर्ग्यूसन ने इस ओवर की आखिरी गेंद पर गुरबाज को बोल्ड किया। गुरबाज ने 22 गेंदों पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से 27 रन बनाए। अफगानिस्तान के लिए इनके अलावा दारविश रसूली ने 13 गेंदों पर एक चौका और एक छक्के की मदद से 20 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, अजमातुल्लाह ओमरजई ने सात गेंदों पर दो छक्कों की मदद से 14 रन बनाए, जबकि मोहम्मद नबी 10 रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड की ओर से लॉकी फर्ग्यूसन ने दो विकेट लिए, जबकि मैट हेनरी, जैकब डफी और रचिन रवींद्र को एक-एक सफलता मिली।

सेदिकुल्लाह-गुलबदिन के बीच साझेदारी: पावरप्ले में ही दो विकेट गिरने के बाद सेदिकुल्लाह और गुलबदिन नईब ने शानदार साझेदारी की। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 79 रनों की साझेदारी हुई जिससे अफगानिस्तान का स्कोर 100 रन के पार पहुंचा। गुलबदिन ने 29 गेंदों पर पचासा पूरा किया, लेकिन इसके तुरंत बाद ही सेदिकुल्लाह अपना विकेट गंवा बैठे। सेदिकुल्लाह 24 गेंदों पर दो चौकों की मदद से 29 रन बनाकर आउट हुए। गुलबदिन ने इसके बाद भी अपनी आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी। लेकिन रचिन रवींद्र की गेंद पर अपना विकेट गंवा बैठे। गुलबदिन 35 गेंदों पर तीन चौकों और चार छक्कों की मदद से 63 रन बनाकर आउट हुए।

शेफर्ड ने बरपाया कहर हैट्रिक से मचाई सनसनी

स्कॉटलैंड से वेस्टइंडीज 35 रन से जीता

दो बार की विजेता वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम ने टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत जीत के साथ की है। ग्रुप सी के अपने पहले मैच में वेस्टइंडीज ने स्कॉटलैंड को 35 रन से हराया। वेस्टइंडीज के लिए शिमरोन हेटमायर और रोमारियो शेफर्ड हीरो बनकर उभरे। रोमारियो शेफर्ड की हैट्रिक ने इस मुकाहले में हैट्रिक ली। उन्होंने पंजा लेकर वेस्टइंडीज की जीत तय की।

वेस्टइंडीज के दिए 183 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी स्कॉटलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम को पहला झटका 7 के स्कोर पर माइकल जोंस के रूप में लगा। जोंस 1 रन बनाकर आउट हो गए। दूसरे विकेट के लिए जॉर्ज मुंसे और ब्रैंडन मैकमुलेन के बीच 30 रन की साझेदारी हुई। मुलेन 12 गेंद पर 14 रन बनाकर आउट हुए। 37 के स्कोर पर मुंसे भी 19 रन बनाकर तीसरे विकेट के रूप में आउट हो गए। इस समय लग रहा था कि स्कॉटलैंड की पारी जल्द समाप्त हो जाएगी, लेकिन कप्तान रिची बेरिंगटन और टॉम ब्रूस ने चौथे विकेट के लिए 78 रन की साझेदारी कर टीम की वापसी कराई। 115 के स्कोर पर बेरिंगटन चौथे विकेट के रूप में 24 गेंद पर 42 रन बनाकर आउट हो गए। 122 के स्कोर पर ब्रूस भी 28 गेंद पर 35 रन बनाकर आउट हो गए।इन दोनों का विकेट गिरने के बाद स्कॉटलैंड की हार लगभग तय हो गई थी। 16 ओवर के बाद स्कॉटलैंड का स्कोर 5 विकेट पर 132 रन था। आखिरी 4 ओवर में 51 रन की जरूरत थी और टीम के पास 5 विकेट शेष थे। ऐसा लग रहा था कि शायद टीम संघर्ष करे, लेकिन वेस्टइंडीज की तरफ से 17वां ओवर रोमारियो शेफर्ड आए। शेफर्ड ने इस ओवर में हैट्रिक सहित 4 विकेट लेकर वेस्टइंडीज की जीत निश्चित कर दी।

शिमरोन हेटमायर के 36 गेंदों पर बनाए 64 रन

स्कॉटलैंड 18.5 ओवर में 147 रन पर सिमट गई और 35 रन से मैच हार गई। वेस्टइंडीज के लिए रोमारियो शेफर्ड ने 3 ओवर में 20 रन देकर 5 विकेट लिए। जेसन होल्डर ने 3, जबकि शमार जोसेफ और गुडाकेश मोती ने 1-1 विकेट लिए।इससे पहले टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज ने शिमरोन हेटमायर के 36 गेंदों पर बनाए 64 रन की मदद से 5 विकेट के नुकसान पर 182 रन बनाए थे। हेटमायर ने अपनी पारी में 2 चौके और 6 छक्के लगाए थे। हेटमायर के अलावा ब्रैंडन किंग ने 30 गेंद पर 35, रोवमन पॉवेल ने 14 गेंद पर 24 और शरफेन रदरफोर्ड ने 13 गेंद पर 26 रन बनाए थे। स्कॉटलैंड के लिए ब्रैडली करी ने 4 ओवर में 23 रन देकर 2 विकेट लिए थे, जबकि साफयान शरीफ, ओलिवर डेविडसन और माइकल लिस्क को 1-1 विकेट मिला था।

जेसन होल्डर ने लगाया टी20 विकेटों का शतक: वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर जेसन होल्डर ने टी20 विश्व कप 2026 में ग्रुप सी के पहले मैच में स्कॉटलैंड के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए न सिर्फ अपनी टीम को जीत दिलाई बल्कि एक बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम किया।स्कॉटलैंड के खिलाफ मुकाबले में जेसन होल्डर ने 3.5 ओवर में 30 रन देकर 3 विकेट लिए। इस दौरान दूसरा विकेट लेते ही अंतरराष्ट्रीय टी20 में उनके 100 विकेट हो गए। अंतरराष्ट्रीय टी20 में 100 विकेट लेने वाले होल्डर वेस्टइंडीज के पहले गेंदबाज हैं।

सुमित नागल को डेविस कप क्वालिफायर में मिली शुरुआती हार

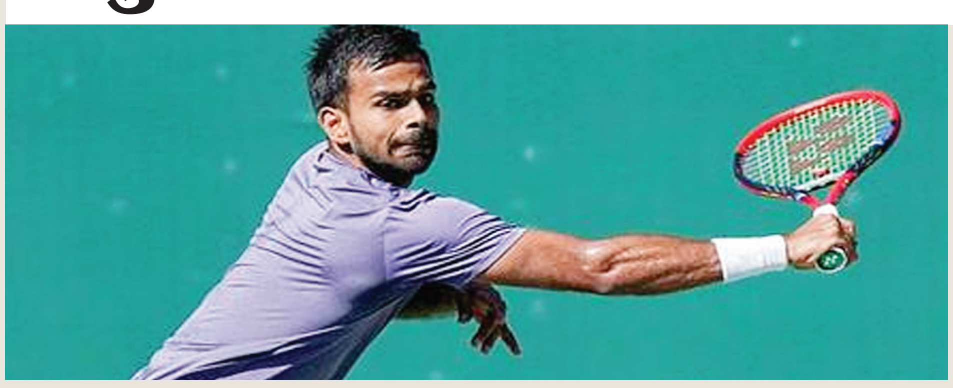

बेंगलुरु (एजेंसी)। डेविस कप क्वालिफायर मुकाबले में भारत को शुरुआती झटका लगा है। देश के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल को पहले सिंगल्स मैच में नीदरलैंड के गाइ डे ओउडेन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। तीन सेट तक चले इस मुकाबले में नागल 0-6, 6-4, 3-6 से पराजित हुए, जिसके बाद भारत सीरीज में 0-1 से पीछे हो गया है।

मैच का हाल

मैच की शुरुआत नागल के लिए बेहद कठिन रही। पहले सेट में गाइ डे ओउडेन ने आक्रामक खेल दिखाते हुए नागल को कोई मौका नहीं दिया और सेट 6-0 से अपने नाम किया। हालांकि, दूसरे सेट में नागल ने शानदार वापसी की, अपनी लय हासिल की और निर्णायक ब्रेक के साथ 6-4 से सेट जीतकर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया।

फैसले में चूके नागल

तीसरे और निर्णायक सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, लेकिन अहम मौकों पर गाइ डे ओउडेन ने बेहतर खेल दिखाया और 6-3 से सेट जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।

भारत पर दबाव

इस हार के साथ ही बेंगलुरु में खेले जा रहे डेविस कप क्वालिफायर टाई में भारत पर दबाव बढ़ गया है। अब भारतीय टीम को अगले मुकाबलों में वापसी कर सीरीज में बराबरी हासिल करने की जरूरत होगी, ताकि क्वालिफिकेशन की उम्मीदें बनी रहें।आगामी मैचों में भारतीय खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है, जिससे घरेलू दर्शकों के सामने टीम वापसी कर सके।

व्यापार

सोना 175000 और चांदी 330000 तक जाएगा तेजी ने फिर बदला माहौल

नई दिल्ली, एजेंसी। एक बार फिर से सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिली। सोने का भाव सर्राफा बाजार में शुक्रवार की शाम को 150882 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था। वहीं, चांदी का 244929 रुपये प्रति किलो के स्तर पर पहुंच गई थी। इस तेजी के बाद अब निवेशकों के मन में एक बार फिर संशय बन गया है कि आने वाले समय में गोल्ड और सिल्वर का रेट कहां जा कर रुकेगा एक्सपर्ट्स के अनुसार गोल्ड का रेट 175000 रुपये के स्तर तक आने वाले सत्रों में जा सकता है। एक्सपर्ट का मानना है कि गोल्ड इस समय बुलिश ट्रेंड को दिखा रहा है। उनका कहना है कि सोने का भाव अगर 147000 रुपये के पार बना रहा तो यह बुलिश ट्रेंड आगे भी देखने को मिलेगा। सिल्वर का रेट अपने आल टाइम हाई 420048 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंचने के बाद तेजी से नीचे आया। हालिया गिरावट निवेशकों के लिए खरीदारी करने का एक बेहतर मौका लेकर आया है। एक्सपर्ट्स के अनुसार चांदी की कीमतों में कोई भी गिरावट निवेशकों के लिए इन्वेस्टमेंट का मौका लेकर आएगी। ईरान और अमेरिका के बीच हुई सकारात्मक बातचीत और डॉलर के मजबूत होने की वजह से सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली थी। तो यहां शादियों के सीजन की वजह से डिमांड में इजाफा हुई है। इसका भी असर सोने और चांदी की कीमतों पर दिखा है। अपने आल टाइम रेंज पर पहुंचने के समय पर इस बात की चर्चा तेज हो गई थी कि कहीं सोना और चांदी आम – आदमी की पहुंच से बाहर ना हो जाएं।

आईडीबीआई को खरीदने की रेस में कोटक महिंद्रा नहीं, बैंक ने खुद बता दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। आईडीबीआई बैंक लिमिटेड को खरीदने में प्राइवेट सेक्टर के कोटक महिंद्रा बैंक ने दिलचस्पी नहीं दिखाई है। बैंक ने शनिवार को स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि उसने आईडीबीआई बैंक के लिए कोई फाइनेंशियल बिड सबमिट नहीं किया है। दरअसल, मीडिया में ऐसी खबरें चल रही थीं कि कोटक ने आईडीबीआई बैंक की खरीदारी के लिए कदम बढ़ाए हैं। अब कोटक बैंक ने खुद इसे खारिज कर दिया है। सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव अरुणीश चावला ने शुक्रवार को कहा कि सरकार को आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक विनिवेश के लिए वित्तीय बोलियां प्राप्त हुई हैं। हालांकि, उन्होंने इसके बारे में विस्तार से नहीं बताया। दीपम सचिव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा- आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक विनिवेश के लिए वित्तीय बोलियां प्राप्त हो गई हैं। निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप उनका मूल्यांकन किया जाएगा। आईडीबीआईबैंक के निजीकरण की प्रक्रिया पिछले तीन वर्षों से अधिक समय से लटकी हुई है। सरकार ने अक्टूबर, 2022 में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के साथ मिलकर आईडीबीआई बैंक में कुल 60.72 प्रतिशत हिस्सेदारी को बेचकर इसके निजीकरण के

लिए अभिरुचि पत्र (ईओआई) आमंत्रित किए थे। इसमें केंद्र सरकार की 30.48 प्रतिशत और एलआईसी की 30.24 प्रतिशत हिस्सेदारी शामिल है। इसके बाद विभाग ने जनवरी, 2023 में कहा था कि उसे आईडीबीआई बैंक के लिए कई ईओआई मिले हैं। आईडीबीआई बैंक के संभावित खरीदार को गृह मंत्रालय की तरफ से पहले ही सुरक्षा मंजूरी दी जा चुकी है और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भी मंजूरी दे दी है। रणनीतिक विनिवेश प्रक्रिया के अगले चरण में लेनदेन सलाहकार और संपत्ति मूल्यांकनकर्ता की मदद से एक आरक्षित मूल्य तय किया जाएगा। इसके बाद पहले से प्राप्त सीलबंद वित्तीय बोलियों को बोलीदाताओं की उपस्थिति में खोला जाएगा। सफल बोलीदाता वही होगा, जिसकी बोली सभी वैध बोलियों में सबसे अधिक होगी और आरक्षित मूल्य से अधिक होगी।

डेयरी में करीब पांच प्रतिशत गिरावट

लगातार 5वें माह विश्व खाद्य कीमतें गिरीं, चावल की महंगाई बनी चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की एफएओ रिपोर्ट के अनुसार जनवरी 2026 में वैश्विक खाद्य कीमतों में लगातार पांचवें महीने गिरावट दर्ज हुई। दूध, चीनी और मांस सस्ते हुए हैं, जिससे महंगाई के दबाव में कुछ राहत के संकेत मिले हैं। हालांकि चावल और वनस्पति तेल की कीमतें बढ़ी हैं।

भारत सहित दुनिया भर में महंगाई से जूझ रहे करोड़ों लोगों के लिए जनवरी 2026 ने कुछ राहत के संकेत दिए हैं। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, वैश्विक खाद्य कीमतों में लगातार पांचवें महीने गिरावट दर्ज की गई है। दूध, चीनी और मांस जैसे जरूरी उत्पादों के सस्ते होने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में नरमी आई है, हालांकि चावल और वनस्पति तेल की बढ़ती कीमतें अब भी चिंता का कारण बनी हुई हैं। एफएओ का फूड प्राइस इंडेक्स, जो दुनिया भर में कारोबार होने वाले प्रमुख खाद्य उत्पादों की मासिक कीमतों में बदलाव को दर्शाता है, जनवरी 2026 में औसतन 123.9 अंक पर रहा। यह दिसंबर 2025 की तुलना में 0.4 फीसदी कम और पिछले साल की समान अवधि से 0.6 फीसदी नीचे है। रिपोर्ट के मुताबिक, कुल मिलाकर वैश्विक बाजार में राहत के संकेत हैं, लेकिन कुछ जरूरी वस्तुओं की महंगाई आने वाले महीनों में चुनौती बन सकती है।

जनवरी में अनाज की कीमतों में दिसंबर 2025 की तुलना में मामूली 0.2 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई और अनाज मूल्य सूचकांक औसतन 107.5 अंक पर रहा। इस दौरान गेहूं और मक्के की वैश्विक कीमतों में हल्की गिरावट देखने को मिली।

एफएओ के अनुसार दुनिया में गेहूं का पर्याप्त भंडार होने के कारण रूस और अमेरिका में मौसम से जुड़ी चिंताओं का असर सीमित रहा। अर्जेंटीना और ऑस्ट्रेलिया में अच्छी फसल की उम्मीद और वैश्विक स्तर पर ऊंचे भंडार भी कीमतों को नियंत्रित रखने में मददगार रहे। इसके उलट, जनवरी में चावल की कीमतों में 1.8 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। खास तौर पर खुशबूदार किस्मों की मांग बढ़ने से बाजार में मजबूती आई। इससे आयातित खाद्य उत्पादों की लागत कम होने की संभावना है। चीनी उत्पादन में भारत की बड़ी वृद्धि से घरेलू आपूर्ति मजबूत रहने और निर्यात संभावनाएं बढ़ने के संकेत हैं। इसका लाभ किसानों, चीनी मिलों को हो सकता है। हालांकि चावल, वनस्पति तेल चुनौती में हैं।

भारत-थाईलैंड में चीनी के उत्पादन में वृद्धि के संकेत : एफएओ के आंकड़ों के मुताबिक जनवरी 2026 में चीनी मूल्य सूचकांक में 1 प्रतिशत की गिरावट रही। दिसंबर 2025 में 90.7 अंक पर रहा यह सूचकांक जनवरी में घटकर 89.8 पर आ गया। इसके पीछे भारत में उत्पादन में वृद्धि, थाईलैंड से सकारात्मक संकेत और ब्राजील में अच्छे उत्पादन अनुमानों के चलते वैश्विक आपूर्ति बढ़ने की उम्मीद को प्रमुख वजह माना जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)